THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

एमवीए के घटक दलों के बीच सीट शेयरिंग पर सहमति बनी

मुंबई, 29 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी (एमवीए) के घटक दलों के बीच सीटों पर सहमति बन गई है। एमवीए में कांग्रेस, शिवसेना यूबीबी और एनसीपी शरदचंद्र पवार के अलावा और दो और पार्टियों की इंट्री हुई है। इनमें प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी और राजू शेट्टी की अगुवाई वाली स्वाभिमानी शेतकरी संघटना शामिल है। महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग जो फॉर्मूला बना है। उसके तहत 48 सीटों में से 21 सीट पर शिवसेना यूबीटी लड़ेगी, जबकि कांग्रेस 15 सीट, एनसीपी शरद पवार नौ सीटें पर लड़ेगी।

वर्ष-28 अंक : 343 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **फाल्गुन कृ.6 2080 शुक्रवार, 1 मार्च-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

दक्षिण में ज्यादा तपाएगी गर्मी

होली से लू चल सकती है; 2 साल से ज्यादा टेम्प्रेचर का ट्रेंड

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। 2024 में होली के आसपास उत्तर और मध्य भारत के सभी राज्यों में हीटवेव (लू) चल सकती है। इसकी दो वजहें हैं- होली इस बार मार्च के आखिरी हफ्ते (25 मार्च) में है और दक्षिण भारत में तापमान की बढ़ोतरी दो हफ्ते पहले फरवरी की शुरुआत से ही हो गई।

हालात ये हैं कि दक्षिण भारत के सभी राज्यों से महाराष्ट्र और ओडिशा तक दिन का तापमान 4-6 डिग्री तक ज्यादा यानी 33 डिग्री से ऊपर दर्ज हो रहा है। यह ट्रेंड इस बार फरवरी में पहले हफ्ते से ही दर्ज होने लगा, जो बीते दो साल में तीसरे हफ्ते में शुरू हुआ था। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि बीते दो वर्षों से उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में प्री-मानसून सीजन में तापमान बढ़ने का जो ट्रेंड दिखा है, वही इस बार जारी रहेगा।

आईएमडी के पूर्व महानिदेशक केजे रमेश कहते हैं कि हम मौसमी चक्र के ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जब सर्दी खत्म होते ही बिना वसंत (न सर्दी, न गर्मी) आए सीधे गर्मी आ रही है।

सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) के अध्ययन में पाया गया है कि देश में बीते 45 साल में लगातार 540 महीनों में एक भी महीना ऐसा नहीं गुजरा, जब मौसम की कोई चरम घटना न हुई हो। 2023 के दौरान ही 365 दिनों में से 318 दिन देश मौसम की चरम घटनाओं से गुजरा और कोई भी राज्य अछूता नहीं रहा।

देश के आठ राज्यों में एक्सट्रीम वेदर की 100 से ज्यादा घटनाएं हुईं। हिमाचल में सबसे ज्यादा 149 दिन ऐसी घटनाएं हुईं। मध्य प्रदेश में 141 दिन और केरल व यूपी में 119-119 दिन मौसमी घटनाओं ने परेशान किया। सबसे ज्यादा 208 दिन देश के विभिन्न राज्यों में भारी बारिश, बाढ़ का सामना करना पड़ा।

49 दिन हीटवेव (लू) चली। 29 दिन शीत लहर में बीते। 9 दिन बादल फटे और दो दिन साइक्लोन भी आया। जून से सितंबर तक लगातार 122 दिन ऐसे रहे, जब हर दिन मौसमी तांडव रहा। बीते वर्ष हुई चरम मौसमी घटनाओं में 3,287 लोगों की मौत हुई।

राम रहीम को बार-बार पैरोल पर हाईकोर्ट सख्त

हरियाणा सरकार को नोटिस भेज जवाब मांगा, कहा- अब बिना इजाजत पैरोल न दें

चंडीगढ़, 29 फरवरी (एजेंसियां)। साध्वियों के यौन शोषण और 2 कत्ल केस में सजा काट रहे राम रहीम को पैरोल देने पर पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। गुरुवार को हाईकोर्ट ने राम रहीम को बार-बार पैरोल दिए जाने को लेकर हरियाणा सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही यह भी कहा है कि बिना इजाजत डेरा प्रमुख को आगे पैरोल न दें। इस मामले की अगली सुनवाई 13 मार्च को होगी।

इससे पहले भी सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि वह इस मामले में जवाब देने से क्यों बच रही है। कार्यवाहक चीफ जस्टिस रितु बाहरी की बैंच ने हरियाणा सरकार से पूछा था कि जिस तरह समय-समय पर डेरा मुखी को पैरोल का लाभ दिया जा रहा है, उसी तरह दूसरे कैदियों को भी यह लाभ दिया जा रहा है या नहीं?

हिमाचल में सुक्खू सीएम बने रहेंगे

कांग्रेस ने कहा- सभी मतभेद दूर किए,ऑपरेशन लोटस फेल रहा; अयोग्य करार दिए 6 विधायक हाईकोर्ट पहुंचे

शिमला, 29 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में सरकार पर और क्रॉस वोटिंग पर कांग्रेस ने आज 29 फरवरी की शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार, हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और हिमाचल सीएम सुखविंदर सुक्खू शामिल थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पार्टी और विधायकों के बीच सारे मतभेद सुलझा लिए गए हैं। सुक्खू सीएम बने रहेंगे। ऑपरेशन लोटस फेल हो गया है। हमारे लिए अब लोकसभा चुनाव प्राथमिकता है।

इससे पहले राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग करने वाले 6 कांग्रेस विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने के बाद धर्मशाला में मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू और बागी विधायक सुधीर शर्मा के समर्थकों में झड़प हो गई थी। उधर, पूर्व सीएम वीरभद्र की पत्नी प्रतिभा सिंह ने विधानसभा स्पीकर कुलदीप सिंह पठानिया की सस्पेंशन की कार्रवाई पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा कि ये फैसला हाईकमान को लेना था।

भाजपा ने भी अपने सभी विधायकों से कहा है कि वे शिमला में ही रुके रहें। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि अयोग्य ठहराए गए विधायक जाहिर तौर पर हमारे होंगे। अगर प्रतिभा सिंह भाजपा में आती हैं तो उनका स्वागत है।

वहीं, कांग्रेस के 6 बागी विधायकों ने स्पीकर के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दे दी है। बजट सेशन के दौरान सदन में मौजूद न रहने पर स्पीकर पठानिया ने गुरुवार सुबह इन्हें विधानसभा सदस्यता से अयोग्य ठहराया था। बागी विधायकों ने अपनी सदस्यता रद्द करने के फैसले को चैलेंज किया है।

कांग्रेस के इन विधायकों ने राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग करते हुए बीजेपी उम्मीदवार हर्ष महाजन के पक्ष में वोटिंग की थी, जिसकी वजह से कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी हार गए थे।

इस फैसले से हिमाचल की कांग्रेस सरकार गिरने का खतरा टल गया है। हिमाचल में कुल 68 विधायक हैं। इस फैसले के बाद कांग्रेस के पास अब 34 विधायक बचे हैं। भाजपा के 25 विधायक हैं जबकि 3 निर्दलीय हैं।

अगर 3 निर्दलीय और भाजपा मिलते हैं तो भी 28 ही विधायक हो रहे हैं।

हिंदू मंदिरों से जुड़ा बिल विधानसभा से पारित

विधान परिषद में पास नहीं होने के बाद फिर हुआ था पेश

बंगलूरू , 29 फरवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक का मंदिरों से जुड़ा एक विधेयक इन दिनों चर्चा में बना हुआ है। हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक, 2024 पिछले सप्ताह विधान परिषद में पास नहीं हो सका। पुनर्विचार के लिए इसे विधानसभा भेजा गया, जिसे फिर से एक बार कर्नाटक विधानसभा ने पास कर दिया।

गौरतलब है कि कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती(संशोधन) विधेयक, 2024 को अब सीधे राज्यपाल के पास उनकी सहमति के लिए भेजा जाएगा।

राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद जो कानून बन जाएगा। बता दें 21 फरवरी को विधानसभा द्वारा पारित किए जाने के बाद यह विधेयक 23 फरवरी को विधान परिषद में पेश किया गया था, जहां ध्वनि मत से इसे विपक्ष ने खारिज कर दिया।

नवनीत राणा की जाति पर फैसला सुरक्षित

अमरावती सांसद पर आरोप- फर्जी दस्तावेज देकर बनवाया था कास्ट सर्टिफिकेट

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार (28 फरवरी) को लोकसभा की अमरावती सीट से सांसद नवनीत कौर राणा के जाति प्रमाण पत्र से जुड़े केस में फैसला सुरक्षित रख लिया। नवनीत ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करने के लिए याचिका लगाई थी।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 8 जून 2021

को कहा था कि नवनीत ने मोची जाति का प्रमाण पत्र फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी से हासिल किया था। कोर्ट ने कहा था कि रिकॉर्ड से पता चलता है कि वह सिख-चमार जाति से थीं। हाईकोर्ट ने उन पर 2 लाख रुपए जुर्माना भी लगाया था। केस जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस संजय करोल की बेंच में था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने सांसद राणा के जाति प्रमाण पत्र को रद्द करने के हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी।

हाईकोर्ट ने 6 महीने में सर्टिफिकेट सरेंडर करने कहा था दरअसल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से समर्थित राणा ने 2019 में अमरावती से जीत हासिल की थी।

शेख शाहजहां को टीएमसी ने सस्पेंड किया

कोलकाता, 29 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं से यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने के आरोपी टीएमसी नेता शेख शाहजहां को टीएमसी ने 6 साल के लिए पार्टी से सस्पेंड कर दिया है। पार्टी के फैसले का ऐलान करते हुए टीएमसी लीडर डेरेक ओ' ब्रायन ने कहा कि एक पार्टी है, जो सिर्फ बोलती रहती है। तृणमूल जो कहती है, वो करती है।

शेख को बंगाल पुलिस ने गुरुवार 29 फरवरी की सुबह नॉर्थ 24 परगना के मीनाखान इलाके से उसे गिरफ्तार किया गया। वह 55 दिन से फरार था। पुलिस ने उसे बशीरहाट कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 10 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। कोलकाता पुलिस ने जांच क्रिमिनल इन्वेस्टीगेशन डिपार्टमेंट को सौंप दी है।

साउथ बंगाल के एडीजी सुप्रतिम सरकार ने कहा कि वह 5 जनवरी को ईडी अफसरों पर हुए हमले के मुख्य आरोपियों में शामिल था। उसे इसी मामले में गिरफ्तार किया गया है।

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT Banjara Hills Mob: +91 7428892716, RENAULT Begumpet Mob: +91 9311733972, RENAULT Gachibowli Mob: +91 9289220863, RENAULT Hitech City Mob: +91 9311733970, RENAULT Kukatpally Mob: +91 7067322620, RENAULT LB Nagar Mob: +91 9311700671. **KARIMNAGAR**: RENAULT Karimnagar Mob: +91 9582305983. **KHAMMAM**: RENAULT Khammam Mob: +91 8527234093. **KOTHAGUDEM:** RENAULT Kothagudem Mob: +91 7428439271. **MAHABUBABAD:** RENAULT Mahabubabad Mob: +91 9311341235. **MAHBUBNAGAR**: RENAULT Mahbubnagar Mob: +91 7799766431. **MANCHERIAL**: RENAULT Mancherial Mob: +91 9582571953. **MIRYALGUDA:** RENAULT Miryalguda Mob: +91 7428439406. **NALGONDA:** RENAULT Nalgonda Mob: +91 7428439437. **NIZAMABAD:** RENAULT Nizamabad Mob: +91 9311700672. **SATHUPALLY:** RENAULT Sathupally Mob: +91 8130499615. **SHADNAGAR:** RENAULT Shadnagar Mob: +91 9311700675. **SIDDIPET**: RENAULT Siddipet Mob: +91 8527235114. **SURYAPET:** RENAULT Suryapet Mob: +91 8130311149. **VIKARABAD:** RENAULT Vikarabad Mob: +91 9311733961. **WARANGAL:** RENAULT Warangal Mob: +91 9311700673. **ZAHIRABAD:** RENAULT Zahirabad Mob: +91 9311733977.

प्रतिभा सिंह का बड़ा बयान

बोलीं- 'विक्रमादित्य अपने इस्तीफे पर कायम'

शिमला, 29 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में सियासी पारा काफी चढ़ा हुआ है। कांग्रेस के 6 बागी विधायकों की सदस्यता रद्द कर दी गई है। इस बीच हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष और वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह ने प्रदेश की सियासी हलचल को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि विक्रमादित्य अपने इस्तीफे पर कायम हैं। हिमाचल की जनता हमलोग के साथ जुडी है। प्रतिभा सिंह ने ये भी कहा कि विधायकों का नाराज होना स्वभाविक सी बात है। अब देखना है कि पर्यवेक्षक इस मसले को लेकर क्या फैसला लेते हैं। प्रतिभा सिंह ने ये भी दावा किया कि उनकी प्रियंका गांधी वाड्रा से भी बात हुई है।

महाराष्ट्र डिप्टी सीएम फडणवीस को

मिली जान से मारने की धमकी सांताक्रूज पुलिस ने दर्ज किया केस

मुंबई, 29 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जान से मारने की धमकी मिली है। डिप्टी सीएम को सोशल मीडिया के जरिए ये धमकी मिली है। डिप्टी सीएम फडणवीस को जान से मारने की धमकी वाला वीडियो फेसबुक पर शेयर किया गया। शिवसेना पदाधिकारी अक्षय पनवलकर की शिकायत पर सांताक्रूज पुलिस ने केस दर्ज कर लिया! पुलिस ने एक यूट्यूब चैनल पर उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस के बारे में कथित रूप से अपमानजनक बयान देने और उन्हें जान से मारने की धमकी देने के आरोप में केस दर्ज किया है। सांताक्रूज़ पुलिस ने यूट्यूब चैनल के साक्षात्कारकर्ता और फेसबुक और ट्विटर अकाउंट के यूजर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत में दो समुदायों के बीच दंगे भड़काने के इरादे से भड़काऊ बयान देने और सार्वजनिक शांति भंग करने वाले बयान देने का आरोप लगाया गया है। शिवसेना कार्यकर्ता ने फडणवीस को जान से मारने की धमकी की शिकायत दिए जाने के बाद सांताक्रूज पुलिस ने आईपीसी की धारा 153 (ए), 500, 505 (3), 506 (2) और 34 के तहत मामला दर्ज किया है।

ओवर स्पीडिंग के चालान से शराब तस्कर तक पहुंची पुलिस आरोपी को रंगे हाथों दबोचा

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। दक्षिण जिले का वाहन चोरी निरोधक दस्ता (एएटीएस) मात्र ओवर स्पीडिंग चालान से शराब तस्कर तक पहुंच गया और आरोपी अभिमन्यु को शराब की तस्करी करते हुए रंगे हाथ दबोच लिया। इससे पहले पुलिस ने स्वचालित नंबर प्लेट पहचान प्रणाली (एएनपीआर) से आरोपी के शराब तस्करी में इस्तेमाल किए जाने वाले टैंपो की पहचान की। आरोपी कई राज्यों में शराब की तस्करी कर रहा था। आरोपी यूपी के जिला अंबेडकर नगर के डाकघर बंधन के ग्राम खड़गपुर स्थित अकबरपुरा मथुरा रोड का निवासी है।

राज्यपाल बोस बोले

बंगाल के कुछ हिस्सों में गुंडे कर रहे राज

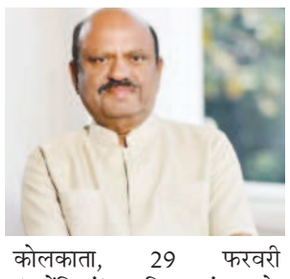

कोलकाता, 29 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी।वी। आनंद बोस ने संदेशखाली मामले में तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख की गिरफ्तारी का गुरुवार को स्वागत किया और कोलकाता में कहा कि बंगाल के कई इलाकों में राज कर रहे अपराधियों को सलाखों के पीछे डालने का वक्त आ गया है। बंगाल में हिंसा के चक्र को समाप्त करना होगा फरार तृणमूल नेता शाहजहां शेख को गुरुवार तड़के संदेशखाली से लगभग 30 किमी दूर मिनाखान में एक घर से गिरफ्तार किया गया। राज्यपाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह एक अंत की शुरुआत है। हमें बंगाल में हिंसा के चक्र को समाप्त करना होगा। बंगाल के कुछ हिस्सों में गुंडे राज कर रहे हैं। यह समाप्त होना चाहिए और गैंगस्टर को सलाखों के पीछे डाला जाना चाहिए।

बीजेपी की पहली सूची जारी होने से पहले

केंद्रीय मंत्री ने की ये मांग, इस सीट पर चुनाव लड़ना का कर रहे दावा

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा के उम्मीदवारों की पहली सूची जारी होने से पहले केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने हिंगोली सीट से दावा किया है कि वो महाराष्ट्र में 1 से 2 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहते हैं।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि देश भर में उनकी पार्टी 8-10 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। अब इसका निर्णय एनडीए गठबंधन में शामिल सबसे बड़े दल यानी भाजपा को करना है कि आखिर उनके सहयोगी दल कहां और किस सीट से चुनाव लड़ेंगे। सूत्रों की मानें तो आज भाजपा 160 सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर सकती है। इस फेहरिस्त में संभवतः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नाम भी शामिल हो सकता है।

नरेला में बीजेपी कार्यकर्ता वर्षा पंवार की हत्या

ऑफिस में दिया घटना को अंजाम, आरोपी ने भी किया सुसाइड

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। आउटर नार्थ दिल्ली से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। दिल्ली के नरेला में एक लड़की की हत्या कर दी गई है। लड़की को उसके ऑफिस में मारा गया है। मृत लड़की की पहचान वर्षा पंवार के रूप में हुई है। वह बीजेपी कार्यकर्ता थी।

क्या है पूरा मामला?

दिल्ली के नरेला में एक लड़की की हत्या कर दी गई। लड़की को उसके ऑफिस में मारा गया। मृत लड़की का नाम वर्षा पंवार है और वह बीजेपी की कार्यकर्ता थी। पुलिस हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग को वजह मान रही थी। अचानक ये खबर भी सामने आई कि वर्षा की हत्या के आरोपी और वर्षा के दोस्त ने सुसाइड कर ली। आरोपी सोहन लालन ने सोनीपत के रेलवे ट्रैक पर सुसाइड की। वर्षा पिछले 3 दिनों से लापता थी। वर्षा के लापता होने के बाद उसके पिता ने गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। लेकिन पिता को नहीं पता था कि अब वह अपनी बेटी से कभी नहीं मिल पाएगा। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

अब्दुल करीम उर्फ टुंडा बरी

1993 सीरियल बम धमाकों के मामले में टाडा कोर्ट ने सुनाया फैसला

जयपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है। मिली जानकारी के अनुसार, 1993 के सीरियल बम ब्लास्ट केस में अजमेर की टाडा कोर्ट ने आतंकी अब्दुल करीम टुंडा को बरी कर दिया है। मामले में इरफान और हमीदुद्दीन को उम्र कैद की सजा सुनाई गई है। मामले को लेकर अजमेर टाडा कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि टुंडा के खिलाफ कोई डायरेक्ट एवीडेंस नहीं मिला है। इसलिए उन्हें बरी कर दिया।

बता दें कि अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस के बाद 1993 में लखनऊ, कोटा, हैदराबाद, सूरत, कानपुर और मुंबई की ट्रेनों में सीरियल बम ब्लास्ट हुए थे। इन्हीं ब्लास्ट में करीम टुंडा आरोपी था। बता दें कि इस मामले की सुनवाई बीते 30 सालों से चल रही थी। सुनवाई 21 फरवरी को पूरी हो गई थी।

सभी धाराओं और अधिनियम से टुंडा बरी

वकील शफकत सुल्तानी ने कहा कि अब्दुल करीम टुंडा निर्दोष है, आज कोर्ट ने ये फैसला सुनाया। अब्दुल करीम टुंडा को सभी धाराओं और सभी अधिनियमों से बरी कर दिया गया है। सीबीआई अभियोजन टाडा, आईपीसी, रेलवे अधिनियम, शस्त्र अधिनियम या विस्फोटक पदार्थ अधिनियम में अदालत के समक्ष कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर सका। हम शुरू से कह रहे थे कि अब्दुल करीम टुंडा निर्दोष हैं। इरफान और हमीदुद्दीन को दोषी ठहराया गया है और जल्द ही उन्हें सजा सुनाई जाएगी।

जानकारों के अनुसार, कोर्ट ने कहा है कि देश में जहां-जहां भी ब्लास्ट हुए वहां टुंडा की मौजूदगी नहीं मिली है।

टुंडा साल 2013 में हुआ था गिरफ्तार

बता दें कि सीबीआई ने अब्दुल करीम टुंडा को 1993 में देश के कई राज्यों में हुए धमाकों का जिम्मेदार माना था और साल 2013 में पुलिस ने उसे नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया था। कथित रूप से टुंडा ने भारत में युवाओं को आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए ट्रेनिंग दी थी।

'रैट होल माइनर" का मकान तोड़े जाने को लेकर

मोदी सरकार पर बरसीं प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अतिक्रमण विरोधी अभियान में 'रैट होल माइनर' वकील हसन का मकान तोड़े जाने को लेकर बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि गरीबों को प्रताड़ित एवं अपमानित करना भाजपा के 'अन्यायकाल' की सच्चाई है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि जनता इस अन्याय का जवाब जरूर देगी। डीडीए ने बुधवार को दिल्ली के खजूरी खास इलाके में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जिसमें कई घरों को ढहा दिया गया। डीडीए के इस अभियान से बेघर होने वाले लोगों में वकील हसन भी शामिल हैं, जिन्हें पिछले साल नवंबर में अपनी टीम के साथ उत्तरकाशी की सिल्कयारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के लिए सम्मानित किया गया था। वकील हसन पेशे से 'रैट होल माइनर' (सुरंग खोदने वाले) हैं। प्रियंका गांधी ने वकील हसन की पत्नी का वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, "वकील हसन ने अपनी जान जोखिम में डालकर उत्तरकाशी में सुरंग में फंसे मजदूरों की जान बचाई थी। तब अपने प्रचार के लिए भाजपा के बड़े-बड़े नेताओं ने उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं थीं। जब प्रचार खत्म हो गया तो आज उसी वकील हसन को थाने में बंद कर दिया और उनका घर तोड़कर उनके बच्चों के सिर से छत छीन ली।" कांग्रेस नेता ने कहा, "गरीबों का घर तोड़ना, उन्हें कुचलना, प्रताड़ित और अपमानित करना- यह अन्याय ही भाजपा के 'अन्यायकाल' की सच्चाई है।" कांग्रेस नेता ने कहा कि जनता इस अन्याय का जवाब जरूर देगी।

नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरिकुमार पहुंचे अपने स्कूल, सहपाठियों-पूर्व शिक्षिका से की मुलाकात

तिरुअनंतपुरम, 29 फरवरी (एजेंसियां)। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर। हरिकुमार दशकों बाद वजुथाकौड स्थित अपने मातृ संस्थान कार्मेल कॉन्वेंट एचएसएस पहुंचे। यहां स्कूल बैंड द्वारा उनका स्वागत किया गया और स्कूल परिसर में प्रवेश करते ही उनके चेहरे पर मुस्कान नजर आई। नौसेना प्रमुख 26-27 फरवरी को दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर केरल की राजधानी में थे। एडमिरल आर। हरिकुमार ने इस स्कूल में दो साल तक पढ़ाई की थी। यहां उन्होंने अपनी पूर्व शिक्षिका जमीला को गले लगाया और उनके पैर छुए। इस दौरान उन्होंने अपनी कक्षा का भी भ्रमण किया, जहां वह दशकों पहले पढ़ते थे। यहां वह उनसे मिलने स्कूल आए सहपाठियों के साथ बेंच पर भी बैठे। पूर्व शिक्षिका जमीला और अपने सहपाठियों के साथ बातचीत और पुरानी यादें साझा करते हुए कुमार के चेहरे पर मुस्कान नजर आ रही थी।

प्राइवेट स्कूल के प्राचार्य ने कक्षा एक की छात्रा को बेरहमी से पीटा

श्योपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। श्योपुर जिले के विजयपुर नगर में संचालित प्राइवेट स्कूलों की अपनी ही मनमानी देखने को मिली है। नगर के मंडी क्षेत्र रण सिंह कॉलोनी में एपीएस एकेडमी नाम से संचालित आशासकीय स्कूल के प्राचार्य ने सात साल की मासूम बच्ची के साथ बेरहमी से मारपीट की है, जिससे बच्ची के नाक-कान से खून निकल आया।

अमेठी में फाइलेरिया के दवा खाने से 28 स्कूली बच्चे बीमार, सीएचसी में हुए भर्ती, सभी की हालत ठीक

अमेठी, 29 फरवरी (एजेंसियां)। अमेठी में फाइलेरिया की दवा खाने से प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले दो दर्जन से बच्चे बीमार पड़ गए। आनन फानन में सभी बच्चों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने सभी का इलाज किया। जिसके बाद सभी की हालत ठीक हो गई। बच्चों के मुताबिक दवा खाने के कुछ देर बाद बच्चों को सिर दर्द,उल्टी और बुखार आने लगे। वहीं 100 से अधिक बच्चों ने दवा खाई थी। लेकिन 28 बच्चों में सिर दर्द, उल्टी और बुखार की समस्या आई थी।

संजय राउत के बिगड़े बोल

कहा- नई संसद फाइव स्टार जेल की तरह

मुंबई, 29 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की गहमागहमी के बीच, शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट के प्रमुख नेता संजय राउत ने विवादित बयान दिया है। इस बयान के बाद राजनीतिक हलचल एक बार फिर बढ़ गई है। दरअसल 29 फरवरी को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संजय राउत ने नई संसद भवन की तुलना फाइव स्टार जेल से की है। संजय राउत ने कहा, 'नई संसद एक पांच सितारा जेल की तरह है जहां आप काम नहीं कर सकते। जब हम अपनी सरकार बनाएंगे तो हम अपनी ऐतिहासिक संसद (पुरानी संसद) में अपना संसद सत्र शुरू करेंगे। पीएम मोदी को 2024 के चुनाव के लिए 400 के बजाय 600 का लक्ष्य रखना चाहिए... शरद पवार, जब 2014 से पहले कृषि मंत्री थे, भारत के अब तक के सबसे अच्छे कृषि मंत्रियों में से एक थे, ऐसा किसी और ने नहीं बल्कि पीएम मोदी ने कहा है।'उन्होंने बुधवार को पीएम मोदी की यवतमाल रैली पर भी हमला बोला, जहां उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि और महाराष्ट्र राज्य नमो शेतकारी सम्मान योजना के तहत धनराशि वितरित की। जिसमें किसानों को 12,000 रुपये (केंद्र और राज्य प्रत्येक से 6,000 रुपये) का वार्षिक ऋण शामिल है। गौरतलब है कि इससे पहले संजय राउत ने कहा था कि महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन के सदस्य बुधवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र में सीट-बंटवारे पर सहमत हो गए हैं और इसकी जल्द ही घोषणा की जाएगी। उन्होंने यह बयान मुंबई में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (यूबीटी) की बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में दिया था। संजय राउत ने कहा, कि 'फैसले को अंतिम मंजूरी देने के लिए शरद पवार, उद्धव ठाकरे, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले और प्रकाश आंबेडकर मुलाकात करेंगे जिसकी घोषणा संवाददाता सम्मेलन में की जाएगी।'

पद्म भूषण पदक चुराने वाली महिला समेत पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। साकेत निवासी आईआईआईटी के प्रोफेसर समरेश चटर्जी के दादा जीसी चटर्जी को मिला पद्म भूषण पदक चोरी कर लिया गया। हालांकि कालिंदी कुंज थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पदक चुराने वाली महिला समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एक आरोपी श्रवण कुमार समरेश चटर्जी का मेडिकल अटेंडेंट था। उसने पदक चुराकर साथियों को बेचने के लिए दे दिया था। सुनार प्रशांत विश्वास ने पदक के सोने को पिघलाकर आगे बेच दिया था। सुनार ने आरोपियों को मेडल के 72 हजार रुपये दिए थे। मदनपुर खादर जेजे कॉलोनी निवासी श्रवण कुमार, मदनपुर खादर स्थित बीपीसी कैंप फेज तीन निवासी हरि सिंह, मदनपुर खादर जेजे कॉलोनी निवासी रिंकी देवी, मदनपुर खादर के राज नगर विस्तार निवासी वेद प्रकाश और मदनपुर खादर जेजे कॉलोनी निवासी जूलर प्रशांत विश्वास के रूप में हुई। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त राजेश देव ने बताया कि कालिंदी कुंज थाने में तैनात एसआई अजय चौहान को 27 फरवरी को सूचना मिली थी कि मदनपुर खादर में रहने वाले हरि सिंह, रिंकी देवी और वेद प्रकाश ने एक पद्म भूषण पदक बेचने के लिए दलीप नाम के एक जूलर से संपर्क किया है।

FORM - IV

(See Rule 8)

1. Place of Publication	:	AGA Publications Limited 396, Lower Tank Bund, HYDERABAD - 500 080.
2. Periodicity of Its publication	:	Daily
3. Printer's Name	:	Dr. Gireesh Sanghi
Nationality	:	Indian
Address	:	396, Lower Tank Bund, HYDERABAD - 500 080.
4. Publisher's Name	:	Dr. Gireesh Sanghi
Nationality	:	Indian
Address	:	396, Lower Tank Bund, HYDERABAD - 500 080.
5. Editor's Name	:	Dhirendra Pratap Singh
Nationality	:	Indian
Address	:	396, Lower Tank Bund, HYDERABAD - 500 080.
6. Names & Addresses of Individuals, who own the Newspaper & Partners or Shareholders holding More than 1% of the total capital.		AGA Publications Limited, 396, Lower Tank Bund,, HYDERABAD - 500 080. i) Dr. Giresh Kumar Sanghi 1-144, Omar Khan Diara, Sanghinagar, Hayathnagar(M) R.R.Dist- 501 511, Telangana II) Smt. Alka Sanghi, 1-43, Sanghinagar, R.R. dist- 501 511, Telanagana iii) Gaurav Sanghi, 1-144, Omar Khan Diara, Sanghinagar, Koheda,R.R.Dist- 501 511, Telangana. iv) Aashish Sanghi, Omar Khan Diara, Sanghinagar, Koheda,R.R.Dist- 501 511, Telangana.

I. Dr. Gireesh sanghi, hereby declare that the particulars given above are true to the best of my Knowledge and belief.

Sd/-

Date : 01-03-2024

Dr. GIREESH SANGHI

(Signature of Publisher)

भाजपा नेता मोहित कंबोज को राहत

मुंबई, 29 फरवरी (एजेंसियां)। मुंबई की एक सत्र अदालत ने टेनेट एक्जिम प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य प्रबंध निदेशक (सीएमडी) और भाजपा नेता मोहित कंबोज व अन्य को राहत दे दी है। अदालत ने उनके खिलाफ एक मामले में सीबीआई की ओर से दायर क्लोजर रिपोर्ट को खारिज करने के आदेश पर रोक लगा दी है। सत्र अदालत ने निर्देश दिया है कि कार्यवाही को वापस मजिस्ट्रेट अदालत में भेजा जाए और सीबीआई को सुनवाई का अवसर देकर इस मुद्दे पर नए सिरे से फैसला करने का निर्देश दिया जाए। 23 अक्टूबर, 2023 को मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सीबीआई की ओर से दायर क्लोजर रिपोर्ट को खारिज कर दिया था, आदेश में केंद्रीय एजेंसी को आगे की जांच करने का निर्देश दिया गया था। मजिस्ट्रेट अदालत ने तब कहा था कि उसे प्राथमिकी में लगाए गए आरोपों की पुष्टि करने के लिए प्रथम दृष्टया पर्याप्त सामग्री मिली है। मामले में नामजद आरोपियों ने इस आदेश के खिलाफ अपील के साथ सत्र अदालत का दरवाजा खटखटाया था। यह मामला सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, नरीमन प्वाइंट के अधिकारियों द्वारा टेनेट एक्जिम प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों/गारंटरों और अन्य के खिलाफ बैंक के साथ धोखाधड़ी करने के आरोप से जुड़ा है। शिकायत में कहा गया था कि कंपनी के सीएमडी कंबोज, कंपनी के निदेशक जितेंद्र कपूर, नरेश एम कपूर, सिद्धांत आर बागला, हितेश मिश्रा, रुद्राक्ष मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड (कॉरपोरेट गारंटर), मेसर्स ललित और सुरेंद्र (चार्टर्ड अकाउंटेंट) और एक अज्ञात लोक सेवक ने जालसाजी की और बैंक की क्रेडिट सुविधा का लाभ उठाने के लिए फर्जी दस्तावेज जमा करके बैंक के साथ धोखाधड़ी

सीएम शिंदे के 'फर्जी' हस्ताक्षर और मोहर वाला ज्ञापन मिलने से अलर्ट हुआ सीएमओ

मुंबई, 29 फरवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यालय में आगे की कार्रवाई के लिए सौंपे गए कुछ ज्ञापनों में मुख्यमंत्री के जाली हस्ताक्षर और मोहर लगाने का पता चलने के बाद उनके कार्यालय ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी किए गए एक बयान के अनुसार, मरीन लाइन्स पुलिस थाने में यह शिकायत दर्ज कराई गई है।

कार्रवाई करने के आदेश

इसमें कहा गया, सीएमओ को आगे की कार्रवाई के लिए टिप्पणियों के साथ मुख्यमंत्री द्वारा हस्ताक्षरित ज्ञापन और पत्र प्राप्त होते हैं, जिसके बाद दस्तावेजों को डाक अनुभाग और ई-ऑफिस प्रणाली के साथ पंजीकृत किया जाता है और फिर संबंधित विभागों को भेज दिया जाता है। सीएमओ ने बताया कि हाल में उसे मुख्यमंत्री के फर्जी हस्ताक्षर और मोहर वाले 10 से 12 ज्ञापन प्राप्त हुए। यह भी बताया गया कि मुख्यमंत्री ने घटनाक्रम को गंभीरता से लिया और सीएमओ को पुलिस में शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कार्यालय के कर्मचारियों को अधिक सतर्क रहने के लिए भी कहा है।

मुंबई पुलिस ने दी जानकारी

मुंबई पुलिस ने बताया कि, महाराष्ट्र सीएमओ में कर्मचारियों ने पाया कि कुछ ज्ञापनों और पत्रों में सीएम के नकली हस्ताक्षर और मोहरें थीं, जिसके बाद कर्मचारियों ने इसे वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाया और मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

सीएम एकनाथ शिंदे के फर्जी हस्ताक्षर और जाली स्टांप के इस्तेमाल को लेकर महाराष्ट्र सीएम कार्यालय के डेस्क अधिकारी की शिकायत पर मरीन ड्राइव पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ आईपीसी 420, 465,468,471 और 473 के तहत मामला दर्ज किया। 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक बयान में, सीएमओ ने कहा, "यह बताया गया है कि मुख्यमंत्री सचिवालय द्वारा कार्रवाई के लिए प्राप्त कुछ बयानों में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नकली हस्ताक्षर और मोहरें हैं और इस संबंध में मरीन लाइन्स पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज की गई है।"

सुविचार

हमें धर्म के आधार पर बटने से पहले एक अच्छा व्यक्ति बनना चाहिए।

पीएम की यात्रा को लेकर मुख्य सचिव ने समन्वय बैठक की

हैदराबाद , 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने आज एक समन्वय बैठक की और 4 और 5 मार्च को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की राज्य की यात्रा के संबंध में की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को समन्वित तरीके से फुलप्रूफ व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

मुख्य सचिव ने पुलिस विभाग को ब्लू बुक के अनुसार पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, कानून व्यवस्था, यातायात एवं बंदोबस्त व्यवस्था करने को कहा. इसी प्रकार, हवाई अड्डे, हेलीपैड और सभी आयोजन स्थलों पर अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था की जानी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को प्रधानमंत्री कार्यालय की आवश्यकताओं के अनुसार आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था करने के लिए कहा गया। इसी तरह, आर एंड बी विभागों को पुलिस और जीएचएमसी के समन्वय से माननीय प्रधान मंत्री के काफिले द्वारा उपयोग की जाने वाली सड़कों की मरम्मत करने के लिए कहा गया है। ऊर्जा विभाग को सभी स्थानों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया. सभी संबंधित विभागों को निकट समन्वय में काम करने और यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि माननीय प्रधान मंत्री की यात्रा सफल तरीके से आयोजित की जाए। प्रधान मंत्री 4 मार्च को आदिलाबाद और 5 मार्च को संगारेड्डी का दौरा करेंगे। वह कई विकास कार्यक्रम लॉन्च करेंगे। वह दोनों जगहों पर जनसभाओं को भी संबोधित करेंगे। बैठक में डीजीपी रवि गुप्ता, प्रमुख सचिव गृह जितेंद्र, डीजी फायर सर्विसेज नागी रेड्डी, सचिव राजनीतिक रघुनंदन राव, सचिव स्वास्थ्य क्रिस्टीना जोंगथु, राज्यपाल के सचिव सुरेंद्र मोहन, आयुक्त सूचना एवं जनसंपर्क हनुमंत राव, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज, सीएमडी टीएसपीडीसीएल मुशर्रफ और अन्य अधिकारी शामिल हुए। कलेक्टर आदिलाबाद और सांगा रेड्डी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

बीआरएस सांसद रामुलु भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)।तेलंगाना में बीआरएस पार्टी को झटका लगा है, उसके पार्टी सांसद पी. रामुलु बीआरएस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए हैं। गुरुवार को रामुलु ने भाजपा नेताओं केंद्रीय मंत्री जी.किशन रेड्डी, भाजपा के तेलंगाना राज्य मामलों के प्रभारी तरुण चुघ, राज्यसभा सांसद लक्ष्मण और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा की उपस्थिति में भगवा दुपट्टा पहना।

इस बीच, अचम्पेट के पूर्व विधायक गुव्वाला बलाराजू और रामुलु के बीच मतभेद तेज हो गए हैं। पता चला है कि रामुलु ने बीआरएस पार्टी छोड़ दी है क्योंकि बलाराजू यह प्रचार कर रहे थे कि वह पार्टी के एमपी उम्मीदवार हैं। राज्यसभा सांसद लक्ष्मण ने रामुलु के शामिल होने का स्वागत किया। इस अवसर पर बोलते हुए, रामुलु ने कहा कि भाजपा तेलंगाना में एक मजबूत ताकत के रूप में उभर रही है और कहा कि बीआरएस पार्टी की नाव डूब रही है। उन्होंने कहा कि "कार" मरम्मत की स्थिति में नहीं है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में बदलाव के तहत कांग्रेस को फायदा हुआ।

सीएम पत्रकारों के कल्याण को लेकर जागरूक : श्री निवास रेड्डी

हैदराबाद , 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पत्रकारों की जरूरतों और उनके कल्याण के बारे में पूरी तरह से जागरूक हैं। बशीर बाग प्रेस क्लब के सभागार में आयोजित एक समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि दो दिन पहले उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और उन्हें अध्यक्ष नियुक्त करने के लिए धन्यवाद दिया और राज्य के पत्रकारों की समस्याओं पर गहन चर्चा की।

उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टरों को पत्रकारों को दिये जाने वाले आवास भूखंडों के मामले में सरकारी स्थानों की पहचान करने के निर्देश दे रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से पत्रकारों को दिये जाने वाले हेल्थ कार्ड सभी अस्पतालों में काम करें, इसके लिए वह निर्देश देने का भरपूर प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा कि राज्य के हर पात्र पत्रकार को मान्यता, घर और स्वास्थ्य कार्ड मिले। मुख्यमंत्री के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, अयोध्या रेड्डी ने कहा कि पत्रकारों के सामने आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए वह उनके साथ काम करेंगे। सूचना एवं नागरिक संबंध विभाग के विशेष आयुक्त हनुमंत राव ने कहा कि पत्रकारिता जगत में जन्मे और पले-बढ़े श्रीनिवास रेड्डी पत्रकारों की जरूरतों के बारे में पल-पल सोचते हैं, मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के रूप में आना पत्रकारों के लिए सौभाग्य की बात है। कार्यक्रम में संपादक रामचन्द्र मूर्ति, आंध्र प्रदेश सरकार के मीडिया सलाहकार देवुलपल्ली अमर, संपादक श्रीनिवास, सियासत संपादक आमेर अली खान, अकादमी सचिव नागुलापल्ली वेंकटेश्वर राव , वराहत अली और अन्य ने भाग लिया।

पूर्व तट रेलवे

(1) लॉट नं./वर्ग : WAT-VSKP-OH-192-23-2 (Advertisement-Out of Home)

विवरण: रेल हाउस/विशाखापट्टनम के निकट विज्ञापन अधिकार। विज्ञापन केवल चिन्हित क्षेत्र में ही निष्पादन किया जाना चाहिए। विज्ञापन के लिए प्रस्तावित एरिया 3500 Sft है।

(2) लॉट नं./वर्ग: ADVT-WAT-VSKP-OH-190-23-2(Advertising-Out of Home)

विवरण: ईस्ट प्वॉइंट विश्राम गृह के निकट/पार्क होटल/ विशाखापट्टनम के सामने विज्ञापन अधिकार। विज्ञापन केवल चिन्हित क्षेत्र में ही निष्पादन किया जाना चाहिए। विज्ञापन के लिए प्रस्तावित एरिया 1500 Sft है।

(3)लॉट नं./वर्ग: ADVT-WAT-RGDA-OSD-204-24-1 (Advertisement-On Station Premise(Digital))

विवरण: व्यवसायिक विज्ञापन प्रदर्शन के लिए रायगड़ा रेलवे स्टेशन में 4 चिन्हित स्थान में डिजिटल वीडियो वॉल/डिजिटल स्क्रीन का संस्थापन, प्रचालन एवं रख-रखाव एवं RDN पॉलिस दिशानिर्देश के अनुसार 50:50 शेयरिंग के आधार पर रेलवे की जानकारी प्रदान। प्रस्तावित कुल स्क्रीन साइज =400 Sft.

दर यूनिट: वार्षिक लाइसेसिंग शुल्क (सभि निविदा के लिए), ट्रिप/दिवस: 1826 (सभि निविदा के लिए), न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2 (सभि निविदा के लिए), लॉट स्थिति: ड्राफ्ट कैटलॉग में नया (सभि निविदा के लिए)।

लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय: दिनांक 11.03.2024 को 1100 बजे (क्रम सं. 1 एवं 2 के लिए) एवं दिनांक 12.03.2024 को 1100 बजे (क्रम सं. 3 लिए), **लॉट समाप्त होने की तिथि व समय:** 11.03.2024 को 1130 बजे (क्रम सं.1 हेतु), 11.03.2024 को 1140 बजे (क्रम सं.2 हेतु) एवं 12.03.2024 को 1130 बजे (क्रम सं.3 हेतु)।

विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल वणिज्य प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-1138/O/23-24

योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष ने कार्यभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी ने गुरुवार को महात्मा ज्योतिबा फुले प्रजा भवन के प्रजावाणी कार्यालय में योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर कई अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई दी। प्रजावाणी कार्यक्रम की विशेष निगरानी के लिए राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी को नियुक्त किया गया।

नशे में वाहन चलाने वालों का पता लगाने में निक ब्रेथ एनालाइजर सक्षम : भागवत

आधुनिक ब्रेथ एनालाइजर और प्रमाण पत्र वितरित किए गए

हैदराबाद, 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के प्रयासों के तहत गुरुवार को पुलिस मुख्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम रेलवे एवं सड़क सुरक्षा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक महेश एम भागवत द्वारा आयोजित किया गया। राज्य भर के 20 जिलों और आयुक्तालयों के संबंधित पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक महेश एम भागवत ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रमाण पत्र और आधुनिक श्वास विश्लेषक वितरित किए। इस अवसर पर बोलते हुए अतिरिक्त डीजीपी ने बताया कि नशे में गाड़ी चलाने का पता लगाने के लिए ब्लूटूथ सर्च करने की विधि इन आधुनिक ब्रेथ एनालाइजर में उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले पुलिस अधिकारियों की विशेषज्ञता में सुधार के लिए इस पद्धति को लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मामले दर्ज करने के साथ-साथ संभावित परिस्थितियों में जिम्मेदार ढंग से वाहन चलाने, शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाने, बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन नहीं चलाने के बारे में लोगों को जागरूक किया जाएगा। अपर पुलिस महानिदेशक ने कहा कि मामले दर्ज कर उचित उपायों से ऐसी दुर्घटनाओं पर नियंत्रण जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क दुर्घटना होने पर केस दर्ज करने के साथ-साथ उन्हें अपने परिवार के सदस्यों की दर्दनाक स्थिति के बारे में भी बताया जाना चाहिए। एडीजी ने ट्रैफिक अधिकारियों को ऑन हैंड ट्रेनिंग के साथ 50 ब्रीथ एनालाइजर दान करने के लिए डियाजियो और एनजीओ सीएसआरबॉक्स को धन्यवाद दिया। सड़क सुरक्षा के डीएसपी वहीदुद्दीन और सीएसआरबॉक्स से रजत सरोहा शामिल हुए

CLASSIFIEDS

चाहिए

सिकन्दराबाद की मशहूर सेक्युरिटी एजेन्सी के लिए, तुरन्त अनुभवी फील्ड आफिसर चाहिए। अच्छा वेतन के साथ संबंधित बेनिफिट्स की व्यवस्था। **अधिक जानकारी हेतु फोन नं. 63038 87220 पर संपर्क करें।**

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

NOTICE

NOTICE IS HEREBY GIVEN that I have separated My Son Chetan Sonee and he has now no claim or title to any of the properties possessed or belonging to me, as the said properties are all my self-acquired properties. My said son has no power or authority to incur debts on the security of my said properties and any person who has given any loan or hereafter giving him any loan or advance shall be doing so entirely on his own risk and responsibility. I, nor my properties, shall in any way be responsible for such debts.

Om Prakash Sonee
R/o. 11-1-314, Flat No. 303, New Agapura, Seetarambagh, Hyderabad-500001
Date: 29/02/2024

कोमुरावेली मल्लन्ना में जल संयंत्र को शुरू करने की मांग

हैदराबाद, 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यशपाल विरागोनी के नेतृत्व में विराट फाउंडेशन और फ्लाई हाई कंसल्टेंट्स के संस्थापकों ने कोमुरावेली मल्लन्ना में स्थापित जल संयंत्र को शुरू करने की मांग को लेकर गुरुवार को सचिवालय में वन, पर्यावरण और देवदया धर्मार्थ मामलों की मंत्री कोंडा सुरेखा से मुलाकात की। सिद्दीपेट जिले में स्वामी मंदिर भक्तों को ठंडा ताजा पानी उपलब्ध कराएगा।

इस अवसर पर मंत्री को कंपनी की डायरी भेंट की गयी। मंत्री ने कोमुरावेल्ली मल्लन्ना स्वामी के दर्शन करने वाले भक्तों को ताजा पानी उपलब्ध कराने के दृढ़ संकल्प के साथ जल संयंत्र स्थापित करने के लिए विराट फाउंडेशन के संस्थापकों और सदस्यों को बधाई दी। इस अवसर पर विराट फाउंडेशन के संस्थापक यशपाल विरागोनी, कार्यकारी सदस्य अकुला सोनिया, सदस्य सुरेश पटेल और अन्य ने मंत्री से मुलाकात की।

मेडारम मेले के सफल आयोजन पर मंत्री सीताक्का ने की धन्यवाद बैठक

वारंगल, 29 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर इला त्रिपाठी और एसपी सबरीश ने राज्य के पंचायत राज, ग्रामीण विकास, महिला और बाल कल्याण मंत्री दानसारी अनसूया सीताका के साथ बुधवार को बंदरुपल्ली आदिवासी भवन में मीडिया प्रतिनिधियों के लिए धन्यवाद बैठक की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सीताक्का ने मेले के लिए क्षेत्र के बच्चों के रूप में श्री सम्मक्का सरम्मा अप्सराओं की प्रसिद्धि को दुनिया भर में फैलाने के लिए प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संगठनों के मीडिया प्रतिनिधियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मीडिया प्रतिनिधियों के लिए अम्मावाला का आशीर्वाद हमेशा बना रहेगा, जिन्होंने लगातार बाहरी दुनिया को मेले के प्रबंधन के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि मेले की सफलता सभी विभागों के अधिकारियों के समन्वय से हुई है और गलतियों की पुनरावृत्ति न हो इसके लिए सभी के अनुभवों को एक पुस्तक के रूप में शामिल किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मुलुगु में अगले शैक्षणिक वर्ष से आदिवासी विश्वविद्यालय की कक्षाएं शुरू की जाएंगी और युवा प्रशिक्षण केंद्र शुरू किए जाएंगे।

जिला कलक्टर ने कहा कि मेदाराम क्षेत्र मेले के शुरू होने से लेकर मेले के समापन तक श्रद्धालुओं से गुलजार रहता है और मेले में अधिकारियों की उम्मीदों से कहीं ज्यादा बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, जो मीडिया के व्यापक प्रचार-प्रसार के कारण ही संभव हो सका है। इस कार्यक्रम में एतुरु नगरम के अतिरिक्त एसपी सिरी शेट्टी संकीर्थ, राजस्व विभाग के अधिकारी राजेंद्र, नागरिक संबंध विभाग के सहायक निदेशक लक्ष्मण, जिला नागरिक संबंध अधिकारी एमडी रफीक डीएसपी रविंदर, तहसीलदार विजया भास्कर, रविंदर, जिला मीडिया प्रतिनिधियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड
(आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक सांविधिक निकाय)
पहली मंजिल, कोर-4 बी, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003

कार्यात्मक योजनाओं की तैयारी के लिए निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी)

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड (एनसीआरपीबी), नई दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय योजना -2041 प्रस्तावों के अनुसार **डेयरी सेक्टर** पर कार्यात्मक योजना की तैयारी से संबंधित कार्य करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परामर्श संस्थाओं / संगठनों / संयुक्त उद्यमों / संघों आदि से मुहरबंद बोलियां आमंत्रित करता है। संदर्भ की शर्तों (टीओआर), योग्यता और मूल्यांकन मानदंड आदि का आरएफक्यू-सह-आरएफपी दस्तावेज़ एनसीआरपीबी की वेबसाइट यानी http://ncrpb.nic.in/tenders से ड्राफ्ट अनुबंध समझौते के साथ डाउनलोड किया जा सकता है। आरएफक्यू-सह-आरएफपी दस्तावेज़ की हार्डकॉपी एनसीआरपीबी के कार्यालय, प्रथम तल, कोर 4-बी, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली- 110003 से भी प्राप्त की जा सकती है। बोली जमा करने की अंतिम तिथि **01 अप्रैल 2024** है।

ह/-
सदस्य सचिव

cbc 44103/11/0014/2324

16वीं पुण्यतिथि

जिसका मन विपत्ति में विचलित नहीं होता, जो सुख के पीछे नहीं भागता, जो मोह, भय और क्रोध से मुक्त है, वही स्थिर ज्ञान के ऋषि हैं- ***भगवद् गीता***

जन्मतिथि: 03-07-1921 स्वर्गवास: 01-03-2008

श्री राम शरणजी संघी

संस्थापक चेयरमैन
संघी ग्रूप आफ इंडस्ट्रीज

की मधुर स्मृति में

जिनका आदर्श मार्गदर्शन हम सभी के लिए, हमेशा प्रेरणास्त्रोत रहा है और रहेगा।

अंजना-आनंद संघी
सुधीर-उषा संघी
रवि-अनिता संघी
गिरीश-अलका संघी
शोभा-रमेश जैन
जयश्री-शशि मित्तल
समस्त नाती-पोते व पडपोते तथा संपूर्ण परिवार

बिहार का मौसम अगले 3 दिनों तक कैसा रहेगा

पटना, 29 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार का मौसम फिर एकबार करवट ले सकता है। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से मौसम में यह बदलाव पाया जा सकता है। मौसम विभाग की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, मार्च महीने की शुरुआत में बारिश दस्तक दे सकती है। एक मार्च से तीन मार्च तक हल्की बारिश के अनुमान जताए जा रहे हैं। सातवीं बार पश्चिमी विक्षोभ का आगमन मौसम में बदलाव की वजह बन सकता है। वहीं पश्चिमी विक्षोभ ने ट्रेंड को इस तरह बदला है कि मौसम मामलों के जानकार भी इसे लेकर थोड़ा हैरान हैं।

अगले दो दिन पटना व आसपास का मौसम

पटना व आसपास का मौसम अगले दो दिन तक शुष्क रहेगा। यह जानकारी बुधवार को मौसम विज्ञान केंद्र ने दी है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार पटना व आसपास के मौसम में दो मार्च तक कोई बदलाव नहीं आयेगा। उसके बाद पश्चिमी विक्षोभ के

कारण बने चक्रवातीय परिसंचरण के प्रभाव से एक-दो दिन हल्की वर्षा हो सकती है। बुधवार को राजधानी का न्यूनतम तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस व अधिकतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस रहा।

भागलपुर का मौसम कैसा रहेगा

दिन में धूप रहने की वजह से भागलपुर के तापमान में वृद्धि हो रही है। चार मार्च तक लगातार हल्की वृद्धि का पूर्वानुमान है। भागलपुर का अधिकतम तापमान 28.0 व न्यूनतम 15.8 डिग्री सेल्सियस रहा। चार मार्च तक आसमान साफ रहेगा, इस दौरान पश्चिमी हवा चलने की संभावना है। हवा की औसत गति दो से छह किलोमीटर प्रति घंटा रह सकती है, इस दौरान बारिश की संभावना नहीं है। बिहार कृषि विवि सबौर ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के नोडल पदाधिकारी डॉ सुनील कुमार ने किसानों को गेहूं व सब्जियों में आवश्यकता अनुसार सिंचाई करने की सलाह दी है।

मुजफ्फरपुर का मौसम

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 48 घंटे से मुजफ्फरपुर का तापमान स्थिर है। लेकिन दिन में धूप की तेज धमक के साथ सुबह व शाम में ठंड लग रही है। रिकॉर्ड के तहत बुधवार को अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री रहा। बीते दिनों इसी के करीब तापमान रहा। जबकि बीते एक सप्ताह में तापमान में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला था। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार दो मार्च के बाद उत्तर बिहार के जिलों में बारिश होने के आसार हैं।

गैंगरेप के बाद दो लड़कियों का शव पेड़ से लटका मिला, 3 आरोपी हिरासत में

कानपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर में दो नाबालिग लड़कियों का शव पेड़ से लटका मिला है। मामला घाटमपुर कोतवाली के एक गांव का है। मिली जानकारी के अनुसार, लड़कियों का शव गेहूं के खेत में बेर के पेड़ पर दुप्पटे के सहारे लटका मिला। परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। परिजनों ने एक भट्ठे के ठेकेदार के लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। परिजनों के आरोप पर कानपुर पुलिस ने नाबालिक बच्चियों के साथ गैंगरेप, पॉस्को और आत्महत्या के लिए उकसाने की धारा में केस दर्ज किया है। पुलिस तीनों नामजद आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस व फोरेंसिक टीम मामले की जांच में जुटी हैं।

'ममता बनर्जी महिला के नाम पर कलंक हैं'

गिरिराज सिंह ने कहा- बलात्कारी को बचाकर रखा, इसलिए कि वो मुसलमान था, कांग्रेस को नाम बदलने की दी नसीहत

बेगूसराय, 29 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल मे संदेशखाली मामले में दोषी शाहजहां शेख की गिरफ्तारी मामले मे बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इसकी गिरफ्तारी कोर्ट और बीजेपी के दबाब के बाद हुआ है। गिरिराज सिंह ने ममता बनर्जी पर हमला बोलते हुए कहा कि ममता बनर्जी महिला के नाम पर कलंक हैं। नाम ममता बनर्जी है, लेकिन आज तक हमने ऐसा निरमोही महिला मुख्यमंत्री को नहीं देखा है। इतने बड़े बलात्कारी, अत्याचारी, महिलाओं के साथ उत्पीड़न करने वाले को ममता बनर्जी ने बचा कर रखा, इसलिए कि वो मुसलमान था। ममता बनर्जी को मुसलमान का वोट चाहिए, यह देश का दुर्भाग्य है।

गिरिराज सिंह ने कर्नाटक सरकार के द्वारा पशुपालन की जमीन को अल्पसंख्यक सेल में शामिल करने के फैसले पर कहा कि देश में इन दोनों बोर्ड की खातिर तुष्टिकरण की नीति, माथे पर इतना नाच रही है। ऐसे में जिस तरह से कर्नाटक की सरकार काम कर रही है, उसका नाम बदलकर मुस्लिम लीग सरकार रख देना चाहिए।

'मुस्लिम लीग की सरकार भी ऐसा नहीं करती'

गिरिराज सिंह ने कहा कि अगर मुस्लिम लीग की सरकार भी होती तो ऐसा नहीं करती कि पशुपालन की जमीन को मुसलमानों के नाम कर दिया जाता। यह देश के लिए दुर्भाग्य है। बेहतर होता कि कांग्रेस पार्टी अपना नाम बदलकर मुस्लिम लीग कांग्रेस पार्टी करले। इससे राहुल भी खुश हो जाएंगे। वहां उनकी ही वोट से जितना है। कभी मंदिरों के खिलाफ बोलना, कभी हिजाब को परमिशन देना कांग्रेस के लिए तुस्टीकरण की पराकाष्ठा है।

मंत्री न बनाए जाने से नाराज राजभर बोले- राजपाट नहीं मिला तो होली नहीं मनाऊंगा

लखनऊ, 29 फरवरी (एजेंसियां)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने बयान दिया है कि अगर राजपाठ न मिला तो मैं होली नहीं मनाऊंगा। उन्होंने कहा कि भर जाति का राज पाठ होली के दिन ही गया था इसलिए मैं होली नहीं मनाऊंगा। राजभर के एनडीए में शामिल हुए कई महीने गुजर चुके हैं लेकिन अभी तक यूपी सरकार में उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया है। वह सार्वजनिक तौर पर कई बार अपनी हताशा जाहिर कर चुके हैं और अब उन्होंने होली न मनाने की बात कही है।

पटना में 48 घंटे में कोरोना के 22 मरीज मिले

पटना, 29 फरवरी (एजेंसियां)। मौसम के बदलाव के साथ पटना में कोरोना मरीजों की संख्या ने एक बार फिर डराया है। पिछले 48 घंटे में जिले के अलग-अलग इलाकों में 22 कोरोना मरीज मिले हैं। कोरोना के 95 प्रतिशत मरीज ग्रामीण क्षेत्रों के हैं। बाकी घनी आबादी वाले पटना सिटी के हैं। पटना में बुधवार को 13 केस सामने आए हैं। बुधवार को जो 13 मरीज मिले हैं उनमें सबसे ज्यादा 5 मरीज पालीगंज प्रखंड के अलग-अलग गांवों के हैं। इसके अलावा पटना और दनियावां के 2-2, फतुहा, मोकामा, अथमलगोला और दुल्हिन बाजार के एक-एक संक्रमित हैं। पटना शहरी क्षेत्र में सबलपुर और दौलतपुर में एक-एक संक्रमित मिले हैं। वहीं मंगलवार को भी 9 मरीज मिले थे।

रोहतास में कोरोना पॉजिटिव बच्चे की मौत

रोहतास जिले के करगहर प्रखंड के तोरनी गांव में 4 साल के कोरोना संक्रमित बच्चे की मौत हो गई। उसका एनएमसीएच, जमुहार में इलाज चल रहा था। परिजनों ने बताया कि सभी परिवार के साथ दिल्ली में रहते हैं। शादी समारोह में शामिल होने गांव आए थे। पी।एच।सी प्रभारी डॉ। अनिल कुमार ने बताया कि बच्चे की मौत के बाद मेडिकल टीम ने परिजनों की जांच की, जिसमें सभी निगेटिव पाए गए। रोहतास के सिविल सर्जन डॉ केएन तिवारी का कहना है कि जमुहार के नारायण मेडिकल हॉस्पिटल कॉलेज में जांच के दौरान बच्चा कोरोना संक्रमित पाया गया है। बच्चे की मौत कैसे हुई है? इसकी जांच की जा रही है। गांव में मेडिकल टीम भेजी गई है। बच्चा कोविड पॉजिटिव था, लेकिन उसकी मौत क्या कोविड से हुई है? इसकी जांच की जाएगी।

आईएएस अभिषेक सिंह का इस्तीफा मंजूर यूपी की इस सीट से चुनाव लड़ने की है तैयारी

जौनपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। आईएएस अभिषेक सिंह का इस्तीफा केंद्र सरकार ने मंजूर कर लिया है. ऐसा कहा जा रहा है कि जौनपुर सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए उन्होंने इस्तीफा दिया है. अभिषेक सिंह की पत्नी दुर्गा शक्ति नागपाल सिंह भी आईएएस है. उनकी पत्नी यूपी के बांदा जिले की डीएम हैं. अभिषेक सिंह कई फिल्मों में काम कर चुके हैं. आईएएस की नौकरी में लंबी गैरहाजिरी के कारण उन्हें पिछले साल फरवरी 2023 में निलंबित किया गया था. अभिषेक सिंह 2011 बैच के आईएएस अधिकारी रहे हैं. उन्होंने अक्टूबर 2023 में आईएएस के पद से इस्तीफा दिया था. इसके बाद अब जाकर उनका यह इस्तीफा मंजूर किया गया है. वह सोशल मीडिया में काफी सक्रिय रहते हैं. उन्होंने कई वीडियो एल्बम और फिल्मों में काम किया है. अभी वह जौनपुर में स्थानीय लोगों के लिए खासा काम कर रहे हैं. सर्विस के दौरान अभिषेक सिंह काफी विवादों में भी रहे हैं.

साल 2022 में उन्हें गुजरात विधानसभा चुनाव में निर्वाचन आयोग की तरफ से प्रेक्षक बनाकर भेजा गया था. वहां उन्होंने कार के आगे सेलिब्रिटी के अंदाज में फोटो खिंचाया था. यह फोटो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था. इसके बाद निर्वाचन आयोग ने 18 नवंबर 2022 को उन्हें प्रेक्षक की ड्यूटी से हटा दिया था. इसके बाद उनकी ड्यूटी यूपी में लगाई गई. यहां भी उन्हें सस्पेंड कर दिया गया. उन्होंने वीआरएस ले लिया और फिल्मों और वीडियो एल्बम में काम करने लगे.

15 विधायक छोड़ेंगे महागठबंधन ?

भाजपा के दिग्गज नेता ने दिया जवाब, कहा- जो शुरुआत किए हैं उसे वही तो सही जवाब देंगे

पटना, 29 फरवरी (एजेंसियां)। बिहार में महागठबंधन के तीन विधायकों के पाला बदलने के बाद सियासत गरमा गई है। जहां,आरजेडी और कांग्रेस भाजपा पर विधायकों को तोड़ने का आरोप लगा रही है, वहीं भाजपा भी अब हमलावर हो गई है। बिहार के उपमुख्यमंत्री और दिग्गज भाजपा नेता विजय कुमार सिन्हा ने तेजस्वी यादव पर हमला बोला है। विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बहुत कह रहे थे खेला करेंगे, अब क्या हुआ? हमने कहा था न कि ज्यादा खेला-खेला मत कीजिए नहीं तो झमेला में पड़ जाइएगा। उन्होंने कहा कि बड़ा खिलाड़ी बन रहे थे, अब लीजिए झमेला। शुरुआत किए राजद के लोग, गायब कर रहे थे, खरीद-फरोख्त का ऑफर दे रहे थे। अब बयानबाजी कर रहे हैं। मेरा न वो विचार रहता है न वो भाव रहता है। हम इसमें विश्वास

भी नहीं करते हैं लेकिन किसी भी विधायिका का अपमान करेगा तो विधायकों के सम्मान के लिए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के नाते वही भाव है जो सदन में रहता था। विजय सिन्हा ने आगे कहा कि मुझे राजद का ही एक विधायक ने कहा था कि मेरा अपमान कर रहा है, छह बार के विधायक हम रह चुके हैं। हमको सम्मान नहीं मिल रहा वहां। मैं कह देता हूं कि वह विधायक स्वाभिमान के चलते ऐसा बोले। उनके बारे में सब जानते हैं। पैसे की लेनदेन की बात है ही नहीं। पैसे से किसी विधायक की निष्ठा खरीदी नहीं जा सकती है।

क्या महागठबंधन में होगी बड़ी टूट? विजय सिन्हा ने दिया जवाब

विजय सिन्हा से जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या अभी और खेला होगा? तो इसपर उन्होंने कहा कि जो शुरुआत किए हैं वही तो सही जवाब देंगे। विजय सिन्हा ने कहा कि हमने तो केवल न्यौता दिया जो लोग विजय करवा रहे हैं वे लोग समझें। हमारी तो कोई भूमिका उसमें है नहीं।

15 विधायकों की टूट पर विजय सिन्हा ने दिया जवाब

वहीं जब मीडिया ने जेडीयू नेता श्रवण कुमार का हवाला देते हुए पूछा कि क्या महागठबंधन के 15 विधायक टूटने वाले हैं तो विजय सिन्हा ने कहा कि पूरा सदन ही हमारे संपर्क में है। हमलोग तो वंशवादी राजनीति नहीं कर रहे हैं। विजय सिन्हा ने कहा कि अब बहुत हो गया जमींदारी और वंशवादी राजनीति का खेला। अब इससे हर बिहारी मुक्ति के लिए तैयार है।

ओवैसी बढ़ाएंगे यूपी में अखिलेश की मुश्किलें

एआईएमआईएम लड़ेगी चुनाव? इन 25 सीटों पर उतारेंगे कैंडिडेट्स

लखनऊ, 29 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले जयंत चौधरी ने उनका साथ छोड़ा, फिर स्वामी प्रसाद मौर्य - सलीम शेरवानी और मनोज पांडेय जैसे नेता बागी हुए, इसके बाद राज्यसभा चुनाव में आधा दर्जन विधायकों ने क्रॉस वोटिंग कर दी। अखिलेश यादव इन झटकों से उबर भी नहीं पाए कि अब असदउद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने उन्हें मुस्लिम वोटों में सेंधमारी करने की बडी धमकी दी है। ओवैसी की पार्टी ने लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव से समझौते की इच्छा जताते हुए पांच सीटों की डिमांड कर दी है। अखिलेश यादव को यह धमकी भी दी गई है कि अगर उन्होंने एमआईएम से समझौता कर उसे पांच सीटें नहीं दी तो असदउद्दीन ओवैसी यूपी में न सिर्फ खुद किसी सीट से चुनाव लडेंगे, बल्कि मुस्लिम बाहुल्य पचीस दूसरी सीटों पर अपने उम्मीदवार भी उतारेंगे। ऐसे में मुस्लिम वोटों का बंटवारा होने की पूरी जिम्मेदारी अखिलेश यादव की होगी। दावा यह भी किया जा रहा है कि ओवैसी ने हैदराबाद के साथ ही यूपी से भी चुनाव लड़ने वाली सीट भी तय कर ली है। हालांकि इस सीट का नाम अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। ओवैसी की पार्टी आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लेमीन के प्रवक्ता मोहम्मद फरहान साहेब के मुताबिक अगर अखिलेश यादव सही मायनों में बीजेपी से लड़ना और उसे तीसरी बार सरकार बनाने से रोकना चाहते हैं तो उन्हें यूपी में विपक्षी वोटों का बिखराव रोकना होगा।

सीबीआई के सामने अखिलेश यादव आज नहीं हुए पेश

खनन घोटाला मामले में बतौर गवाह दर्ज कराना था बयान

लखनऊ, 29 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आज सीबीआई के सामने पेश नहीं होंगे। केंद्रीय जांच एजेंसी ने खनन घोटाला मामले में अखिलेश यादव को तलब किया था। सीबीआई ने सपा मुखिया को बतौर गवाह बयान दर्ज कराने के लिए नोटिस भेजा था। अखिलेश यादव को आज ही दिल्ली आकर अपना बयान दर्ज कराना था। लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अखिलेश यादव आज सीबीआई के सामने पेश नहीं होंगे। सीबीआई ने अखिलेश यादव 28 फरवरी को सीआरपीसी की धारा 160 के तहत नोटिस जारी किया था।

2019 में खनन घोटला मामले में दर्ज की गई थी एफआईआर

अखिलेश यादव को जनवरी 2019 में दर्ज की गई सीबीआई की उस एफआईआर के संबंध में तलब किया गया है। जो हमीरपुर में 2012 से 2016 के बीच कथित अवैध खनन से संबंधित है।

अधिकारियों ने खनिजों का अवैध खनन होने दिया

जनवरी 2019 में तत्कालीन जिलाधिकारी, खनन अधिकारी और अन्य समेत कई लोक सेवकों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर में आरोप है कि सरकारी कर्मचारियों ने हमीरपुर जिलें में खनिजों का अवैध खनन होने दिया।

नए पट्टे और नवीकरण के भी दिए गए पट्टे

पुलिस की दर्ज एफआईआर में कहा गया है कि आपराधिक साजिश में सरकारी कर्मचारियों ने निविदा प्रक्रिया का पालन किए बिना अवैध रूप से नए पट्टे और नवीकरण पट्टे दिए। लोगों को अवैध रूप से छोटे खनिजों का उत्खनन करने की परमिशन दी गई। साथ ही छोटे खनिजों की चोरी करने और धन उगाही करने की भी अनुमति दी गई।

फतेहपुर जेल के कैदी जियाउल हसन ने झाड़ू लगा कमाए पैसे और राम मंदिर के नाम भेजा इतने रुपए का चेक

अयोध्या, 29 फरवरी (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में रामलला अब विराजमान हो चुके हैं। साल 2024 की 22 जनवरी वो ऐतिहासिक तारीख थी जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की थी। अपने आराध्य रामलला के दर्शन हर भक्त कर लेना चाहता है। इसी के चलते अयोध्या में इन दिनों जनसैलाब उमड़ पड़ा है। वहीं रामलाल के लिए चढ़ावा भी खूब आ रहा है। भक्त अपनी श्रद्धा के अनुसार रुपयों से लेकर सोने-चांदी के आभूषण तक दान दे रहे हैं। इस बीच रामलला के लिए एक ऐसा चेक आया है, जो सबसे अलग है। आपको बता दें कि फतेहपुर जेल में बंदी जियाउल हसन नामक कैदी ने झाड़ू लगाने के बदले मिले मेहनताने से डेढ़ महीने की कमाई रामलला को समर्पित कर दी है। जियाउल हसन के अनुरोध पर जेल प्रशासन ने चेक बनाकर ट्रस्ट को भेज दिया है। इसके साथ ही जियाउल हसन ने प्रार्थनापत्र भी लिखा है। मिली जानकारी के अनुसार, जियाउल हसन पुत्र सिराज हसन फतेहपुर की ही रामजानकी पुरम का रहने वाला है। जियाउल के निवेदन पर जेल अधीक्षक ने 1075 रुपये का चेक बनवाकर कारसेवकपुरम भिजवाया है।

लोकसभा चुनाव से पहले आरएसएस ने तैयार की रणनीति

बीजेपी की तर्ज पर हर बूथ पर मौजूद होंगे आरएसएस कार्यकर्ता

लखनऊ, 29 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा पूरी तरह से चुनावी मोड़ में आ चुकी है। लोकसभा चुनाव से पहले लखनऊ में आरएसएस के पदाधिकारियों की बैठक हुई। इस बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर रणनीति तैयार की गई। अब बूथ स्तर तक आरएसएस के स्वयंसेवक लगाये जाएंगे। हर क्लस्टर में बीजेपी की तर्ज पर आरएसएस भी चुनाव प्रभारी तैनात करेगा। इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी आरएसएस के सह सर कार्यवाह अरुण कुमार संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह मंत्री सुरेश खन्ना आदि मौजूद रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बीजेपी की समन्वय समिति की बैठक में अलग- अलग विषयों को सुनने के बाद विपक्षी गठबंधन इंडिया को घेरने की रणनीति पर चर्चा हुई। साथ ही दलित और पिछड़े वर्ग के बीच में पकड़ मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी मिलकर कैसे काम करेगी इस पर भी चर्चा हुई। बैठक में किसानों की समस्याओं और गोवंश के मुद्दे पर भी बात हुई।

2019 लोकसभा चुनाव में हारी हुई में सीट पर बीजेपी पर फोकस

उत्तर प्रदेश से सबसे ज्यादा 80 लोकसभा सीटें आती हैं। बीजेपी ने 2024 में सभी 80 सीटों पर विजय हासिल करने का लक्ष्य रखा है, तो वहीं तमाम विपक्षी दल सपा, बसपा और कांग्रेस भी अपनी ताल ठोंक रहे हैं। हालांकि, इस बार कांग्रेस और सपा इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। पिछले चुनाव में जिस लोकसभा सीट पर बीजेपी को हार मिली थी, उस सीट को जीतने के लिए बीजेपी अलग तरह की रणनीति तैयार कर रही है।

10 सीटों पर बसपा को मिली थी जीत

2019 लोकसभा में भाजपा ने 78 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जिसमें से 62 सीटों पर पार्टी कमल खिलाने में कामयाब हो गई। वहीं बीजेपी की सहयोगी अपना दल एस को दो सीटों पर जीत हासिल हुई। सपा बसपा गठबंधन कोई खास करिश्मा नहीं दिखा पाया। बसपा के खाते में जहां 10 सीटें आई तो वहीं सपा को सिर्फ 5 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। कांग्रेस को तो प्रदेश में तगड़ा झटका लगा। बीजेपी ने राहुल गांधी की पारंपरिक सीट अमेठी को भी छीन लिया और कांग्रेस महज एक रायबरेली सीट पर ही जीत दर्ज कर सकी, जहां से सोनिया गांधी ने चुनाव जीता।

ताजनगरी में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की बड़ी कार्रवाई, सवा दो करोड़ का गांजा बरामद

आगरा, 29 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने रात को एक्सप्रेस वे के बमरौली कटारा क्षेत्र में जीरो पॉइंट पर एक ट्रक में गांजे की तस्करी पकड़ी। ट्रक में कार्टन के बीच छिपाकर 2.20 क्विंटल गांजा लाया गया था। बाजार में गांजा की कीमत 2.10 करोड़ रुपये है। इसे लोकसभा चुनाव में खपाया जाना था। दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के सीओ इरफान नासिर खान और इंस्पेक्टर हरवेंद्र मिश्रा की टीम ने यह कार्रवाई की है। सीओ ने बताया

कि एक्सप्रेस वे के जीरो पॉइंट पर एक ट्रक को रोका गया था। उसमें कॉपी से भरे कार्टन रखे हुए थे। इनके बीच में पैकेट बनाकर गांजे की तस्करी की जा रही थी। तलाशी के दौरान दो कुंतल 20 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। टीम ने नागर, थाना राजाखेड़ा धौलपुर निवासी दीपक सिंह उर्फ विक्की और सैया के गांव अयेला निवासी राजन उर्फ बापू को गिरफ्तार किया है। आरोपी एक सिंडिकेट बनाकर आंध्र प्रदेश और ओडिशा से गांजा लाकर उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली एनसीआर, मथुरा और आगरा में सप्लाई करते हैं। बरामद गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 2.10 करोड़ रुपये है। इसे आगामी लोकसभा चुनाव में खपाने की योजना थी। टीम गैंग के साथी और अन्य के बारे में पूछताछ कर रही है।

शेख शाहजहां को पुलिस ने किया गिरफ्तार, शुभेंदु अधिकारी बोले- वह सीएम ममता की सेफ कस्टडी में है

कोलकाता, 29 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल का संदेशखाली इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है। यहां रहने वाले ग्रामीणों का आरोप है कि टीएमसी नेता शाहजहां शेख ने यहां की महिलाओं का यौन शोषण किया है और लोगों की जमीनों पर कब्जा किया है। अगर किसी ने इसका विरोध किया तो उसने उसे जान से मारने की धमकी दी और पिटाई भी की। इस बीच बीते दिनों कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य की ममता बनर्जी सरकार को फटकार लगाई थी। इसके बाद ममता बनर्जी सरकार ने एक सप्ताह में शाहजहां शेख को गिरफ्तार करने की बात कही। इस बीच अब शाहजहां शेख को पश्चिम बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस

मामले पर पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को दावा किया कि एक डील के तहत शाहजहां शेख ममता पुलिस के सुरक्षित हिरासत में है। यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने के मामले में गुरुवार को शाहजहां शेख को बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इसपर शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, जेल में शाहजहां शेख को फाइव स्टार सुविधाएं दी जाएंगी। संदेशखाली का बदमाश शेख शाहजहां ममता बनर्जी पुलिस की सुरक्षित हिरासत में है। शाहजहां को बरमाजुर 2 ग्राम पंचायत से उसे ले जाया गया है। उसने ममता बनर्जी के साथ एक डील की है। ऐसे में जेल में पुलिस उसका पूरा ध्यान रखेगी। उसे 5 स्टार सुविधाएं दी जाएंगी। उसे जेल में मोबाइल फोन की भी सुविधा रहेगी, जिससे वह तोलामूल पार्टी को वर्चुअली लीड कर सकता है। बता दें कि शेख शाहजहां की गिरफ्तारी तब हुई है जब 26 फरवरी को कलकत्ता हाईकोर्ट ममता सरकार को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने इस दौरान कहा था कि ऐसी कोई वजह नहीं है, जिस कारण शेख शाहजहां को गिरफ्तार न किया जाए। बता दें कि शेख शाहजहां काफई समय से राज्य और केंद्रीय एजेंसियों से बचता रहा है। बता दें कि संदेशखाली में काफी समय से महिलाओं का विरोध प्रदर्शन जारी है। दरअसल महिलाओं का आरोप है कि शेख शाहजहां ने उनकी जमीन को कब्जा किया। साथ ही महिलाओं का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया है।

हम पर और पार्टी पर कृपा करें, सीनियर नेताओं को सख्त संदेश दे गए एमपी कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी

भोपाल, 29 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस में हलचल है। बड़े नेताओं की बयानबाजी से प्रदेश कांग्रेस कमिटी के चीफ जीतू पटवारी नाराज हैं और यह उन्होंने सार्वजनिक तौर पर जाहिर की है। आगामी चुनाव नहीं लड़ने को लेकर बयान देने वाले नेताओं को जीतू पटवारी ने सख्त संदेश दिया है और कहा है कि कोई छोटा कार्यकर्ता हो या बड़ा नेता, पार्टी जो भी निर्देश देगी उसे हर हाल में पूरा करना होगा। मध्यप्रदेश कांग्रेस के नए नवेले अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि पार्टी मंथन कर फैसला लेती है और पार्टी जिसको बोलेगी उसे चुनाव लड़ना ही होगा। पटवारी ने ये बातें बड़े नेताओं के सामने की और आग्रह किया कि चुनाव लड़ने, न लड़ने को लेकर सार्वजनिक तौर पर बयान देना पार्टी को नुकसान पहुंचाता है।

मंडल से प्रदेश अध्यक्ष तक को संदेश

पटवारी ने पार्टी का हवाला देते हुए कहा कि अगर बड़े से लेकर छोटे कार्यकर्ता तक ऐसी बयानबाजी से बचेंगे तो हम पर भी कृपा होगी और पार्टी पर भी कृपा होगी। बड़े नेताओं के अनुशासनहीनता पर पटवारी ने सख्त तेवर दिखाए। पटवारी ने कहा कि, 'पार्टी में अनुशासन बहुत जरूरी है, जब बड़े अनुशासनहीनता करते हैं तो संकट आ जाता है।' पटवारी ने अनुशासनहीनता पर कार्रवाई करने के प्रेशर की भी बात की। पटवारी ने दावा किया कि कितने भी बड़े नेता,अगर निष्क्रिय नेताओं की सिफारिश कर लें, अब पद नहीं मिलेगा। कांग्रेस के मंडल अध्यक्ष से प्रदेश अध्यक्ष तक अनुशासन मानने की बात जीतू पटवारी ने कही और बीजेपी पर कांग्रेस को कमजोर करने, पार्टी के कार्यकर्ताओं को तोड़ने का आरोप लगाया।

'अवैध धंधे वाले नेता जाएं तो दिक्कत नहीं'

जीतू पटवारी का कहना था कि अवैध धंधा करने वाले नेता अगर अवसरवादिता के तहत पार्टी बदलें तो कोई दिक्कत नहीं, सच्चे कार्यकर्ता पार्टी में बने रहें, इसकी कोशिश करनी चाहिए। पटवारी ने किसानों को 31 सौ रुपये क्विंटल धान और 27 सौ रुपये क्विंटल गेंहूं की कीमत दिलाने के लिए लड़ाई लड़ने की भी बात की।

लखनऊ में अधिवक्ताओं से मारपीट के आरोप में छह उप निरीक्षक समेत 18 पुलिसकर्मियों पर मुकदमा

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। लखनऊ के विभूति खंड क्षेत्र में हाल ही में कुछ अधिवक्ताओं से मारपीट करने और साजिशन मुकदमे में फंसाने के आरोप में छह उप निरीक्षक समेत 18 पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि देर रात विभूति खंड थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने शिकायत के हवाले से बताया कि 23 फरवरी की रात विभूति खंड स्थित 'समिट बिल्डिंग' में खाना खाने गए अधिवक्ता अभिषेक सिंह चौहान, रोहित रावत, अभिषेक पांडे, मुकुल सिंह और उनके कुछ अन्य साथियों को, दो पक्षों के बीच झगड़े की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक राहुल बालियान और उनके साथ ही पुलिसकर्मियों ने बुरी तरह पीटा।

अभिषेक चौहान की नाक की हड्डी टूट गई। रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया है कि पुलिस ने पीड़ित अधिवक्ताओं को रातभर थाने में बैठा कर उनके साथ "अपमानजनक व्यवहार" किया और 'समिट बिल्डिंग' में दो पक्षों के बीच हुए झगड़े के मामले में साजिशन इन अधिवक्ताओं को भी "अभियुक्त" बना दिया। सूत्रों ने बताया कि इस मामले में उप निरीक्षक राहुल बालियान, जसीम रजा, प्रमोद कुमार सिंह, फूलचंद, रितेश दुबे और विनय गुप्ता तथा सिपाही ए के। पांडे के खिलाफ नामजद तथा 10-12 अज्ञात पुलिसकर्मियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147 (उपद्रव करना), 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 325 (स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना) और 504 (धमकाना) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

मुझे धमका रहे, सीबीआई के सामने करुंगा एक्सपोज

केजरीवाल पर सुकेश के नए आरोप, बोला- चुनाव लड़ूंगा

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। महाठग सुकेश चंद्रशेखर करोड़ों रुपये की ठगी के अलावा जिस एक चीज के कारण मशहूर और बदनाम दोनों हैं, उनमें से एक है उनकी लिखी चिट्ठियां। तिहाड़ जेल से सुकेश ने फिर एक बार दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को चिट्ठी लिखी है। जेल में बंद सुकेश ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर धमकाने का आरोप लगाया है। अपनी चिट्ठी में सुकेश ने आरोप लगाया कि एक मोबाइल नम्बर से लगातार फोन कर 3 दिनों से उसके परिवार को धमकाया जा रहा है। सुकेश का आरोप है कि जेल में भी सतेंद्र जैन और केजरीवाल के करीबी अफसर उसे धमका रहे हैं। सुकेश ने लिखा है कि मैं डरने वाला नही

हूँ और जल्द सीबीआई के सामने केजरीवाल को एक्सपो करुंगा। सुकेश का दावा कि जहां से केजरीवाल चुनाव लड़ेंगे, वहां वह आप के मुखिया का विरोध करेगा और निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर खड़ा होगा। सुकेश का आरोप है कि केजरीवाल ने उसे तमिलनाडु से लोकसभा इलेक्शन का टिकट देने का लालच दिया। इस तरह केजरीवाल सरकार पर बेहद गंभीर आरोप सुकेश चंद्रशेखर ने लगा दिए हैं।

कौन है सुकेश चंद्रशेखर?

सुकेश चंद्रशेखर का जन्म कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में निम्न मध्यम वर्ग परिवार में हुआ। चंद्रशेखर ने कभी पढ़ाई-लिखाई पर ध्यान नहीं दिया और कम उम्र ही में करोड़पति बनने की हसरत पाल ली। सुकेश को महंगी कार का शौक है और वह एक समय तक कार रेसिंग का आयोजन करने के लिए जाना जाता था। सुकेश ने पैसा कमाने की शुरुआत रियल सेक्टर से की। लेकिन ये वक्त और था। समय बदला। सुकेश पर आरोप लगे कि उसने 100 से अधिक लोगों के साथ ठगी की। ठगी का शिकार होने वाले नेता तक थे। 20 के करीब मुकदमे सुकेश के खिलाफ दायर हुए। फिलहाल वह जेल में बंद है। वह बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीस के साथ अपने प्रेम की बातें भी कह कर सुर्खियां बटोरता रहा है।

ब्लैकमेलिंग का खेल: लड़की बन मासूम बच्चियों से 10वीं पास करता था चैटिंग

गेम खेलने के बहाने बनाता अश्लील वीडियो

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। ऑनलाइन गेमिंग एप मासूम बच्चों के लिए बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं। बच्चे ऑनलाइन गेमिंग के मायाजाल में फंसकर खुद की जिंदगी के साथ खिलावाड़ करने में लगे हैं। वह इस बात से अंजान रहते हैं कि ऑनलाइन गेम खेलने के दौरान बने दोस्त उनके लिए खतरा साबित हो सकते हैं। दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे शातिर युवक को गिरफ्तार किया है जो लड़की बनकर गेम खेलने के बहाने मासूम बच्चियों की अश्लील वीडियो बना लेता था। फिर शुरू होता था उसका असली खेल। आरोपी 20 लड़कियों को अपना शिकार बना चुका है। आरोपी युवक को दिल्ली पुलिस ने उत्तराखंड से गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम सुभान बताया जा रहा है। सुभान ने 10वीं तक की पढ़ाई की है। आरोप है कि वह लड़की बनकर मासूम बच्चियों के साथ चैटिंग करता था। जिसका बाद वह उनकी अश्लील वीडियो बना लेता और फिर उन्हें ब्लैकमेल करता था। सुभान यह सब ऑनलाइन गेम खेलने के बहाने करता था। जानकारी के मुताबिक, लड़की बनकर मासूम बच्चियों व लड़कियों से चैटिंग कर उनकी अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करने वाले आरोपी को दिल्ली पुलिस ने उत्तराखंड से गिरफ्तार किया है।

डिप्टी मेयर गुंडागर्दी करते गिरफ्तार, ईएसआईसी इंस्पेक्टर को किडनैप कर बेरहमी से पीटा

सोनीपत, 29 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में कांग्रेस के डिप्टी मेयर मनजीत और उसके साथियों द्वारा दिल्ली में ईएसआईसी विभाग में तैनात एक इंस्पेक्टर का अपहरण करके उसे बेरहमी से पीटने के मामले ने जिले में सनसनी फैला दी है। बता दें कि इस मामले में डिप्टी मेयर मंजीत गहलावत और उसके साथियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इतना ही नहीं आरोपी डिप्टी मेयर मंजीत गहलावत को पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया है। सोनीपत सिटी थाना पुलिस ने मंजीत गहलावत को गिरफ्तार कर उसके साथियों की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी है।

दोनों के बीच था 50 लाख रुपये का लेनदेन

दरअसल, सोनीपत के जवाहरलाल घर का रहने वाला हरीश दिल्ली में ईएसआईसी विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात है। उसके परिजनों ने 26 फरवरी को सोनीपत सिटी थाना

पुलिस में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसके बाद पुलिस ने उसके परिजनों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया और मामले की गंभीरता से जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि हरीश और कांग्रेसी डिप्टी मेयर मंजीत गहलावत दोस्त थे और दोनों का 50 लाख रुपये का लेनदेन भी था। 26 फरवरी को कांग्रेसी डिप्टी मेयर मंजीत गहलावत और उसके तीन साथियों ने हरीश को घर से बाहर फोन करके बुलाया और उसे मंजीत अपने घर ले गया। उसके बाद मंजीत और उसके तीन साथियों ने अपना बाहुबली वाला किरदार निभाया और हरीश की 2 दिन तक बेरहमी से पिटाई की। लेकिन जब कल हरीश को उन्होंने वहां से घर जाने को कहा तो वह सीधा अपने घर आया और अपने परिवार को अपने साथ हुई आपबीती बताई।

पुलिस ने फौरन डिप्टी मेयर को किया गिरफ्तार

इसके बाद परिजनों ने इस मामले की शिकायत पुलिस में दी। सिटी थाना पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर मंजीत गहलावत को गिरफ्तार कर लिया और कोर्ट में पेशकर एक दिन के रिमांड पर लिया। सोनीपत सिटी थाना पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच में जुटी हुई हैं और कांग्रेसी डिप्टी मेयर मंजीत गहलावत के अन्य साथियों की तलाश में छापेमारी भी की जा रही है।

एसटी एक्ट व अन्य धाराओं में मामला दर्ज

इस वारदात की जानकारी देते हुए एसीपी नर सिंह ने बताया कि 26 फरवरी को सोनीपत पुलिस को जवाहर नगर के रहने वाले एक परिवार ने शिकायत दी थी कि दिल्ली में ईएसआईसी विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हरीश उनका बेटा जो कि घर नहीं लौटा है। इस शिकायत पर हमने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। मनजीत और उसके साथियों ने हरीश का अपहरण कर उसको मंजीत अपने किसी मकान पर ले गया था, जहां उसके साथ मारपीट की गई है। अभी सोनीपत पुलिस ने मंजीत को कोर्ट में पेशकर एक दिन के रिमांड पर लिया है और उसके खिलाफ एसटी एक्ट व अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पूर्व एसडीएम और उसकी पत्नी को सिविल अस्पताल के अंदर घुसकर पीटा, घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद

हिसार, 29 फरवरी (एजेंसियां)। हिसार के सेक्टर 16-17 में रहने वाले और पूर्व एसडीएम संतलाल और उनकी पत्नी अनीता के साथ नागरिक अस्पताल परिसर में कुछ हमलावरों ने मारपीट की। पूरा घटनाक्रम स्थल परिसर के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। सूचना मिलने पर शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार सेक्टर 16-17 के रहने वाले पूर्व एसडीएम संतलाल ने बताया कि उनका बेटा पत्नी दीपिका के साथ ऊपर वाली मंजिल पर रहता है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ समय से पुत्रवधू उनके साथ छोटी-छोटी बातों को लेकर कहासुनी करती है। बताया कि अक्सर सास-बहू के बीच लड़ाई झगड़ा होता रहता है। उन्होंने बताया कि आज सुबह पुत्रवधू ने दोबारा से झगड़ा करना शुरू कर दिया। जिसके दौरान महिला को चोट आई।

मध्य प्रदेश में 3,907 तेंदुए, कर्नाटक में सबसे ज्यादा संख्या बढ़ने के बावजूद एमपी नंबर वन पर

भोपाल, 29 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने गुरुवार को 2022 में तेंदुए की स्थिति की रिपोर्ट जारी की। जिसके अनुसार, मध्य प्रदेश में 3,907 तेंदुए है। इससे पहले प्रदेश में 2018 में भी देश में सबसे ज्यादा 3421 तेंदुए थे। यानी 215 तेंदुए बढ़े है। दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र में 1985 तेंदुए हैं। वहीं, 2022 की रिपोर्ट के अनुसार कर्नाटक में तेंदुए की संख्या 261 बढ़कर 1879 पहुंच गई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में अब 13 हजार 874 तेंदुए हैं। यानी पिछली बार की गणना से इस बार तेंदुए की संख्या में 1258 बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले 2018 तें तेंदुए की गणना की गई थी। प्रदेश में तेंदुए की संख्या तेजी से बढ़ी है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में बाघ, तेंदुए की संख्या बढ़ना जैव विविधता और वन्यजीव के लिए अनुकूल माहौल को बताता है। बता दें इससे पहले 2014 में प्रदेश में तेंदुए की संख्या सिर्फ 1817 थी।

जिसमें तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। बिहार-86, उत्तराखंड-652, उत्तरप्रदेश-371, आंध्रप्रदेश-569, तेलंगाना-297, छतीसगढ़-722, झारखंड-51, मध्य प्रदेश-3907, महाराष्ट्र- 1985, ओडिसा-568, राजस्थान-721, गोवा-77, कर्नाटका-1879, केरला-570, तमिलनाडू-1070, अरुणाचल प्रदेश-42, आसाम-74, नार्थ बंगाल-233।

सांसद रवनीत बिट्टू और पूर्व मंत्री आशु पर केस दर्ज नगर निगम को ताला लगाने के मामले में कार्रवाई

लुधियाना, 29 फरवरी (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर लुधियाना नगर निगम के मुख्य कार्यालय जोन ए के बाहर प्रदर्शन कर ताला लगाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने लुधियाना से कांग्रेसी सांसद रवनीत सिंह बिट्टू, पूर्व कैबिनेट मंत्री और पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वर्किंग प्रधान भारत भूषण आशु, जिला कांग्रेस के प्रधान और पूर्व विधायक संजय तलवार के साथ-साथ पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर और जिला कांग्रेस के उप प्रधान श्याम सुंदर मल्होत्रा समेत 50-60 अज्ञात के खिलाफ सरकारी ड्यूटी में बाधा डालने सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। यह मामला थाना कोतवाली में दर्ज किया गया है। लुधियाना नगर निगम में फैले भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर सांसद रवनीत सिंह बिट्टू, पूर्व मंत्री और पंजाब कांग्रेस के वर्किंग प्रधान भारत भूषण आशु की अगुवाई में कांग्रेसियों ने मंगलवार को नगर निगम के मुख्य दफ्तर जोन ए में ताला जड़ दिया था। जिस समय नगर निगम पर ताला लगाया गया उस समय सभी मुलाजिम और अधिकारी अपनी अपनी सीटों पर बैठे थे। कड़ी सुरक्षा के बावजूद सांसद रवनीत सिंह बिट्टू, पूर्व मंत्री आशु और जिला कांग्रेस प्रधान संजय तलवाड़ बैरिकेडिंग के ऊपर से कूदकर मुख्य गेट तक पहुंचे थे। इस दौरान तीनों नेताओं की पुलिस मुलाजिमों से झड़प भी हुई और धक्का-मुक्की भी हुई थी। सिटी बस केस हारने और करोड़ों रुपये का जुर्माना लगवाने व वहां फैले भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने 27 फरवरी को ही एलान कर दिया था कि निगम को ताला लगाया जाएगा। इस दौरान वहां सैंकड़ों कार्यकर्ता पहुंच गए। इसके बाद पुलिस ने मुख्य गेट पर बैरिकेडिंग की और पहरा भी सख्त किया था। सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि नगर निगम में आम लोगों को परेशानी हो रही है। एक तरफ सरकार कहती है कि आम लोगों की सरकार है

मध्य प्रदेश के डिंडोरी में बड़ा हादसा, पिकअप वाहन पलटने से 14 लोगों की मौत , 21 घायल

डिंडोरी, 29 फरवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के डिंडोरी में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। डिंडोरी के बड़झर घाट पर एक पिकअप गाड़ी के अनियंत्रित होकर पलट जाने से 14 लोगों की मौत हो गई और 21 घायल हो गए। घायलों का इलाज शहपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। बताया जा रहा है कि ब्रेक फेल होने की वजह से हादसा हुआ। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने डिंडोरी जिले में हुई वाहन दुर्घटना में कई अनमोल जिंदगियों के असामयिक निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश की सरकार ने डिंडोरी सड़क दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को मुआवजा देने का एलान किया है। घटना में हताहत लोगों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। घायलों को समुचित उपचार के निर्देश दिए गए हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और उनके

परिजनों को यह वज्रपात सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना में हताहत लोगों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। जिला प्रशासन को घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके डिंडोरी पहुंच रहीं हैं। उधर, डिंडोरी हादसे पर एमपी कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दुख जताया है। उन्होंने कहा है कि डिंडोरी में पिकअप वाहन पलटने से 14 लोगों की मृत्यु की दुखद सूचना मिली। हादसे में 21 घायल भी हुए हैं। मैं दिवंगत आत्माओं की शांति और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रभु से प्रार्थना करता हूं।स्थानीय प्रशासन से भी आग्रह है कि राहत और उपचार के लिए हर संभव प्रयास करे। जानकारी के मुताबिक डिंडोरी के बड़झर गांव के पास ये दर्दनाक हादसा हुआ है। अनियंत्रित होकर पिकअप गाड़ी पलट गई। कलेक्टर विकास मिश्रा ने 14 लोगों के मौत की पुष्टि की है। हादसे में 21 लोग घायल हैं। एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की वजह ब्रेक फेल होना बताई जा रही है। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। चौक कार्यक्रम में शामिल होकर लौटते वक्त ये हादसा हुआ। मृतक देवरी गांव के बताए जा रहे हैं।

'किसी को मुंह नहीं दिखा सकते' जी एन एल यू में रेप और छेड़छाड़ पर नाराज हाईकोर्ट

अहमदाबाद, 29 फरवरी (एजेंसियां)। गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (जी एन एल यू) के परिसर में छेड़छाड़, बलात्कार, होमोफोबिया और भेदभाव की घटनाएं एक तथ्य-खोज समिति द्वारा रिपोर्ट की गई हैं, जिसने पिछले सप्ताह गुजरात एचसी को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। रिपोर्ट को 'वास्तव में खौफनाक' बताते हुए मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध माई की पीठ ने घटनाओं के लिए जी एन एल यू को दोषी ठहराया और कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की आवाज दबाने में शामिल था। रिपोर्ट के अनुसार हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया पोस्ट के बाद मीडिया रिपोर्टों पर स्वतः संज्ञान लिया था कि जी एन एल यूमें एक लड़की के साथ बलात्कार किया गया था और एक समलैंगिक छात्र का यौन उत्पीड़न किया गया था और एचसी के पूर्व न्यायाधीश हर्षा देवानी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया था। इससे पहले, विश्वविद्यालय के आईसीसी और रजिस्ट्रार ने आरोपों को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने टिप्पणी की 'यह विश्वविद्यालय एक राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय कैसे है? और रजिस्ट्रार एक हलफनामा दायर कर रहा है जिसमें कहा गया है कि 'कुछ नहीं हुआ, आगे की कार्यवाही बंद करें। ये लोग बच्चों की सुरक्षा कैसे करेंगे?' पीठ ने कहा कि रिपोर्ट से पता चलता है कि यौन उत्पीड़न या बलात्कार की केवल दो घटनाएं नहीं थीं, जैसा कि सोशल मीडिया पोस्ट में बताया गया है। लेकिन छेड़छाड़, बलात्कार, भेदभाव, समलैंगिकता, पक्षपात,

आवाज़ का दमन, आईसीसी के अस्तित्व की कमी, आईसीसी के बारे में छात्रों को जानकारी की कमी की घटनाएं हैं। रिपोर्ट के आलोक में, एचसी ने एक सक्षम प्राधिकारी द्वारा जी एन एल यू के मामलों की उच्च-स्तरीय जांच कराने का निर्णय लिया, जो दोषी प्रशासकों और फैकल्टी के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकता है, यह देखते हुए कि रजिस्ट्रार, निदेशक के साथ-साथ फैकल्टी के पुरुष सदस्यों के खिलाफ भी आरोप हैं। रिपोर्ट से पता चला कि कैसे फैकल्टी सदस्यों और जी एन एल यू प्रशासन ने छात्रों की शिकायतों पर जांच में बाधा डाली। न्यायाधीशों ने सोशल मीडिया पर व्यक्त छात्रों की शिकायतों को अपराध मानने के लिए जी एन एल यू की आलोचना की, 'मानो इससे विश्वविद्यालय की छवि खराब हो जाएगी।' हाईकोर्ट ने कहा 'उन्होंने एक प्रतिकूल दृष्टिकोण अपनाया। यह इस रिपोर्ट का सबसे डरावना हिस्सा था। माता-पिता के बाद, छात्रावासों या आवासीय कॉलेजों में शिक्षक माता-पिता की भूमिका निभाते हैं... वे बच्चे हैं। मुझे सबसे ज्यादा चिंता कानून के छात्रों की है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 1 मार्च- 2024

नशे का कारोबार

समूची दुनिया इस समय नशे के खतरनाक कारोबार से परेशान है। इससे जहां आतंकवाद जैसी गतिविधियों का वित्तपोषण हो रहा है वहीं हर साल बडी संख्या में युवा इसकी चपेट में आकर अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। इस पर काबू पाने के लिए सरकारों से अपेक्षा की जाती है कि वह इस पर रोक लगाने के लिए कोई ठोस पहलकदमी करे लेकिन अब तक देखने में यही आ रहा है कि यह काला धंधा रुकने का नाम नहीं ले रहा है। नतीजतन देश के महानगरों से लेकर कस्बों तक में यह लाभकारी धंधा बेरोक-टोक फल फूल रहा है। बल्कि यह भी कहा जा सकता है कि भारत इस कारोबार के लिए सबसे सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है। यही वजह है कि यहां थोड़े-थोड़े दिनों पर ही नशे की बड़ी खेप पकड़ी जाती रही है। मंगलवार की रात गुजरात के पोरबंदर बंदरगाह से तैंतीस सौ किलो नशीले पदार्थ की खेप पकडी गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब दो हजार करोड़ रुपए बताई जा रही है। इससे पहले शुक्रवार को सोमनाथ के वेरावल घाट पर बह कर आई करीब साढ़े तीन सौ करोड़ रुपए की नशीले पदार्थ की खेप पकडी गई थी। यह तो वह खेप है जो पकडी गई है, इसकी आड में कितनी खेप पार कर दी जाती होगी, इसका अंदाजा तक लगाना मुश्किल है। बता दें कि पिछले वर्ष मुंद्रा बंदरगाह पर एक पोत के औचक निरीक्षण में करीब पंद्रह हजार करोड़ रुपए की खेप पकड़ी गई थी। इस तरह अलग-अलग जगहों से छोटी-छोटी खेपें आए दिन पकड़ी जाती हैं। निस्संदेह यह पुलिस और संबंधित नशारोधी विभागों की सक्रियता कही जा सकती है, मगर सवाल है कि यदि इतने बड़े पैमाने पर नशे की खेप भारत पहुंच रही है तो जाहिर है वह देश के बाजारों में ही खप रही होगी। आखिर उस पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है। हाल ही में हैदराबाद के एक बडे होटल में एक राजनीतिज्ञ के कारोबारी बेटे की पार्टी में भी नशे का दौर खूब चला। पुलिस की सक्रियता से वह पकडा भी गया। यदि इसकी सूक्ष्मता से जांच की जाए तो कई बडे चेहरों से नकाब उतर सकता है। बहरहाल, पकड़ी गई बड़ी खेपों के बारे में तो खबरें सामने आ जाती हैं, लेकिन कितना नशीला पदार्थ निगरानी तंत्र की नजर से पार निकल जाता होगा, इसका पता कैसे लगेगा? सवाल है कि जो नारकोटिक्स महकमा एक-दो ग्राम नशीला पदार्थ रखने वालों को गिरफ्तार कर महीनों बंद रखता है, वह इन बड़ी खेपों पर नजर रखने में सफल क्यों नहीं हो पाता है। समंदर के रास्ते नशे का कारोबार कोई छिपी बात नहीं है। यह इसलिए सुरक्षित माना जाता है कि बंदरगाहों पर उतरने वाली वस्तुओं की नियमित जांच में लापरवाही बरती जा रही होगी, जिसकी जानकारी तस्करों को होती होगी। औचक निरीक्षण में कभी-कभार ही कुछ संदिग्ध वस्तुओं और नशीले पदार्थों की पहचान हो पाती है। लगातार इतने मामले प्रकाश में आने के बावजूद बंदरगाहों पर निगरानी चाकचौबंद क्यों नहीं की जा रही है, इसे समझना जरा भी मुश्किल नहीं लगता है।

क्रॉस वोटिंग अंतरात्मा की आवाज है या कुछ और ?

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में हुई राज्यसभा चुनाव की वोटिंग में विधायकों के पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर मतदान करने यानी क्रॉस वोटिंग की खबरें अभी ताजी हैं। हिमाचल में क्रॉस वोटिंग से जहां कांग्रेस के पैरों तले जमीन खिसक गई है, वहीं, उत्तर प्रदेश में समाजवादी प्रमुख अखिलेश यादव की बौखलाहट साफ झलकर रही है। यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि वो जो लाभ पाने वाले हैं, चले जाएंगे। उनके इस बयान से उनकी हताशा साफ नजर आई है। भारतीय राजनीति में क्रास वोटिंग की बात नई नहीं है। दशकों पुरानी है लेकिन अक्सर राष्ट्रपति चुनावों से लेकर राज्यसभा चुनावों तक में ये स्थिति देखने में आती है कि सांसद और विधायक पार्टी लाइन से अलग जाकर वोट देते हैं। पार्टी कसमसा कर रह जाती हैं। उन्हें ऐसा करने से रोक नहीं पातीं। कार्रवाई जरूर कर सकती हैं लेकिन वोटिंग के बाद ही लेकिन उन्हें संविधान और कानून का वो आधार नहीं मिलता जो व्हिप का उल्लंघन करने पर खुद-ब-खुद हासिल हो जाता है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश की 15 राज्यसभा सीटों के लिए 27 फरवरी को हुए चुनाव में विधायकों ने कुछ ऐसा ही किया। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के 08 विधायकों ने क्रासवोटिंग की तो हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के 06 विधायकों ने ये किया और कर्नाटक में 02 बीजेपी विधायकों ने पार्टी लाइन से अलग जाकर वोटिंग की। वैसे भारतीय राजनीति में क्रास वोटिंग का सबसे तहलकेदार मामला 1969 में राष्ट्रपति चुनावों के दौरान हुआ था जबकि कांग्रेस ने तब आधिकारिक तौर पर नीलम संजीव रेड्डी को राष्ट्रपति का प्रत्याशी बनाया था लेकिन इस चुनावों में वीवी गिरी स्वतंत्र प्रत्याशी के तौर पर खड़े थे। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पार्टी लाइन से अलग जाकर अपनी ही पार्टी के सांसदों और विधायकों से अंतरराज्मा की आवाज पर वोट देने की बात की थी। नतीजा ये हुआ कि उस चुनावों में कांग्रेस के सांसदों से लेकर विधायकों ने अपनी ही पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार की जगह वीवी गिरी के पक्ष में वोट डाला। कांग्रेस सिंडिकेट द्वारा खड़े किए गए प्रत्याशी नीलम संजीव रेड्डी हार गए। वीवी गिरी चुनाव जीतकर राष्ट्रपति बने। उस चुनावों में वीवी गिरी को 420,077 इलेक्टोरल वोट मिले तो नीलम संजीव रेड्डी को 405,427 वोट। इसके बाद क्या हुआ, वो अलग कहानी है क्योंकि इसके बाद इसी क्रास वोटिंग के चलते कांग्रेस टूट गई। इंदिरा गांधी ने अपनी नई कांग्रेस बनाई। ये पहला वाकया था जब भारतीय राजनीति में बड़े पैमाने पर क्रास वोटिंग हुई। कांग्रेस सिंडिकेट को साफ मालूम था कि क्रास वोटिंग होगी लेकिन तब भी वो इसे रोकने के लिए व्हिप जारी नहीं कर पाए। संविधान और कानून की मानें तो राष्ट्रपति और राज्यसभा के चुनावों में पार्टियों द्वारा व्हिप जारी करना संविधानसम्मत या कानून सम्मत नहीं है। इसे अगर अदालतों में चुनौती दी जाए तो पार्टियों को हार का सामना करना पड़ सकता है। कांग्रेस ने इस राज्यसभा चुनावों के लिए तीनों राज्यों में मानक से हटकर तीन-लाइन व्हिप जारी किया था लेकिन बाद में पार्टी को इसको वापस लेना पड़ा था। इस मामले पर कानूनी बहस शुरू हो चुकी है कि राज्यसभा चुनाव के लिए व्हिप क्यों जारी नहीं किया जाता । व्हिप की अनुपस्थिति और अंतरात्मा की आवाज पर वोट की अपील से विधायकों के लिए दल-बदल विरोधी कानून या 10वीं अनुसूची के तहत किसी भी कार्रवाई से बचना आसान हो जाता है भले ही वो क्रॉस-वोटिंग करें। जब कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में सत्तारूढ़ पार्टी ने अपने सभी विधायकों को पार्टी के उम्मीदवार अभिषेक सिंघवी के लिए वोट करने के लिए तीन-लाइन व्हिप जारी किया तो भारतीय जनता पार्टी ने इसे 25 फरवरी को भारत के चुनाव आयोग में चुनौती दी। कांग्रेस पर हिमाचल प्रदेश में चुनाव के संचालन के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया, तब कांग्रेस को व्हिप के फैसले से पीछे हटना पड़ा।हिमाचल प्रदेश सरकार में मंत्री हर्षवर्द्धन चौहान ने कहा था कि शुरुआती दौर में हमने व्हिप जारी करने पर विचार किया था लेकिन जब हमें पता चला कि राज्यसभा चुनाव में व्हिप मायने नहीं रखता तो हमने व्हिप जारी नहीं किया। कर्नाटक में, जहां एक भाजपा विधायक ने सत्तारूढ़ कांग्रेस के पक्ष में मतदान किया, भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) सहित सभी दलों ने व्हिप जारी किया था लेकिन तब भी व्हिप को तोड़ा गया।विधायी मामलों के विशेषज्ञ और लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी आचार्य का कहना है, कोई भी पार्टी 10वीं अनुसूची के तहत किसी भी विधायक के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर सकती क्योंकि राज्यसभा चुनाव में मतदान के लिए व्हिप जारी नहीं किया जा सकता। उनका कहना है कि यह मतदान सदन के अंदर नहीं है बल्कि चुनाव आयोग द्वारा आयोजित किया जाता है। इसमें कोई पार्टी चाबुक नहीं चल सकती। ये कानून से अच्छी तरह से स्थापित है। हां अगर कोई विधायक इसके बाद स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है तो जरूर 10वीं अनुसूची लागू की जा सकती है। पूर्व लोकसभा महासचिव का कहना है कि अगर किसी विधायक ने अपनी ही पार्टी या सरकार के हित के खिलाफ काम किया है तो विधानसभा अध्यक्ष इसकी व्याख्या स्वैच्छिक रूप से सदस्यता छोड़ने के रूप में कर सकते हैं। स्पीकर उन्हें बागी मानकर अयोग्य घोषित कर सकते हैं जो हिमाचल में देखने को मिल सकता है। जबकि क्रॉस वोटिंग का सीधा मतलब है कि अपनी पार्टी के खिलाफ जाकर दूसरी पार्टी के पक्ष में वोट करना, फिर भी कार्यवाही न हो पाना लोकतंत्र की कमजोरी माना जा सकता है । आमतौर पर दुनियाभर में राजनीतिक दलों के बीच संसद या महत्वपूर्ण मामलों में क्रासवोटिंग के उदाहरण हैं। हालांकि, पार्टियां इसे व्हिप जारी कर रोकने की पूरी कोशिश करती हैं हालांकि कई बार राजनीतिक दलों को इसमें नाकामी मिलती है। राज्यसभा चुनावों में दलबदल कानून लागू नहीं होने के कारण क्रॉस वोटिंग करने वाले विधायकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सकती हैं। साफ है कि हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में पार्टी लाइन के खिलाफ जाने वाले विधायकों पर पार्टी नेतृत्व कोई कार्रवाई नहीं कर पाएगा। संविधान के मुताबिक पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर मतदान करने वाले विधायकों की विधानसभा सदस्यता नहीं छीनी जा सकती है लेकिन कोई भी राजनीतिक दल क्रॉस वोटिंग करने वाले अपने विधायकों को पार्टी से बाहर का रास्ता जरूर दिखा सकता है। ये पार्टी नेतृत्व का विशेषाधिकार होता है। साफ है कि दोनों ही राज्यों में राजनीतिक दल अपने जिस-जिस विधायक का नाम क्रॉस वोटिंग में सामने आएगा, उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा सकती हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो उनकी पार्टी की प्राथमिकता सदस्यता तक छीनी जा सकती है। हिमाचल में ये पूरी तरह से कांग्रेस तो यूपी में सपा पर निर्भर होगा कि वे ऐसे विधायकों के खिलाफ क्या कार्रवाई करते हैं।वैसे तो राज्यसभा चुनाव में किसने किसे वोट किया, ये सीधे तौर पर पता नहीं किया जा सकता है लेकिन, हर पार्टी में अंदरूनी तौर पर इस बात का पता कई तरीकों से लगाया जा सकता है। कई बार इसका पता नहीं लगता।

लिहाजा, इन चुनावों में क्रासवोटिंग करने वालों के खिलाफ पार्टी बहुत कुछ करने की स्थिति में नहीं होती। बताया जाता है कि संसद में अनुभवी और योग्य लोगों को लाने के लिए राज्यसभा का गठन हुआ। मकसद था कि इन्हें आम चुनावों की उथल-पुथल से बचाया जा सके और चर्चाओं एवं कानून बनाने की गुणवत्ता बढ़ाई जा सके हालांकि कुछ ही वर्षों बाद राज्यसभा के लिए अप्रत्यक्ष चुनाव विवादों में घिर गया। चर्चा होने लगी कि गुप्त मतदान के माध्यम से मतदान को प्रभावित करने में धन और बाहुबल की महत्वपूर्ण भूमिका है। वरिष्ठ कांग्रेस सांसद विभूति मिश्रा ने 30 मार्च 1973 को लोकसभा में निजी सदस्य विधेयक पेश किया जिसमें राज्यसभा को खत्म करने की मांग की गई थी। उनका तर्क था कि राज्यसभा के चुनाव भ्रष्टाचार से ग्रस्त हो गए हैं।

गरीबी के दंश से बाहर निकल रहा है भारत

सुनील कुमार महला

भारतीय शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में प्रगति हो रही है। हाल ही में नीति आयोग ने यह कहा है कि भारत का गरीबी स्तर पांच प्रतिशत से नीचे आया है। दरअसल नवीनतम घरेलू उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण द्वारा जारी आंकड़ों में यह बात सामने आई है और उसी के हवाले से नीति आयोग ने यह बात कही है कि भारत अब लगातार समृद्धि की ओर बढ़ रहा है। जानकारी देना चाहूंगा कि घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण आमतौर पर राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा हर पांच साल में आयोजित किया जाता है। वास्तव में, इस सर्वेक्षण का उद्देश्य देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समूहों के लिए घरेलू मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) और इसके वितरण का अलग-अलग अनुमान तैयार करना है। जानकारी देना चाहूंगा कि राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय यानी कि एनएसएसओ द्वारा कुछ समय पहले जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू खर्च वर्ष 2011-12 की तुलना में वर्ष 2022-23 में दोगुना से अधिक हो गया है, जो देश में समृद्धि के बढ़ते स्तर को दर्शाता है।आंकड़ों से पता चलता है कि सभी श्रेणियों के लिए औसत प्रति व्यक्ति मासिक व्यय ग्रामीण क्षेत्रों में 3,773 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 6,459 रुपये है। दरअसल,प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू खर्च दुगुना हो गया है। इस वृद्धि को पूरी आबादी के जीवन स्तर में अहम सुधार का संकेत माना जा सकता है। वैसे कहा यह भी जा सकता है कि घरेलू खर्च में यह बढ़ोतरी बेलगाम महँगाई का भी प्रतिबिंब है।निचले 0-5 प्रतिशत वर्ग का औसत प्रति व्यक्ति मासिक व्यय ग्रामीण क्षेत्रों में 1,373 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 2,001 रुपये आंका गया है। आंकड़ों से यह बात पता चलती है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में खपत लगभग 2.5 गुना बढ़ गई है।यह बताता है कि आज देश में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में प्रगति हो रही है।ग्रामीण क्षेत्रों में खपत शहरी क्षेत्रों की तुलना में तेजी से बढ़ रही है, जिससे दोनों क्षेत्रों(ग्रामीण व शहरी)के बीच असमानताएं कम हो रही हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि सर्वेक्षण में सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभ को भी शामिल किया गया है, जिसने उन गरीब परिवारों की खपत में योगदान दिया है, जिन्हें अपने बच्चों के लिए मुफ्त खाद्यान्न और साइकिल और स्कूल यूनिफॉर्म जैसे सामान मिले हैं। सर्वेक्षण से पता चलता है कि वर्ष 2011-12 में अंतर 84 प्रतिशत था और वर्ष 2022-23 में घटकर 71 प्रतिशत हो गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004-05 में यह अंतर 91 प्रतिशत था। एनएसएसओ सर्वेक्षण देश में ग्रामीण और शहरी दोनों परिवारों के कुल खर्च में अनाज और भोजन की खपत की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय गिरावट का भी संकेत देता है। इसका मतलब है कि लोग अतिरिक्त आय के साथ समृद्ध हो रहे हैं।इस बढ़ी हुई समृद्धि के साथ वे भोजन के अलावा अन्य चीजों पर अधिक खर्च कर रहे हैं। यहां तक कि भोजन में भी, अधिक दूध पी रहे हैं, फल और अधिक सब्जियां खा रहे हैं। हालांकि भोजन और अनाज की हिस्सेदारी में कमी आई है। इस दौरान गैर-खाद्य वस्तुओं जैसे फ्रिज, टेलीविजन, बेव्रेज और प्रोसेस्ड फूड, स्वास्थ्य और परिवहन पर ख़र्च बढ़ गया है, जबकि अनाज और दालों जैसे खाद्य पदार्थों पर ख़र्च धीमा हो गया है। खाने पर ख़र्च साल 1999-2000 में 48.06%, 2004-05 में 40.51%, 2009-10 में 44.39%, 2011-12 में 42.62% था, जो अब 39.70% हो गया है। वहीं गैर-खाद्य वस्तुओं का ख़र्च 1999-2000 में 51.94%, 2004-05 में 59.49%, 2009-10 में 55.61%, 2011-12 में 57.38% था, जो अब 60.30% हो गया है। मल्टी डायमेंशनल पावर्टी इंडेक्स द्वारा जारी एक अध्ययन के अनुसार, पिछले नौ वर्षों में भारत में 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से उबर गए हैं। स्टडी में कहा गया है कि गरीबी अनुपात में 2013-14 में 29.17 प्रतिशत से भारी गिरावट आई है और 2022-23 में 11.28 प्रतिशत हो गई है, जो 17.89 प्रतिशत अंक की कमी है।

जानकारी देना चाहूंगा कि इसके अनुसार उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों के दौरान 5.94 करोड़ लोगों के बहुआयामी गरीबी से बाहर निकलने के साथ गरीबों की संख्या में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, इसके बाद बिहार में 3.77 करोड़, मध्य प्रदेश में 2.30 करोड़ और राजस्थान में 1.87 करोड़ लोग हैं। इसी बीच यह भी बताता चलूं कि नीति आयोग ने यह भी कहा है कि भारत वर्ष 2030 से पहले ही बहुआयामी गरीबी को आधा करने के अपने लक्ष्य को हासिल कर लेगा। दरअसल,पोषण अभियान और एनीमिया मुक्त भारत जैसी उल्लेखनीय पहलों ने स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे अभाव में काफी कमी आई है। दुनिया के सबसे बड़े खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों में से एक का संचालन करते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली 81.35 करोड़ लाभार्थियों को कवर करती है, जो ग्रामीण और शहरी आबादी को खाद्यान्न प्रदान करती है। इतना ही नहीं, मातृ स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न कार्यक्रम, उज्ज्वला योजना के माध्यम से स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन वितरण, सौभाग्य के माध्यम से बिजली कवरेज में सुधार और स्वच्छ भारत मिशन व जल जीवन मिशन जैसे परिवर्तनकारी अभियानों ने सामूहिक रूप से लोगों की रहने की स्थिति और समग्र कल्याण बढ़ाया है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री जन धन योजना और पीएम आवास योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने वित्तीय समावेशन और वंचितों को आवास मुहैया कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि भारतीय घरों में औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) 2011-12 के बाद से शहरी परिवारों में 33.5% बढ़कर 3,510 हो गया, जबकि ग्रामीण भारत का एमपीसीई इसी अवधि में 40.42% की वृद्धि के साथ 2,008 तक पहुंच गया। इतना ही नहीं,ग्रामीण परिवारों के लिए भोजन पर खर्च का अनुपात 2011-12 में 52.9% से घटकर 46.4% हो गया है, जबकि उनके शहरी समकक्षों ने भोजन पर अपने कुल मासिक व्यय का केवल 39.2% खर्च किया है, जबकि 11 साल पहले यह 42.6% था। हाल फिलहाल यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि हाल ही में जारी उक्त आंकड़े सुखद हैं क्यों कि ग्रामीण और शहरी भारत के बीच अब तक बड़ी आर्थिक खाई देखने को मिल रही थी, आंकड़े इस खाई को कम दिखाते हैं,जो कि बहुत अच्छी बात है ।रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि लोग अब अनाज की तुलना में दूध, फल, सब्ज़ी और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों पर ज़्यादा खर्च करने लगे हैं। मतलब यह है कि आज खानपान का लगातार विविधीकरण हो रहा है और इससे पोषण संबंधी परिणामों में सुधार की भी आस बँधती दिखाई देती प्रतीत होती है। वास्तव में भारत को विकासशील देश से विकसित देश बनाने के लिए गरीबी का कलंक मिटाया जाना बहुत ही जरूरी है।

इंसानियत का गिरता स्तर

रजनीश कपूर

अंग्रेजों के शासन के समय भारतीयों के साथ दुर्व्यवहार के खूब क़िस्से आप सब ने पढ़े और सुने होंगे। परंतु आज के भारत में यदि आपको किसी सरकारी व्यक्ति के दुर्व्यवहार की घटना के बारे में पता चलता है तो आपको ग़ुस्सा न आए ऐसा हो नहीं सकता। घटना कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु की है जहां पर मेट्रो के सुरक्षाकर्मी ने एक बुजुर्ग यात्री को इसलिए ट्रेन में चढ़ने नहीं दिया क्योंकि उस बुजुर्ग किसान के कपड़े गंदे और पुराने दिखाई दे रहे थे। जब मेट्रो के सुरक्षाकर्मी की इस हरकत पर सह-यात्रियों ने आपत्ति जताई तो वहाँ पर एक हंगामा खड़ा हो गया और देखते ही देखते इस पूरे प्रकरण का वीडियो वायरल हो गया।

मेट्रो सुरक्षाकर्मी की इस ग़ैर ज़िम्मेदाराना हरकत ने औपनिवेशिक काल की याद दिला कर एक बार फिर से यह सवाल खड़ा कर दिया है कि हम इतने असंवेदनशील कैसे हो सकते हैं? इक्कीसवीं सदी में क्या कभी किसी ने ऐसी कल्पना की होगी कि कोई एक इंसान दूसरे के प्रति इतना द्वेष इसलिए रखे क्योंकि वो या तो किसी निचले तबके का है या वो किसी अन्य धर्म या जाति का है या सिर्फ़ इसलिए कि उसके पहनावे से उसके ग़रीब होने का परिचय मिलता है। एक ओर जब हम बराबरी और सम्मान की बात करते हैं तो हम यह क्यों भूल जाते हैं कि हमारे देश में सिखों के गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी ने कहा था कि 'अव्वल अल्लाह नूर उपाया कुदरत के सब बंदे, एक नूर ते सब जग उपजा कौन भले कौन मंदे'। इस वाणी के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज ने, किसी भी प्राणी में जात का भेद समाप्त कर दिया था। बल्कि उन्होंने ऊँच-नीच के भेदभाव को भी समाप्त करने का संदेश दिया।

परंतु क्या आज हम ऐसे संदेशों पर अमल करते हैं? मामला चाहे एक बुजुर्ग किसान को मेट्रो पर न चढ़ने देना का हो या किसी आदिवासी या निचली माने जानी वाली तबके की जाति के व्यक्ति के साथ की जाने वाले दुर्व्यवहार की घटना का हो, हमेशा इंसानियत ही शर्मसार होती है। जब यह पता चलता है कि ऐसा दुर्व्यवहार करने वाला किसी बड़े राजनैतिक दल का एक मामूली सा कार्यकर्ता है तो उस पर राजनीति भी शुरू हो जाती है। परंतु यहाँ किसी राजनैतिक दल की बात नहीं है बल्कि इंसानों में खो रही इंसानियत की बात है। ऐसा क्यों है कि कुछ लोग पैसे, पद या राजनीति के घमंड में किसी दूसरे को अपने से नीचा देखने लगते हैं? क्या इस संवेदनशील विषय पर उन्हें उनके बड़े-बुजुर्गों ने सही पाठ नहीं पढ़ाया? क्या ये सही नहीं है कि जब कोई महँगी और आलीशान गाड़ी में चलता है तो सड़क पर पैदल चलने वालों को वो कुछ नहीं समझता? सड़क जितनी महँगी गाड़ी वालों की है उतनी ही पैदल चलने या सस्ते वाहन के मालिकों की भी है। आजकल सोशल मीडिया युग में यह देखा गया है कि जैसे ही बेंगलुरु, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश या देश के किसी भी कोने में ऐसी असंवेदनशील घटनाएँ वायरल होती हैं तो आनन-फ़ानन में कार्यवाही भी हो जाती है।

बेंगलुरु में मेट्रो के प्रबंधकों ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए उस सुरक्षाकर्मी को तुरंत प्रभाव से निलंबित तो कर दिया। परंतु सुरक्षाकर्मी हो या किसी भी राजनैतिक दल के कार्यकर्ता, उन्हें आम आदमी से बर्ताव करने के लिए विशेष हिदायत या प्रशिक्षण क्यों नहीं दिये जाते? अक्सर हमें यह भी सुनने को मिलता है कि कभी किसी एयरलाइंस द्वारा ज़रूरतमंद की व्हीलचेयर की माँग को भी अनदेखा किया जाता है। परंतु जब ऐसे मामले तूल पकड़ते हैं तो सभी चौकन्ना हो जाते हैं। आख़िर हमारी संवेदनाओं का स्तर इतना गिरता क्यों जा रहा है? भारत भगवान राम और कृष्ण का देश है जिन्होंने शबरी माता के झूठे बेर और सुदामा के तंदुल स्वीकार कर समाज के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया था। हर दल के बड़े नेता देश में बराबरी का संदेश तो ज़रूर देते हैं। यह भी देखा गया है कि अक्सर जब ये नेता किसी नये भवन या सार्वजनिक स्थल का लोकार्पण करते हैं तो उसका निर्माण करने वाले मज़दूरों का सम्मान भी करते हैं। परंतु जब उन्हीं के दल का कोई कार्यकर्ता या छुटभैया नेता सड़क पर या अपने इलाक़े में अपनी दबंगई दिखाता है तो ऐसा लगता है कि बराबरी का संदेश देने की नीयत से नेताओं द्वारा ग़रीबों का सम्मान केवल फ़ोटो खिंचवाने की दृष्टि से ही किया जाता है। जिस तरह बेंगलुरु में एक बुजुर्ग व ग़रीब किसान को टिकट होने के बावजूद ट्रेन में चढ़ने नहीं दिया गया और वो लाचार हो कर एक कोने में तब तक खड़ा रहा जब तक किसी ने इस बात का विरोध नहीं किया। इससे एक संदेश ज़रूर गया है कि आज के युग में हम जब भी ऐसी घटना होते हुए देखें तो इसका विरोध अवश्य करें। लोग विरोध इसलिए नहीं करते क्योंकि कौन फ़ालतू के बवाल में पड़े।

परंतु ज़रा सोचिये कि आप यदि किसी काउंटर की लाइन में अपनी बारी आने की प्रतीक्षा में हों और अचानक कोई वीआईपी बन कर बिना लाइन में लगे सीधे ही काउंटर पर चला जाए तो क्या आप इसका विरोध नहीं करेंगे? ठीक उसी तरह, यदि आप किसी के साथ अन्याय होता देखें तो उसका विरोध अवश्य करें वरना बैंगलुरु जैसी घटनाएँ बढ़ती रहेंगी और इंसानियत बार-बार शर्मसार होगी।

सियासत की निगहबानी में पनपते हैं गुंडाराज के सूत्रधार !

मनोज कुमार अग्रवाल

आखिर संदेशखाली में दरिंदगी का घिनौना खेल का सूत्रधार क्यों नहीं पकड़ा जा रहा है? दरअसल जब किसी अपराधी को राजनीतिक संरक्षण में फलने-फूलने का मौका मिलता है तो यही हालात पैदा हो जाते हैं कमोबेश यही संदेशखाली में देखने को मिल रहा है। सियासत की निगहबानी में अपराधियों का पनपना किसी भी समाज के लिये बेहद शर्मनाक व दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति ही है। लेकिन संगीन अपराध के मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय वास्तविक अपराधियों को दंडित करना ही प्राथमिकता होनी चाहिए। पश्चिम बंगाल की राजनीति में आपराधिक तत्वों का बोलबाला दशकों से जारी रहा है। कभी जो दबंग लोग पश्चिम बंगाल की वामपंथी सरकार के दौरान वोट छापने व बूथ कब्जाने के लिये कुख्यात थे, अब उनके ही चोला बदलकर सत्तारूढ़ टीएमसी के कार्यकताओं के रूप में नजर आने के आरोप लग रहे हैं। स्थानीय निकाय चुनावों में हुई हिंसा व चुनावों में हेराफेरी इसकी बानगी बतायी जाती है। ताजा मामला पश्चिम बंगाल के उत्तर परगना जिले में स्थित संदेशखाली का है, जो आज राजनीति का अखाड़ा बना हुआ है। आपको पता हो कि एक अनाज घोटाले में ईडी की कार्रवाई पर टीएमसी कार्यकताओं के प्रतिरोध और उसके बाद ईडी अधिकारियों पर हमले के बाद संदेशखाली में महिलाओं के यौन उत्पीड़न जमीन कब्जे और जुल्म के नये-नये खुलासे होते रहे हैं। हिंसा व दबंगई के लिये कुख्यात इलाके में दबंग राजनेताओं द्वारा जमीन कब्जाने और आदिवासी महिलाओं के शोषण के मामले उजागर हुए। हालांकि, सत्ता पक्ष और विपक्ष की तरफ से आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला जारी है और अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण के आरोप लगाये जा रहे हैं। भाजपा की ओर से जहां महिला मुख्यमंत्री वाले राज्य में महिलाओं का शोषण करने वाले टीएमसी नेताओं को बचाने के आरोप लगाए जा रहे हैं, वहीं सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की ओर से विपक्ष पर सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के आरोप लगाये जा रहे हैं। कालांतर बढ़ते विवाद के बीच पश्चिम बंगाल के राज्यपाल और राष्ट्रीय महिला आयोग के प्रतिनिधि संदेशखाली का दौरा करके पीड़ितों से मिले भी हैं। निस्संदेह, इस विवाद के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं, लेकिन यदि दबंग राजनेताओं द्वारा महिलाओं का सामूहिक शोषण किया जाता है तो निश्चय ही यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इस मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी मुख्य अभियुक्त के खिलाफ कार्रवाई न होने पर राज्य सरकार को फटकार लगाई है। हालांकि, इस प्रकरण में अब तक डेढ़ दर्जन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। बहरहाल, हिंसा और दबंगई के लिये मशहूर पश्चिम बंगाल की राजनीति में संदेशखाली का विवाद लगातार तूल पकड़ रहा है जहां तृणमूल कांग्रेस भाजपा को मामले को तूल देने के आरोप लगा रही है, वहीं भाजपा अपराधियों को बचाने के आरोप सत्तारूढ़ दल पर लगा रही है। आरोप है कि भाजपा आम चुनाव के मद्देनजर ध्रुवीकरण के प्रयासों में लगी है। बाकायदा एक बीस मिनट का वीडियो भी जारी किया गया है जिसमें महिलाएं अपनी आपबीती सुना रही हैं। क्षेत्र की महिलाएं इस मुद्दे को लेकर मुखर हो रही हैं और दोषियों को दंडित करने की मांग को लेकर एकजुट हो रही हैं। विपक्षी नेता इस आंदोलन की तुलना सिंगूर-नंदीग्राम जैसी मुहिम से कर रहे हैं, जो राज्य में सत्ता परिवर्तन की वाहक बनी थीं। सवाल उठाये जा रहे हैं कि इन महिलाओं ने पहले दबंग राजनेताओं के खिलाफ आवाज क्यों नहीं उठाई। कुछ लोगों की दलील है कि मुख्य अभियुक्त की गिरफ्तारी के बाद वे आवाज उठाने में सक्षम हो पायी हैं। बहरहाल, राशन घोटाले, अभियुक्तों के ठिकानों पर छापे, जमीन हड़पने और सामूहिक उत्पीड़न के आरोपों के बीच संदेशखाली लगातार सुर्खियों में बना हुआ है।

एक अजीबोगरीब बैंक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

मेरा नाम भोलाराम है और मैं गड़बड़ गंज के चमचम बाजार से हूँ। मैं यहाँ लगभग 8 वर्षों से रह रहा हूँ। मैं अपने खाते वाले बैंक के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के लिए यह पत्र लिख रहा हूं। वर्तमान में मेरा खाता जिस बैंक में है, उसका व्यवहार पहले वाले बैंक से एकदम अलग है। पहले वाले बैंक के कर्मचारियों के खिलाफ आए दिन लिखित शिकायत दे देकर मेरे पिता जी थक जाते थे, लेकिन बैंक वालों के व्यवहार में परिवर्तन शून्य बटा लूल होता था। मेरे पिता जी पेंशनर थे। खाता उसी बैंक में होने के कारण आना जाना लगा रहता था। एक बार वे जीवित होने का प्रमाण-पत्र देने गये तो वहां कर्मचारियों ने सही बर्ताव नहीं किया। संतोषप्रद जवाब भी नहीं दिया। इधर से उधर काउंटर पर भेजा तथा उनकी पहचान के लिए दो गवाह लाने को कहा। जबकि घर भर के खाते उसी बैंक में थे। वे बैंक के नियमित ग्राहक थे। विजिटिंग कार्ड, मतदाता परिचय-पत्र आदि बताए लेकिन संतोषप्रद जवाब देने की बजाय दुर्व्यवहार किया। उस शाखा में बैंक कर्मचारियों का व्यवहार हमेशा से ऐसा ही था। पिता जी ने उनकी शिकायत बैंक प्रबंधक एवं क्षेत्रीय बैंक प्रबंधक को लिखित में कई बार डाक से भेजी थी। साथ ही सूचना अधिकार के तहत सीसीटीवी कैमरे की फुटेज व बैंक नियम आदि दस्तावेज की मांग भी करते थे। अनुरोध यही करते थे कि बैंक अपने कर्मचारियों को ग्राहकों के साथ सही व्यवहार करने का प्रशिक्षण दें। अब तो पिता जी रहे नहीं। बाद में हम चमचम बाजार शिफ्ट हो गए। यहाँ पर एक दस साल पुराना बैंक है। इसी में हम सबने अपने खाते खोल लिए हैं, लेकिन मुझे इस बैंक के बारे में हमेशा से संदेह रहा है। यह बैंक मेरे पहले वाले बैंक की कार्यशैली से एकदम उलट है। यहाँ एक कर्मचारी द्वार के पास हाथ जोड़कर मुस्कुराते हुए स्वागत करता है। किसी भी काउंटर पर चले जाएँ यह कभी नहीं कहेंगे कि आप इस वाले काउंटर पर नहीं उस वाले काउंटर पर जाइए। उन्होंने आज तक सर्वर डाउन की शिकायत नहीं की। कभी-कभी तो लगता है कि उनका इंटरनेट कनेक्शन देवलोक से कनेक्टेड है। साक्षात ब्रह्मा जी उनके ब्राडकास्टर हैं। जब भी जाइए वे काम करने के लिए तत्पर रहते हैं।

कभी लंच टाइम का बहाना नहीं करते हैं। उनके माथे पर कोई शिकन नहीं होती है। वे झल्लाकर बात करना तो दूर आँख उठाकर भी नहीं देखते हैं। पहले वाले बैंक में कोई काम पड़ जाता, तो कर्मचारियों के व्यवहार के बारे में सोचकर ही परेशान हो उठता। इस बैंक में तो छोटे-मोटे कामों के लिए जाने की जरूरत भी नहीं है। एक फोन करने भर से काम हो जाता है। इन्हीं सब व्यवहारों को लेकर मैं बहुत चिंतित हूँ।

माताओं के लिए खास होता है यशोदा जयंती

हिंदू पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह में कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को यशोदा जयंती मनाई जाती है। इस बार यशोदा जयंती 1 मार्च दिन शुक्रवार को मनाई जा रही है। ये दिन भगवान श्री कृष्ण की मैया यशोदा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। मां यशोदा ने ही भगवान श्रीकृष्ण का लालन-पालन किया था। जबकि कृष्ण का जन्म मां देवकी के कोख से हुआ था। यह पर्व दुनियाभर के इस्कॉन मंदिरों और कृष्ण जी के सभी मंदिरों में धूमधाम से मनाया जाता है। माताओं के लिए यह व्रत बेहद खास होता है। इस दिन माताएं अपनी संतान की लंबी आयु और उनकी मंगल कामना के लिए व्रत करती हैं। यह त्योहार गुजरात, महाराष्ट्र और दक्षिण भारतीय राज्यों में बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। ऐसे में चलिए जानते हैं यशोदा जयंती का महत्व, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि...

यशोदा जयंती 2024 शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि का प्रारम्भ 1 मार्च 2024 को सुबह 6 बजकर 21 मिनट पर हो रहा है और इस तिथि का समापन 2 मार्च 2024 को सुबह 7 बजकर 53 मिनट पर होगा। ऐसे में इस साल यशोदा जयंती 1 मार्च 2024, शुक्रवार के दिन मनाई जा रही है।

यशोदा जयंती का महत्व

माताओं के लिए यशोदा जयंती का पर्व बेहद खास माना जाता है। यह पर्व माता और संतान के प्रेम को दर्शाता है। इस दिन माताएं अपनी संतान की लंबी उम्र के लिए व्रत करती हैं। मान्यता है कि इस दिन माता यशोदा और भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा करने और व्रत रखने से संतान प्राप्ति की कामना शीघ्र पूर्ण होती है।

यशोदा जयंती पूजा विधि

यशोदा जयंती के दिन प्रातः काल स्नान आदि करने के बाद माता यशोदा और कृष्ण का ध्यान करें।

पूजन के लिए माता यशोदा की भगवान कृष्ण की गोद में लिए हुए तस्वीर को स्थापित करें।

यदि माता यशोदा की तस्वीर न हो तो उनका ध्यान करते हुए भगवान श्री कृष्ण के समक्ष दीपक प्रज्वलित करें

मां यशोदा जी को लाल चुनरी अर्पित करें।

साथ ही मां यशोदा को मिष्ठान और भगवान कृष्ण को मक्खन का भोग लगाएं।

इसके बाद माता यशोदा और भगवान कृष्ण की आरती करें।

तत्पश्चात गायत्री मंत्र का जाप करें।

पूजा संपन्न होने के बाद अपनी मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करें।

यशोदा जंयती के दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करें।

यशोदा जंयती के दिन स्वच्छ वस्त्र धारण करें।

यशोदा जंयती के दिन व्रत का संकल्प लें।

यशोदा जंयती के दिन पूजा की चौकी लें।

पूजा की चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं।

लाल कपड़े पर मां यशोदा की गोद में कृष्ण वाली प्रतिमा स्थापित करें।

माता यशोदा और बाल कृष्ण के सामने दीपक प्रज्वलित करें।

बाल गोपाल और यशोदा मैय्या को भोग लगाएं।

गोपाल मंत्र का जाप अवश्य करें।

लड्डु गोपाल की आरती भी गाएं।

प्रसाद वितरण करें।

माता यशोदा की जन्म कथा

ब्रह्मा जी के आशीर्वाद से फाल्गुन मास के कृष्णपक्ष की षष्ठी तिथि को ब्रज में स्थित सुमुख नाम के गोप और उनकी पत्नी पाटला के यहां कन्या रूप में यशोदा का जन्म हुआ। उनका विवाह ब्रज के राजा नंद से किया गया। नंद पिछले जन्म में द्रोण थे। एक अन्य कथा के अनुसार पूर्व जन्म में माता यशोदा ने भगवान विष्णु की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान विष्णु ने उन्हें वर मांगने को कहा। यशोदा माता ने बोला कि मेरी तपस्या तभी पूर्ण होगी जब आप मुझे पुत्र के रूप में प्राप्त होंगे। भगवान ने प्रसन्न होकर कहा कि मैं वासुदेव और माता देवकी के घर जन्म लूंगा, लेकिन मुझे मातृत्व का सुख आपसे ही प्राप्त होगा। समय के साथ ऐसा ही हुआ, माता यशोदा ने ही श्रीकृष्ण को मातृत्व सुख दिया।

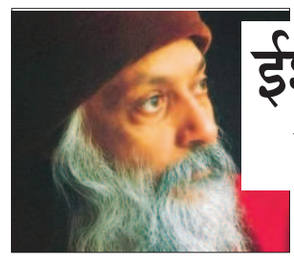

ईश्वर पर श्रद्धा हट गई है

मंदिर में चढ़ा आए दो फूल, जला आए एक दीप, कि उतार आए आरती, कि करवा ली घर में सत्यनारायण की कथा, कि मरते वक्त हरि-राम, हरि-राम जपते रहे, या खुद न बना जपते तो किसी पंडित-पुजारी को बिठा कर जपवाते रहे हरि-राम, हरि-राम, इससे नहीं होगा! रहीम इस प्रेम की बात नहीं कर रहे हैं। वे तो प्रेम के उस पंथ की बात कर रहे हैं जो परमात्मा से मिला देता है। वह तो अति कठिन है, कठिन से कठिन है। गौरीशंकरों पर चढ़ जाना आसान, चांदत्तारों पर पहुंच जाना आसान, प्रेममय हो जाना सर्वाधिक कठिन है।

मैं तो रहीम से राजी हूं, तुम्हारे साधु-संतों से नहीं। तुम्हारे साधु-संत तो तुम्हें खिलौने दे रहे हैं, घुनघुने दे रहे हैं।मैंने सुना है, एक आदमी ने विज्ञापन पढ़ा। विज्ञापन बड़ा प्रीतिकर था, जैसे कि विज्ञापन होते हैं। जरा विज्ञापनों को गौर से देखा करो! वे तुम्हारी मनोदशा की खबर देते हैं। केडिलक कार का विज्ञापन होता है, तो विज्ञापन में लिखा होता हैः समथिंग टु बिलीव इन! कार, उसका विज्ञापनः समथिंग टु बिलीव इन! कुछ जिस पर भरोसा किया जा सके, विश्वास किया जा सके, जिस पर श्रद्धा की जा सके! सोचो, किन लोगों के लिए यह विज्ञापन दिया जा रहा है? ईश्वर पर श्रद्धा हट गई है, जीवन से श्रद्धा हट गई है, प्रेम से श्रद्धा हट गई है, सारी बहुमूल्य श्रद्धाएं समाप्त हो गईं। अब केडिलक कार पर श्रद्धा करनी पड़ेगी। अब कुछ तो चाहिए, श्रद्धा करने को कुछ तो चाहिए। श्रद्धा खाली रह गई है। तो लोग कारों में भरोसा कर रहे हैं, कारों में श्रद्धा कर रहे हैं। या कोकाकोला का विज्ञापन पढ़ोः एवरीथिंग गोज वेल विद कोकाकोला। तो अगर पत्नी से झगड़ा है, कोकाकोला लाओ! अगर घर में वैमनस्य है, तो रेफ्रिजरेटर में कोकाकोला की बोतलें भर कर रखो! हर चीज बड़े रंग से चलती है, मौज से चलती है–बस कोकाकोला संग में हो, सब ठीक होता है। लोग कर रहे हैं इस तरह के अभ्यास। **(क्रमशः)**

नए-नए लोगों से मिलें, लेकिन अपना लक्ष्य भी हमेशा ध्यान रखें तभी मिल सकती है सफलता

रामायण में सीता जी हरण के बाद श्रीराम और लक्ष्मण देवी की खोज करते हुए शबरी के आश्रम पहुंच गए थे।

बहुत कोशिशों के बाद भी श्रीराम और लक्ष्मण को सीता के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल रही थी। जब दोनों भाई शबरी के आश्रम पहुंचे तो शबरी वह बहुत प्रसन्न हो गईं।

शबरी श्रीराम की परम भक्त थीं। शबरी के गुरु ने कहा था कि एक दिन राम तुम्हारे पास आएंगे। इसके बाद से शबरी आश्रम में रहकर ही श्रीराम की प्रतीक्षा कर रही थीं। शबरी ने श्रीराम और लक्ष्मण को देखा तो उन्हें आसन पर बैठाया। शबरी समझ गई थीं कि लगातार जंगल में चलते रहने से दोनों भाई थक गए हैं, इन्हें भूख भी लगी है। ऐसा सोचकर शबरी भोजन के लिए बेर ले आईं।

श्रीराम और लक्ष्मण के सामने शबरी ने बेर रखे और एक-एक बेर जूठे करके श्रीराम को खिलाने लगीं। श्रीराम भी प्रेम से शबरी के जूठे बेर खा रहे थे। दरअसल शबरी बेर जूठे करके चख रही थीं, शबरी की सोच ये थी कि कहीं कोई खट्टा बेर श्रीराम न खा लें। श्रीराम को मीठे बेरे देने के लिए शबरी एक-एक बेर चख रही थीं।

लक्ष्मण ये सब बड़े ध्यान से देख रहे थे। उन्होंने सोचा कि श्रीराम खुद भी तो जूठे बेर खा रहे हैं और मुझे भी खिला रहे हैं। हमें देवी सीता की खोज करनी है और भैया यहां बेर खा रहे हैं। हमारा समय व्यर्थ ही खर्च हो रहा है।

कुछ देर बाद श्रीराम ने शबरी से कहा कि आप जो चाहती थीं, वह मैंने किया, हमने आपके दिए हुए बेर खा लिए हैं। हम देवी सीता को खोज रहे हैं। आप वन में रहती हैं, कृपा करें अगर आप देवी सीता के बारे में कुछ जानती हैं तो हमें बताएं, हमें आगे जाने का रास्ता बताएं।

शबरी ने श्रीराम को आगे जाने का सही रास्ता बताया। इसी रास्ते पर चलकर श्रीराम और लक्ष्मण की भेंट हनुमान-सुग्रीव से हुई थी।

प्रसंग की सीख

हम भी कहीं यात्रा पर जाते हैं तो नए-नए लोगों से हमारी मुलाकात होती है। नए लोगों से मिलें, लेकिन अपने लक्ष्य का भी ध्यान रखें। अगर मुलाकात की वजह से लक्ष्य भूल गए तो सफलता नहीं मिल पाएगी, हम रास्ता भटक जाएंगे। यही बात हमारे काम पर लागू होती है। काम करते समय भी हमें अपने लक्ष्य पर ध्यान लगाए रहना चाहिए।

घर के बाथरूम रखें ये एक चीज, सदैव रहेगा सुख-समृद्धि का बसेरा

वास्तु शास्त्र वास्तु दोषों से छुटकारा पाने के लिए बहुत से उपाय बताता है, जिनको अपनाकर हम अपने जीवन को सफल व आसान बना सकते हैं। घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहे, हर व्यक्ति को इसकी चाह होती है। कई लोगों को तो ये सुख मिल जाता है लेकिन कई व्यक्तियों को इसको पाने के लिए काफी मेहनत व यत्न करने पड़ते हैं। वास्तु के अनुसार बता दें कि घर की हर एक दिशा में किसी न किसी तरह की ऊर्जा जरूर होती है। इनको ध्यान में रखते हुए ही वास्तु नियमों का पालन करना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि आप मसालों से एक भरा कटोरा बाथरूम में रखते हैं तो आपके घर में सदैव सुख-समृद्धि का वास होता है और इसी के साथ अगर घर में किसी तरह का वास्तु दोष है तो इससे भी छुटकारा मिलता है। सुनने में ये शायद कुछ अजीब लगे लेकिन वास्तु की दृष्टि से काफी शुभ माना जाता है। तो अब जानते हैं इसे कैसे और किस दिशा में रखना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर का बाथरूम जल तत्व से जुड़ा होता है। इस वजह से इसे हमेशा साफ़-सुथरा रखने की सलाह दी जाती है। अगर इस जगह पर कुछ मसाले रखे जाएं तो इनकी खुशबू से वातावरण शुद्ध और साफ़ हो जाता है। अब आप ये सोच रहे होंगे कि ऐसा करने से क्या होता है ? तो चलिए जानते हैं इसके फायदे।

बाथरूम में मसालों से भरा कटोरा रखने से क्या होता है ?

मान्यताओं के अनुसार कुछ खुशबूदार मसाले अपनी खुशबू से कीटाणुओं को खत्म करने का काम करते हैं। इसी के साथ इनकी खुशबू मन को सकारात्मक बनाने का भी काम करती हैं।

बाथरूम में कौन से मसाले रखने चाहिए ?

वास्तु के मुताबिक एक कांच के बाउल में लौंग, दालचीनी और इलायची जैसे सुगंधित मसाले रखने चाहिए। ऐसा करने से चल रहे तनाव से भी मुक्ति मिलती है।

राशि के अनुसार मसाले

राशि के अनुसार यदि इनका उपयोग किया जाए तो इसके फ़ायदे पहले से भी ज्यादा बढ़ जाते हैं। मेष और सिंह राशि के जातकों को दालचीनी जैसे मसाले रखने चाहिए।

वृषभ या मकर जैसे जातकों को खुशबूदार मसाले रखने की सलाह की जाती है।

कलियुग के चमत्कारी देवः विष्णुअवतारी बाबा गंगाराम

विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम और उनके राजस्थान (झुंझुनूं) स्थित पावन धाम श्री पंचदेव मंदिर के प्रति भक्तों की श्रद्धा प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। देश के कोने- कोने से भक्तगण बाबा के दरबार में आते हैं और अपनी श्रद्धा और भक्ति से बाबा की आराधना करते हैं। यह भक्तों की श्रद्धा और विश्वास का ही फल है कि उनकी सभी समस्त मनोकामनायें बाबा के दरबार में अवश्य पूरी होती हैं। प्रथम तो बाबा की चित्ताकर्षक प्रतिमा के दर्शन से ही भक्तों के सारे आन्तरिक क्लेश दूर हो जाते हैं एवं जो दिव्यानुभूति होती हैं , उससे जीवन में नई शक्ति का संचार होता हैं, यह सब अनुभव करके ही जाना जा सकता है।

सीकर-लोहारू राजमार्ग पर अवस्थित झुंझुनूं नगर में प्रवेश करते ही बाबा का धाम दृष्टिगोचर होने लगता है। यहाँ बाबा गंगाराम, भगवान शिव, पवनपुत्र हनुमान, माँ दुर्गा, माँ लक्ष्मी सहित कुल पांच मंदिर है। इसीलिए इस मंदिर का नाम 'श्री पंचदेव मंदिर' पड़ा। इस विशाल मंदिर का कलात्मक शिल्प, मनोहारी दृश्य एवं आध्यात्मिक वातावरण ब्रह्मानंद की अनुभूति कराता है। श्री पंचदेव मंदिर का निर्माण बाबा के स्वप्नादेश के बाद उनके परम

आराधक श्री देवकीनंदन ने गंगादशहरा सन 1975 में झुंझुनूं में करवाया। मंदिर के कण-कण में भक्त शिरोमणि देवकीनंदन के त्याग-तपस्या व बलिदान की गूँज सुनाई देती है।

बाबा गंगाराम प्राकट्य व लीलायें :-

झुंझुनूं-राजस्थान में अग्रवंशीय वैश्यकुल में पिता झूथारामजी व माता लक्ष्मी देवी के यहाँ श्रावण शुक्ल दशमी सन 1895 को श्री विष्णु अंश से बाबा ने अवतार ग्रहण किया। कुलपुरोहित ने बाबा के अलौकिक जन्म-नक्षत्रों को देखकर बताया कि यह अवतारी बालक 'गंगा' के समान पाप विनाशक एवं 'राम' के समान पतित पावन होगा, अतएव इसका नाम ''गंगाराम' होगा। शुभाशुभ लक्षणों से उनके दिव्य गुणों का आभास परिजनों को बाल्यकाल से ही मिलने लगा था। युवावस्था तक बाबा के उद्गारों एवं विलक्षण शक्तियों की चर्चा आम हो चली थी, परन्तु गृहस्थी लोकाचार एवं मायामोह उन्हें बांध न पाया। वे उत्तरप्रदेश के बाराबंकी जनपद के सफदरगंज नामक स्थान में कल्याणी नदी के तट पर पधारे और इसे अपनी कर्मभूमि बनाया। इसी कल्याणी नदी के जल में बाबा ने अपने विष्णु रूप का दर्शन भक्तों को कराया। पहले कल्याणी नदी में सिर्फ वर्षा ऋतु में ही जल प्रवाहित होता था, परन्तु बाबा के वहां पधारने के बाद से ही वह बारहमासी नदी के रुप में प्रवाहित होने लगी। उनके अद्भूत- अद्भुत चमत्कारों का वर्णन करना संभव नहीं है। जब तक जनसाधारण उन्हें पहचान पाते, बाबा मात्र 42 वर्ष की अल्पायु में ही स्वधाम प्रयाण कर गए।

मंदिर निर्माण का स्वप्नादेश :-

बाबा ने अपने विष्णुलोक गमन के करीब 30 वर्ष पश्चात अपने परमप्रिय भक्त देवकीनंदन को स्वप्न में अलौकिक दर्शन के द्वारा श्री पंचदेव मंदिर की स्थापना का आदेश दिया और उन्होंने अपनी भक्तिमती धर्मपत्नी गायत्रीदेवी के साथ गंगादशहरा सन 1975 में झुंझुनूं नगर में भव्य एवं विशाल पंचदेव मंदिर की स्थापना कराई। लाखों भक्तों की आस्था का

प्रतीक श्री पंचदेव मंदिर मानव मात्र के कल्याण का केंद्र बिंदु बन गया।

त्याग, तपस्या और भक्ति का इतिहासः

भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन एवं शक्ति स्वरूपा देवी गायत्री बाबा की लीलाओं के प्रबल वाहक थे। उन्होंने बाबा की भक्ति में तन-मन-धन न्योछावर करते हुये भक्ति का जो इतिहास लिखा, वो अभूतपूर्व है। झुंझुनूं में पंचदेव मंदिर की स्थापना के पश्चात उन्हें सांसारिक मोह माया से विरक्ति हो गई। उन्होनें अपनी करोड़ों की सम्पदा, चल-अचल संपत्ति का तिनके की भांति त्याग कर दिया और अपने दो पुत्र और चार पुत्रियों सहित मंदिर परिसर को ही अपना संसार समझकर बाबा की सेवा में समर्पित हो गए। राजा हरिश्चंद्र की भांति उनका ये त्याग, आज के भौतिक युग में स्वयं एक उदाहरण बन गया। बाबा की भक्ति करते-करते अंततः 21 अप्रैल 1992, वैशाख कृष्ण चतुर्थी को संसार को सत्य, त्याग एवं भक्ति का मार्ग दिखाने वाले भक्त शिरोमणि देवकीनंदन ने बाबा गंगाराम का नाम लेते- लेते अपने नश्वर शरीर को त्याग दिया।

चिता पर अलौकिक चमत्कार :-

जब उनके पार्थिव शरीर को पंचतत्व में विलीन किया जा रहा था, तब उनकी भक्तिमती धर्मपत्नी देवी गायत्री की करुण पुकार पर जलती हुई चिता से उनका दाहिना हाथ उपर उठकर आशीर्वाद देता हुआ लहराने लगा। मस्तक से जल की धारा बहने लगी और चेहरा बालरुप में परिणित हो गया। परमाराध्य बाबा गंगाराम की कृपा से सब कुछ संभव है। आज के इस घोर कलियुग में इससे बड़ा अलौकिक चमत्कार और क्या हो सकता है। चिता पर हुए चमत्कारों के चित्र आज भी वहां उपलब्ध है। जैसे राम के परमभक्त होने का गौरव भक्त हनुमान को मिला, वही स्थान बाबा गंगाराम के चरणों में भक्त देवकीनंदन को प्राप्त हुआ।

शक्ति स्वरूपा माता गायत्री देवी :-

शक्ति स्वरूपा माता गायत्री देवी आध्यात्मिक शक्तियों से परिपूर्ण परम तपस्विनी थी। भक्त शिरोमणि देवकीनंदन के महाप्रयाण के पश्चात मंदिर परिसर में अनवरत साधना में लीन रहते हुए उन्होंने लाखों भक्तो को उचित मार्गदर्शन व आशीर्वचन देकर उनका जीवन बदल दिया। वे करुणा, प्रेम, दया, परोपकार की साकार प्रतिमा एवं परम विदुषी थी। सीता अनुसुईया और सावित्री की भांति वे सत्य और त्याग की प्रतिमूर्ति थी। वे सदा भक्ति के चैतन्य लोक में रहती थी और प्रत्येक के हृदय की बात जानती थी। उनके मुख से जो भी निकला वो भक्तो के लिए मंत्रतुल्य हो गया। तत्पश्चात देवी गायत्री ने भी अपनी भक्ति और तप से बाबा गंगाराम की महिमा को सारे संसार में प्रकाशित करते हुए सन 2017 में महाप्रयाण किया। **(क्रमशः)**

मां बनने वाली हैं दीपिका पादुकोण बधाई देने वालों में सबसे आगे रहीं कृति

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर कपल ने फैंस को खुशखबरी दी है। सितंबर 2024 में दीपिका की डिलीवरी होगी। इस खबर के सामने आने के बाद हर कोई कपल को बधाई दे रहा है। फैंस से लेकर सेलेब्स तक हर कोई दीपिका के पोस्ट कर कमेंट कर उन्हें बधाई दे रहा है।

कृति सेनन ने दी सबसे पहले बधाई

दीपिका पादुकोण की मां बनने की खबर पिछले काफी वक्त से सुर्खियों में थी। आज अभिनेत्री ने पोस्ट साझा कर इन खबरों पर मुहर लगा दी है। इस खुशखबरी के सामने आने के बाद कपल को ढेरों बधाईयां मिल रही हैं। बधाई देने वालों में सबसे आगे अभिनेत्री कृति सेनन रहीं। दीपिका के पोस्ट पर कृति ने कमेंट कर लिखा, 'ओएमजी, आप दोनों को बधाई।' साथ में गले लगने वाला और दिल का इमोजी साझा किया।

सितंबर में दीपिका-रणवीर के घर गूंजेगी किलकारी

दीपिका पादिकोण ने पोस्ट साझा कर हाथ जोड़ने वाला और ईविल आई इमोजी लगाई है। गौरतलब है कि हाल ही में बाफ्टा अवॉर्ड्स 2024 में दीपिका के साड़ी लुक में फैंस उनका बेबी बंप दिखने की बात कह रहे थे। तभी से दीपिका की प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा चल रही थी। अब इन कयासों को दीपिका ने सच करार दिया है। सात महीने बाद सितंबर में दीपिका और रणवीर के घर किलकारी गूंजेगी।

2018 में रचाई थी शादी

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने नवबंर 2018 में शादी के बंधन में बंधे थे। रणवीर और दीपिका ने दो रीति-रिवाजों के साथ इटली के लेक कोमो में शादी रचाई थी। शादी के छह साल बाद कपल माता-पिता बनने वाले हैं। दीपिका और रणवीर बी-टाउन की मशहूर जोड़ियों में से एक हैं। इस जोड़ी को 'दीपवीर' के नाम से जाना जाता है।

'हीरामंडी' को अपना सबसे बड़ा प्रोजेक्ट मानते हैं संजय लीला भंसाली

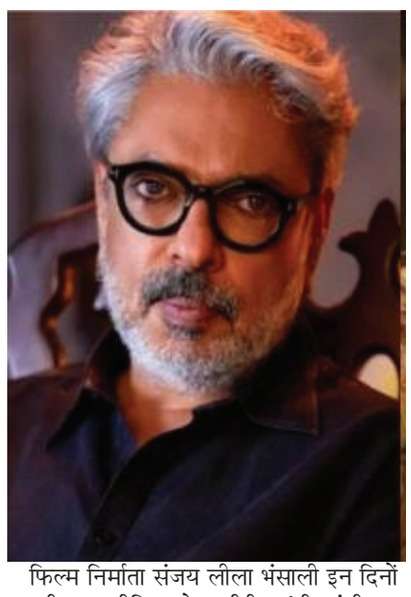

फिल्म निर्माता संजय लीला भंसाली इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। अब हाल ही में उन्होंने अपने निर्देशन में बनने वाली इस वेब सीरीज के बारे में बात की और इसे अपना सबसे बड़ा प्रोजेक्ट बताया। उन्होंने फिल्मों की दुनिया में रहते हुए ओटीटी पर कदम जमाने की भी बात की।

उन्होंने 'हीरामंडी' के बारे में बात करते हुए कहा कि मैंने बड़ी फिल्में बनाई हैं। मुझे बड़ी फिल्में बनाने में मजा आता है और यह मेरे अंदर स्वाभाविक है, लेकिन डिजिटल में बदलाव के दौरान मैंने इसे एक कदम ऊपर ले लिया है। 'हीरामंडी' मेरी सबसे बड़ी परियोजना है। मैं इसे वास्तव में खास बनाना चाहता था और मैंने इससे खुद को आश्चर्यचकित कर लिया है।

संजय लीला भंसाली ने आगे कहा कि यह सिर्फ एक सीरीज नहीं है, बल्कि यह एक दुनिया है और मैं दुनिया भर के दर्शकों के लिए नेटफ्लिक्स पर 'हीरामंडी' के दुनिया में ले जाने के लिए तैयार हूं। मैंने इसके लिए उत्सुक हूं। फिल्म निर्माता ने इससे पहले सीरीज के बारे में बात करते हुए कहा था कि यह लाहौर की वेश्याओं पर आधारित एक महाकाव्य पहली सीरीज है। यह एक महत्वाकांक्षी, भव्य और सर्वव्यापी सीरीज है, इसलिए मैं इसे बनाने को लेकर घबराया हुआ हूं, लेकिन उत्साहित भी हूं।

भंसाली प्रोडक्शंस की सीरीज 'हीरामंडी' में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल, ऋचा चड्ढा और संजीदा शेख सहित कई कलाकार शामिल हैं। इससे पहले सीरीज का फर्स्ट लुक जारी किया गया था, जिसमें भव्यता की झलक देखने को मिली थी। सीरीज की घोषणा 2023 में की गई थी। 'हीरामंडी' 2024 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

इससे पहले संजय लीला भंसाली ने अपने ओटीटी डेब्यू के बारे में बात की थी और कहा था, 'मैं बड़ी फिल्में बनाता हूं और यह मेरे लिए स्वाभाविक है, लेकिन जब मैं ओटीटी में आया तो मैंने कुछ बड़ा किया। यह अब तक का मेरा सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है, इसलिए मैंने यह किया।डिजिटल माध्यम को अपनाने की जरूरत नहीं है, यह ऐसा लगेगा कि जैसे हम फिल्म देख रहे हैं।'

बिग बॉस 9' में कुछ ऐसी दिखती थीं नोरा फतेही, वायरल वीडियो देख चकराया फैंस का दिमाग

'एमटीवी रोडीज' से लेकर 'बिग बॉस' तक हर रियलिटी शो के विजेता रहे प्रिंस नरूला आज टीवी का जाना माना नाम हैं। सलमान के शो 'बिग बॉस 9' में नोरा फतेही, प्रिंस नरूला और उनकी पत्नी युविका चौधरी घर के सदस्य थे। शो के बाहर आने के कुछ समय बाद ही प्रिंस ने युविका से शादी कर ली थी। 'बिग बॉस' के घर में प्रिंस, नोरा पर अक्सर प्यार लुटाते नजर आते थे। वहीं, अब शो से दोनों का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें प्रिंस और नोरा को कोजी होते देख फैंस हैरान हैं। साथ ही नोरा के चेहरा देखकर नेटिजन्स का दिमाग चकरा गया है, और लोगों ने अभिनेत्री को ट्रोल करना शुरू कर दिया है।

नोरा और प्रिंस का वायरल हुआ वीडियो

'बिग बॉस 9' में प्रिंस नरूला सबसे चर्चित प्रतियोगी थे। घर में रहने के दौरान, प्रिंस का नाम कई हसिनाओं के साथ जुड़ा, यहां तक कि नोरा फतेही के साथ भी उनका अफेयर था। हालांकि, दोनों का रिश्ता शो के बाहर आने के बाद ही खत्म हो गया था। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में नोरा को प्रिंस की गोद में बैठे देखा जा सकता है, क्योंकि प्रिंस उनसे बातें करते नजर आ रहे हैं और किस भी करते दिख रहे हैं।

नोरा के साथ रोमांटिक अंदाज में दिखे प्रिंस

प्रिंस और नोरा का यह वीडियो एक टास्क के दौरान का बताया जा रहा है। वीडियो में प्रिंस और नोरा कीचड़ में लथपथ नजर आ रहे हैं। बिग बॉस विजेता ऑरेंज कलर की टी-शर्ट पहने हुए हैं, जबकि नोरा ने काले रंग की टी-शर्ट पहनी हुई हैं। वायरल वीडियो में दोनों बेहद कोजी दिख रहे हैं। इनके इस वायरल वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर जमकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने कहा, 'नोरा पहले कितनी अलग दिखती थीं'। वहीं, दूसरे यूजर ने कहा, 'प्लास्टिक सर्जरी से पहले की असली नोरा'।

यूजर ने दी प्रतिक्रिया

बता दें कि, प्रिंस के 'बिग बॉस' के घर से बाहर निकलने के तुरंत बाद, ऐसी खबरें थीं कि नोरा के साथ उनका रिश्ता जारी रहेगा, लेकिन दोनों ने कुछ ही समय में रिश्ता खत्म कर लिया। फिर प्रिंस ने युविका के साथ अपने रिश्ते की पुष्टि की और कुछ साल एक दूसरे को डेट करने के बाद वर्ष 2018 में दोनों ने शादी कर ली। दोनों अब खुशहाल शादीशुदा जिंदगी बिता रहे हैं।

वर्षों बाद एक साथ नजर आएंगे दीया मिर्जा और सुनील शेट्टी, धर्मा प्रोडक्शन की इस फिल्म से होगी वापसी

साल 2024 में बॉलीवुड को एक और नया सितारा मिलने वाला है। अभिनेता सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान जल्द ही बड़े पर्दे पर रोमांस करते नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ खुशी कपूर बतौर अभिनेत्री काम करने जा रही हैं। दर्शकों में अभी से ही इब्राहिम और खुशी की इस फिल्म के लिए काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अब इस फिल्म में खुशी और इब्राहिम के अलावा बॉलीवुड के दो और मशहूर सितारे भी नजर आने वाले हैं।

सुनील शेट्टी और दीया मिर्जा दिखेंगे एक साथ

करण जौहर स्टारकिड्स के साथ फिल्में बनाने के लिए मशहूर हैं। साल 2024 में वे इब्राहिम अली खान को लांच करने जा रहे हैं। अभी से ही इब्राहिम की इस फिल्म ने बज क्रीएट करना शुरू कर दिया है। सूत्रों की मानें तो इब्राहिम अली की इस फिल्म में उनके साथ दिग्गज अभिनेता सुनील शेट्टी और दीया मिर्जा भी नजर आने वाले हैं। काफी सालों बाद सुनील और दीया एक साथ पर्दे पर दिखाई देंगे। इस खबर ने दर्शकों के उत्साह को दोगुना कर दिया है। अभी तक धर्मा प्रोडक्शंस की तरफ से इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर की इस आगामी फिल्म के नाम की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म होगी। इस फिल्म में इब्राहिम खुशी के साथ रोमांस करते नजर आने वाले हैं। वहीं, सूत्रों की मानें तो धर्मा प्रोडक्शंस की इस फिल्म का नाम 'नादानियां' है। शाउना गौतम के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को लेकर करण जौहर काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल से इस फिल्म के मुहूर्त शॉट को भी साझा किया था। शाउना इससे पहले 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में भी सहायक निर्देशन का काम कर चुकी हैं। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो खुशी और इब्राहिम की इस फिल्म को सीधे ओटीटी पर रिलीज किया जाएगा।

अक्षय की फिटनेस की फैन हैं नेहा, बोलीं- वे सिर्फ अपने लिए नहीं बल्कि सबकी सेहत के लिए सोचते हैं

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया इन दिनों अपने शो 'नो फिल्टर नेहा' की वजह से सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस शो में वे अपने गेस्ट से कई दिलचस्प सवाल करती नजर आती हैं। पिछले दिनों अपने शो के प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री अपने फिल्मी करियर के उतार-चढ़ाव के अलावा अभिनेता अक्षय कुमार के साथ अपनी दोस्ती के बारे में भी कई दिलचस्प खुलासे किए।

फिटनसे के लिए मोटिवेट करते हैं अक्षय

नेहा धूपिया और अक्षय कुमार ने एक साथ कई फिल्में की हैं। फिल्म 'सिंह इज किंग' उन्हीं में से एक है। हाल ही में, नेहा ने अक्षय के साथ अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, 'देखिए अक्षय फिटनेस को लेकर कितने जागरूक हैं यह सबको पता है, लेकिन मैं जो आपको बताने जा रही हूं शायद वह बात सबको नहीं पता होगी। अक्षय सिर्फ खुद के लिए ही नहीं फिटनेस फ्रीक हैं बल्कि वे अपने आस-पास के लोगों को भी मोटिवेट करते हैं कि वे भी अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक बनें।'

70 मंजिल चढ़ते थे साथ में

फिल्म 'सिंह इज किंग' की शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में हुई थी। नेहा उन दिनों को याद करते हुए कहती हैं, 'हम फिल्म की शूटिंग के लिए जिस इमारत में ठहरे थे, वह इमारत 70 मंजिल की थी। आप शायद यकीन नहीं करेंगे लेकिन अक्षय ने हमें उस 70 मंजिला इमारत की सीढ़ियों को चढ़ने और उतरने को कहते थे। हम साथ में इसे वर्क-आउट के जैसे करते थे। यह एक रोमांचक अनुभव था।'

करीना हैं बेहतर होस्ट

जब नेहा धूपिया से पूछा गया कि वे किसे बेहतर होस्ट मानती हैं अपने शो 'नो फिल्टर नेहा' के लिए। तब अभिनेत्री ने जवाब दिया, 'मुझे लगता है कि करीना कपूर मेरे शो के लिए एक शानदार होस्ट हो सकती हैं। वे किसी से भी कोई भी सवाल बड़ी बेबाकी से पूछ सकती हैं। उनमें यह काबिलियत है।'

अदा शर्मा ने अपने बयान से पलटी मारी

बोलीं, 'इंदिरा ही नहीं 'बस्तर' के सारे कलाकार हीरो

फिल्म 'द केरल स्टोरी' के बाद इन दिनों अभिनेत्री अदा शर्मा अपनी आगामी फिल्म 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' को लेकर खूब सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वह छत्तीसगढ़ में तैनात पुलिस महानिरीक्षक की भूमिका निभा रही है। अदा शर्मा कहती हैं कि पहले मैं 'द केरल स्टोरी' को अपने करियर की सबसे कठिन फिल्म मानती थी लेकिन अब फिल्म 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' उससे भी कठिन फिल्म मालूम होती है। अदा शर्मा इस फिल्म के सभी कलाकारों और तकनीशियनों को फिल्म का हीरो मानती हैं।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की स्नातक इंदिरा तिवारी फिल्म 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' में

मुख्य भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में अदा ने अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट में इंदिरा को फिल्म 'बस्तर' की असल हीरोइन बताया और इसके लिए इंदिरा तिवारी ने खुलकर अदा शर्मा का न सिर्फ शुक्रिया जताया बल्कि, उनकी इस दरियादिली की तारीफ भी की। अदा शर्मा कहती हैं, 'फिल्म 'बस्तर' का हर किरदार हीरो है। फिर चाहे वह किसी एक सीन में ही क्यों न हो। ऐसा इसलिए क्योंकि फिल्म फिल्म में सबके किरदार बहुत ही मजबूत हैं। अगर इस कहानी में एक भी किरदार मजबूत नहीं होता तो यह फिल्म नहीं बनती।'

निर्माता विपुल अमृतलाल शाह और निर्देशक सुदीप्तो सेन की पिछली फिल्म 'द केरल स्टोरी' बीते साल की सबसे कामयाब फिल्मों में रही। अब ये जोड़ी अपनी नई फिल्म 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' लेकर तैयार है। फिल्म का ट्रेलर जल्द ही रिलीज होने वाला है। अदा मानती हैं कि इंदिरा तिवारी की तरह वह भी इंडस्ट्री के बाहर की अभिनेत्री हैं। अदा शर्मा कहती हैं, 'मैं इंडस्ट्री के बाहर की लड़की हूं। बाहर से जो भी लड़कियां इंडस्ट्री में आती है, उनके प्रति मेरी बहुत इज्जत है क्योंकि इंडस्ट्री में नाम बनाना बहुत ही मुश्किल है।'

अदा शर्मा इसी सिलसिले में फिल्म 'द केरल स्टोरी' में अपने किरदार के पति का रोल निभाने वाले अभिनेता विजय कृष्ण का भी जिक्र करना नहीं भूलतीं। विजय फिल्म 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' में विलेन की भूमिका निभा रहे हैं। अदा शर्मा कहती हैं, 'फिल्म में उनका बहुत ही महत्वपूर्ण किरदार है। निर्माता विपुल शाह और सुदीप्तो सेन चाहते तो इस किरदार के लिए किसी भी बड़े कलाकार को फिल्म में ले सकते थे, लेकिन उन्होंने अपने पिछले रिश्तों को ध्यान में रखते हुए ही इस फिल्म में विजय कृष्ण को मौका दिया।'

अभिनेत्री अदा शर्मा कहती हैं, 'फिल्म 'बस्तर' में मेरे लिए इंदिरा हीरोइन है। और, इसके दूसरे कलाकार भी मेरे लिए फिल्म के हीरो और हीरोइन ही हैं। सिर्फ इसी फिल्म में नहीं बल्कि 'द केरल स्टोरी' में मेरे साथ जिसने भी काम किया, वे सब मेरे लिए हीरो और हीरोइन हैं। निर्माता निर्देशक फिल्म में उसे कैसे पेश करते हैं, मुझे नहीं पता। अभी मेरी सीरीज 'सनफ्लावर सीजन 2' आने वाली है। इस सीरीज में मेरे लिए आशीष विद्यार्थी भी उतने ही हीरो हैं, जितने रणवीर शौरी हैं।'

खानजादी ने मांगी भाईजान से माफी, बोलीं- आप भी खान और मैं भी खान कम से कम इसी के लिए माफ कर दें

सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' को खत्म हुए महीना गुजर गया है, लेकिन इस शो से जुड़े विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। अक्सर 'बिग बॉस' के फिनाले के बाद सलमान खान अपने पसंदीदा प्रतियोगियों को अपनी पार्टी में बुलाते हैं या फिर अपनी आगामी फिल्मों में रोल भी देते नजर आते हैं। वहीं, वे जिससे नाराज हो जाते हैं उसके लिए बॉलीवुड में सफर आसान नहीं रहता है। हाल ही में, 'बिग बॉस 17' की एक प्रतियोगी को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने सलमान से माफी मांगी है। आइए जानते हैं कि कौन हैं ये प्रतियोगी और क्या कहा उन्होंने सलमान के बारे में-

'खानजादी' को हुआ अपनी गलती का एहसास

'बिग बॉस 17' टीआरपी के मामले में काफी हिट रहा है। इस शो में आए सभी प्रतियोगियों ने शो में खूब धमाल मचाया था। फिरोजा उर्फ 'खानजादी' भी उन्हीं में से एक थीं, लेकिन उन्होंने शो के दौरान सलमान खान से ही पंगा ले लिया था। वे शो में कई बार सलमान से बहस करती नजर आती थीं। अब घर से बाहर आने के बाद उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ है और वे सलमान खान से माफी मांगती नजर आई हैं।

आप भी खान मैं भी खान

'बिग बॉस 17' से बाहर आने के बाद रैपर फिरोजा खान उर्फ 'खानजादी' ने सलमान खान पर कई आरोप लगाए थे। इतना ही नहीं वे यूट्यूबर अनुराग के साथ एक वीडियो में भी नजर आई थीं, लेकिन उन्हें कुछ खास सफलता नहीं मिली। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उन्होंने सलमान से माफी मांगते हुए कहा है, 'मुझ में अभी बहुत बचपना है। मुझसे गलती हो गई मुझे माफ कर दीजिए। आप भी खान हैं और मैं भी खान हूं, कम से कम इस बात के लिए ही माफ कर दीजिए।'

सलमान खान नहीं हैं बायस्ड

फिरोजा खान उर्फ 'खानजादी' अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, 'सलमान खान बिल्कुल भी बायस्ड नहीं हैं। वे काफी ईमानदार हैं। मैं उनसे मिलना चाहती हूं और उनके साथ काम करना चाहती हूं। उनका दिल बहुत बड़ा है वे जरूर मुझे माफ कर देंगे।'

विलेन की भूमिका के लिए उत्साहित हैं अर्जुन

कहा- नेगेटिव रोल से पाना चाहता हूं दर्शकों का प्यार

रोहित शेट्टी की अपकमिंग फिल्म 'सिंघम अगेन' लगातार चर्चा में बनी हुई है। सुपरहिट फिल्म 'सिंघम' की फ्रेंचाइजी के अलावा इसके साथ खतरनाक एक्शन सीक्वेंस भी इस फिल्म की विशेषता में शुमार है, लेकिन हाल के दिनों में इस फिल्म को लेकर जिस चीज ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी वह इस फिल्म की स्टार कास्ट ने। 'सिंघम अगेन' में फिल्म इंडस्ट्री के कई टॉप स्टार्स मुख्य भूमिका में हैं, वहीं हाल ही में फिल्म के मुख्य विलेन की भूमिका के लिए अभिनेता अर्जुन कपूर के नाम से पर्दा उठा, जिसे अर्जुन ने अपने लिए एक सुनहरा मौका बताया।

हाल ही में एक साक्षात्कार में अर्जुन ने कहा, 'सिंघम अगेन में विलेन की भूमिका निभाने के लिए रोमांचित हूं, इस फिल्म के जरिए मुझे स्क्रीन पर एक नया प्रयोग करने और एक अभिनेता के रूप में खुद को चुनौती देने का बड़ा मौका मिला है। हालांकि, अर्जुन इससे पहले भी कुछ फिल्मों में नेगेटिव किरदार निभा चुके हैं'।

अर्जुन ने कहा, 'मैंने इशकजादे और औरंगजेब जैसी फिल्मों में नेगेटिव किरदार ही इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत की थी। इतने सालों के बाद एक बार फिर मैं ऐसा करने जा रहा हूं। हालांकि, आदित्य चोपड़ा ने ऐसे किरदार निभाने की क्षमता मुझमें बहुत पहले देखी थी। अब फिर से एक बार मुझे ऐसा किरदार निभाने का मौका देने के लिए मैं रोहित शेट्टी का आभार

व्यक्त करता हूं। रोहित शेट्टी ने मुझमें विश्वास जगाया कि मैं उनकी फिल्म कॉप यूनिवर्स फिल्म में एक विलेन का किरदार निभा सकता हूं।

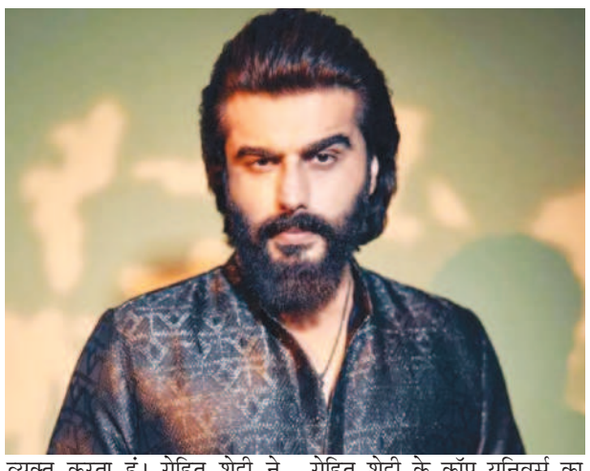

फिल्म की शूटिंग को लेकर अर्जुन ने कहा, 'मैं हमेशा से खुद के साथ स्क्रीन पर नया प्रयोग करना चाहता था, ताकि दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिल सके। ऐसे में सिंघम अगेन में पुलिस के कट्टर दुश्मन की भूमिका निभाना मेरे लिए बेहद ही रोमांचक अवसर है। जब मैं सेट पर होता हूं तो ऐसा लगता है जैसे मेरे करियर का चक्र पूरा हो गया है। मैं अपने करियर की शुरुआत में नेगेटिव रोल से की थी, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला अब सिंघम अगने से भी वैसा ही प्यार पाना और पाना चाहता हूं'।

गौरतलब है कि 'सिंघम अगेन साल 2011 में आई अजय देवगन की सुपरहिट फिल्म सिंघम का तीसरा भाग है। वहीं, यह फिल्म रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का पांचवा पार्ट है। सिंघम के बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित होने के बाद। साल 2014 में रोहित शेट्टी ने 'सिंघम रिटर्न्स' और अब 10 साल बाद इस फ्रेंचाइजी का तीसरा भाग बन रहा है। फिल्म में अजय देवगन और अर्जुन कपूर के अलावा करीना कपूर खान, दीपिका पादुकोण, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह और टाइगर श्रॉफ भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।विलेन की भूमिका के लिए उत्साहित हैं अर्जुन, कहा- नेगेटिव रोल से पाना चाहता हूं दर्शकों का प्यार

रोहित शेट्टी की अपकमिंग फिल्म 'सिंघम अगेन' लगातार चर्चा में बनी हुई है। सुपरहिट फिल्म 'सिंघम' की फ्रेंचाइजी के अलावा इसके साथ खतरनाक एक्शन सीक्वेंस भी इस फिल्म की विशेषता में शुमार है, लेकिन हाल के दिनों में इस फिल्म को लेकर जिस चीज ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी वह इस फिल्म की स्टार कास्ट ने। 'सिंघम अगेन' में फिल्म इंडस्ट्री के कई टॉप स्टार्स मुख्य भूमिका में हैं, वहीं हाल ही में फिल्म के मुख्य विलेन की भूमिका के लिए अभिनेता अर्जुन कपूर के नाम से पर्दा उठा, जिसे अर्जुन ने अपने लिए एक सुनहरा मौका बताया।

हाल ही में एक साक्षात्कार में अर्जुन ने कहा, 'सिंघम अगेन में विलेन की भूमिका निभाने के लिए रोमांचित हूं, इस फिल्म के जरिए मुझे स्क्रीन पर एक नया प्रयोग करने और एक अभिनेता के रूप में खुद को चुनौती देने का बड़ा मौका मिला है। हालांकि, अर्जुन इससे पहले भी कुछ फिल्मों में नेगेटिव किरदार निभा चुके हैं'।

गौरतलब है कि 'सिंघम अगेन साल 2011 में आई अजय देवगन की सुपरहिट फिल्म सिंघम का तीसरा भाग है। वहीं, यह फिल्म रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का पांचवा पार्ट है। सिंघम के बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित होने के बाद। साल 2014 में रोहित शेट्टी ने 'सिंघम रिटर्न्स' और अब 10 साल बाद इस फ्रेंचाइजी का तीसरा भाग बन रहा है।

फिल्म में अजय देवगन और अर्जुन कपूर के अलावा करीना कपूर खान, दीपिका पादुकोण, अक्षय कुमार, रणवीर सिंह और टाइगर श्रॉफ भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 15 अगस्त 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

समाज के काले पक्ष को दिखाएगी इलियाना की फिल्म

अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'तेरा क्या होगा लवली' का ट्रेलर आज यानि 27 फरवरी को जारी कर दिया गया। इस फिल्म में इलियाना के अलावा रणदीप हुडा भी अहम भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म के ट्रेलर को देखकर दर्शकों में अभी से ही इस फिल्म के लिए काफी उत्साह देखने को मिल रहा हैं। दर्शकों के उत्साह को दोगुणा करने के लिए मेकर्स ने ट्रेलर के साथ फिल्म की रिलीज डेट का भी खुलासा कर दिया है।

तेरा क्या होगा लवली' का ट्रेलर

फिल्म 'तेरा क्या होगा लवली' का ट्रेलर आज रिलीज हो चुका है। इस फिल्म के ट्रेलर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस फिल्म की कहानी 'लवली' के इर्द-गिर्द बुनी गई है। 'लवली' एक ऐसी लड़की है जिसका रंग साफ नहीं है और

उसके माता-पिता को उसकी शादी करनी है, लेकिन 'लवली' के सांवलेपन की वजह से उसे कोई दूल्हा नहीं मिल रहा है। फिल्म में 'लवली' के किरदार को इलियाना डिक्रूज निभाती नजर आ रही हैं।

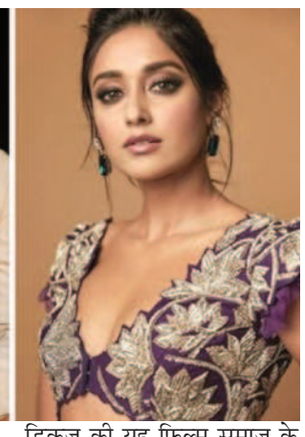

दहेज-प्रथा पर चोट करेगी इलियाना की फिल्म

रणदीप हुड्डा और इलियाना डिक्रूज की यह फिल्म समाज के काले सच को उजागर करेगी। इस फिल्म के ट्रेलर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि 'लवली' के सांवले रंग की वजह से उसके माता-पिता को कितनी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रेलर के एक दृश्य में लवली के पिता से दहेज देने को कहा जा रहा है। वहीं, 'लवली' को कई लड़केवाले रिजेक्ट करके जाते हुए दिखाई देते हैं। यह फिल्म समाज में फैले खूबसूरती के खोखले मानदंडों पर भी चोट करती नजर आएगी।

'तेरा क्या होगा लवली' की रिलीज डेट

अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से फिल्म 'तेरा क्या होगा लवली' के ट्रेलर को साझा किया है। उन्होंने ट्रेलर के कैप्शन में लिखा है, 'लवली की लाइफ में एक चीज हमेशा पक्की है, बैक-टू-बैक सियाप्पा।' सोशल मीडिया पर फिल्म का ट्रेलर काफी वायरल हो रहा है। वहीं, इस फिल्म की रिलीज डेट की बात करें तो इलियाना की यह फिल्म 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' यानि 8 मार्च 2024 पर रिलीज की जाएगी।

विक्की कौशल का स्टारडम पर बड़ा बयान, ऋतिक रोशन को बताया आखिरी लोकप्रिय व्यक्ति

विक्की कौशल अपनी आगामी फिल्म 'छावा' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में अभिनेता को छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में देखा जाएगा। छावा में विक्की के साथ साउथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना भी नजर आएंगी, जो येसूबाई भोसले का किरदार निभाएंगी। हाल ही में एक बातचीत के दौरान विक्की कौशल ने ऋतिक रोशन की प्रशंसा की। साथ ही उन्होंने कहा कि वे ही आखिरी व्यक्ति हैं, जो स्टारडम और लोकप्रियता से जुड़ सकते हैं।

ऋतिक रोशन को लेकर कही यह बात

विक्की कौशल ने स्टारडम पर बात करते हुए कहा, 'उनका मानना है कि ऋतिक रोशन वह आखिरी व्यक्ति हैं, जो स्टारडम से जुड़ सकते हैं।' अभिनेता ने अपने बारे में बात करते हुए कहा, 'मैंने इसे अभी हासिल नहीं किया है, लेकिन आज के समय को देखते हुए कठिन लगता है। जैसे कि हम हर हफ्ते एक स्टार को देखते हैं, जो ट्रेंड में रहता है, लेकिन कुछ सप्ताह बाद उन्हें कोई याद नहीं करता। अगर ऐसा होता रहा, तो मेरा मानना है कि नई पीढ़ी के स्टार्स लिए शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन जैसा लोकप्रियता पाना बेहद कठिन होगा।'

बदलेगा स्टारडम को देखने का नजरिया

अभिनेता ने कहा, 'मुझे लगता है कि आने वाले समय में क्लासिक स्टारडम एक अलग रूप से देखा जाएगा। जिस तरह की लोकप्रियता दिलीप कुमार, राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन ने देखी। वहीं, शाहरुख खान ने जो अनुभव किया है, उससे बहुत अलग है। आखिरी व्यक्ति जिसके बारे में मैंने ऐसा महसूस किया, वह ऋतिक रोशन थे। वे एक ऐसे अभिनेता है, जिन्हें देखकर दर्शक प्रभावित होते हैं।'

इमरान को मिली थी अभिनय भूल जाने की चेतावनी

अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज 'शोटाइम' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस सीरीज के जरिए निर्माता करण जौहर हिंदी सिनेमा के पर्दे के पीछे की कहानी का पर्दाफाश करने वाले है। 'शोटाइम' में इमरान के साथ मौनी रॉय, नसीरुद्दीन शाह मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में एक बातचीत के दौरान इमरान ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया और बताया कि उन्हें निर्माता ने फिल्म से बाहर निकालने की चेतावनी दी थी।

भट्ट परिवार से संबंध के बाद भी नहीं मिला सहयोग

इमरान हाशमी ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया। अभिनेता ने वर्ष 2003 में फिल्म 'फुटपाथ' से बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखा था। इस फिल्म का निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया था। इमरान ने खुलासा किया कि भट्ट परिवार से रिश्ता होने के बाद भी उन्हें कोई सहयोग नहीं मिला। अभिनेता ने बताया कि जब उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, तो महेश भट्ट ने उनसे कहा था, 'यदि आप पहले शॉट में और फिर उसके बाद के सीन में अच्छे से अभिनय नहीं कर पाए, तो हम आपको इस फिल्म से बाहर निकाल देंगे।'

शुरुआती दिनों में इमरान को मिली थी चेतावनी

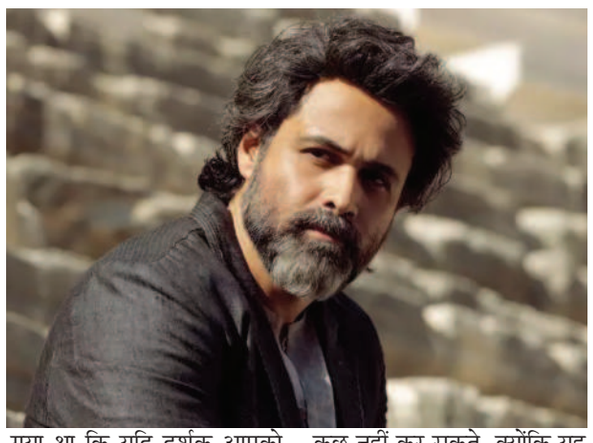

इमरान ने आगे बताया कि कैसे उन्हें अभिनय भूल जाने की चेतावनी देकर उनके अंदर डर पैदा किया गया था? अभिनेता ने महेश भट्ट का नाम लिए बिना कहा कि शुरुआत में उनसे कहा

गया था कि यदि दर्शक आपको एक अभिनेता के रूप में पसंद नहीं करते हैं, तो हम आप पर अपना पैसा नहीं लगा सकते। हम यहां दान करने के लिए नहीं बैठे हैं। बेसक हम एक ही परिवार का हिस्सा हैं, लेकिन फिर भी हम कुछ नहीं कर सकते, क्योंकि यह एक व्यवसाय है। उनसे आगे कहा गया कि आपको साबित करना होगा कि आप एक अच्छे अभिनेता हैं।

इमरान हाशमी का वर्कफ्रंट

इमरान हाशमी के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता वर्ष 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'टाइगर 3' में नजर आए थे। आगामी प्रोजेक्ट के बारे में बात करें, तो अभिनेता जल्द ही पवन कल्याण स्टारर 'ओजी' में नजर आएंगे। इस फिल्म से इमरान हाशमी तेलुगु इंडस्ट्री में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। यह फिल्म एक गैंगस्टर ड्रामा है, जिसका निर्देशन साहू द्वारा किया जाएगा।

फिल्म में इमरान हाशमी निगेटिव किरदार में दिखाई देने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इमरान हाशमी निर्माता फरहान अख्तर की आगामी फिल्म 'डॉन 3' में खलनायक की भूमिका निभाएंगे। बता दें कि, अभिनेता की आगामी वेब सीरीज 'शोटाइम' आठ मार्च को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

बॉलीवुड में जलवा बिखेरने को तैयार हैं प्रज्ञा जायसवाल

अक्षय के साथ आएंगी इस फिल्म में नजर

साउथ सुपर स्टार प्रज्ञा जायसवाल इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। प्रज्ञा तमिल और तेलुगु में कई फिल्में कर चुकी हैं। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो प्रज्ञा को एक बहुत बड़ी बॉलीवुड फिल्म के लिए साइन किया गया है। इस फिल्म से पहले वे सलमान खान की फिल्म 'अंतिम' में एक कैमियो करती नजर आई थीं। प्रज्ञा अपने इस नए प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित नजर आ रही हैं।

अक्षय कुमार के साथ आएंगी नजर

अक्षय कुमार अपनी आने वाली फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। उनकी यह फिल्म रिलीज के लिए तैयार है। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वे आगामी फिल्म 'खेल खेल में' की शूटिंग शुरू चुके हैं। इस फिल्म में उनके अलावा तापसी पन्नू भी नजर आने वाली हैं।

दर्शकों में अभी से ही अक्षय कुमार की इस फिल्म के लिए काफी उत्साह देखने को मिल रहा हैं। सूत्रों की मानें तो अक्षय की इस फिल्म में साउथ की मशहूर अभिनेत्री प्रज्ञा जायसवाल भी शामिल हो गई हैं। इस खबर ने प्रज्ञा के फैंस के उत्साह को काफी बढ़ा दिया है।

रोमांटिक कॉमेडी होगी फिल्म 'खेल खेल में'

अक्षय कुमार और प्रज्ञा जायसवाल स्टारर यह फिल्म मशहूर इटालियन फिल्म 'परफेटी स्कोनोसियुटी' की रीमेक है। सूत्रों की मानें तो यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म होगी। प्रज्ञा इन दिनों उदयपुर में फिल्म के बाकि कलाकारों के साथ शूटिंग में व्यस्त हैं। वहीं, इस फिल्म में काफी समय बाद अक्षय कुमार और फरदीन खान एक साथ नजर आने वाले हैं।

प्रज्ञा का वर्क फ्रंट

आने वाले दिनों में प्रज्ञा फिल्म 'खेल खेल में' अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए वे बॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाने की कोशिश करने वाली हैं।

वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वे टायसन नायडू की फिल्म 'अखंड' में भी दिखाई देंगी।

आमिर की 'दंगल और 'सीक्रेट सुपरस्टार' का हिस्सा बनते-बनते रह गई थीं अवनीत

अभिनेत्री अवनीत कौर की गिनती इंडस्ट्री की हॉट सेंसेशनल एक्ट्रेस में की जाती है। अवनीत अक्सर अपने लुक्स और ग्लैमरस अवतार से सुर्खियों में बनी रहती हैं। इसके अलावा अवनीत अपने अभिनय करियर में भी पूरी तरह सक्रिय हैं।

ढेर सारे म्यूजिक वीडियो के अलावा वे कई फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। बीते साल ही अवनीत ने बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ 'टीकू वेड्स शेरू' में मुख्य भूमिका निभाई थी, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि अवनीत आमिर खान की फिल्म 'दंगल' और 'सीक्रेट सुपरस्टार' की अभिनेत्री बनते-बनते रह गई थीं। इसका खुलासा अभिनेत्री ने अपने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में किया। दरअसल, मंगलवार मुंबई में फिल्म 'लापता लेडीज' की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई, जहां इंडस्ट्री के दिग्गज सितारों का जमावड़ा लगा। कार्यक्रम में अवनीत ने भी शिरकत की थी, जहां उन्होंने आमिर खान से मुलाकात की एक तस्वीर अपने सोशल मीडिया पर शेयर की। इस दौरान पोस्ट में उन्होंने एक किस्सा भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे वे आमिर की फिल्म दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार का हिस्सा नहीं बना पाई थीं।

इस पोस्ट में अवनीत ने लिखा, 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट और मेरे पसंदीदा अभिनेता आमिर खान सर से मेरी पहली मुलाकात हुई। लापता लेडीज की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान मैं उनसे पहली बार मिली। मैंने उनकी दो फिल्म 'दंगल' और 'सीक्रेट सुपरस्टार' के लिए ऑडिशन दिया था और वर्कशॉप भी किया था, लेकिन मैं इसमें सफल नहीं बन पाई। हालांकि, आमिर सर ने मुझसे कहा कि उन्हें मेरा ऑडिशन बहुत पसंद आया था। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

गौरतलब है कि अवनीत कौर ने अपने करियर की शुरुआत 'डांस इंडिया डांस' लिटिल मास्टर्स से की थी। वहीं, अपने अभिनय की शुरुआत अवनीत ने हुए 'मेरी मां' धारावाहिक से की थी। इसके बाद वे कई म्यूजिक वीडियो और फिल्मों में नजर आईं।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी, 75,021 करोड़ की लागत से एक करोड़ घरों पर लगेगा सोलर पैनल

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 75,021 करोड़ रुपये के खर्च के साथ एक करोड़ घरों में रूफटॉप सोलर लगाने के लिए पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 फरवरी, 2024 को इस योजना की शुरुआत की थी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट के इस फैसले की जानकारी दी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज पीएम मोदी के नेतृत्व में कैबिनेट की बैठक हुई। इसी बैठक के दौरान 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' को आज मंजूरी दी गई। इस योजना के तहत एक करोड़ परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। प्रत्येक घर को 1 किलोवाट प्रणाली के लिए 30,000 रुपये और 2 किलोवाट प्रणाली के लिए 60,000 रुपये की सब्सिडी मिल सकती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने खरीफ सीजन 2024 के लिए पीएंडके उर्वरकों के लिए पोषक तत्व आधारित सब्सिडी को मंजूरी दी।

तीन सेमीकंडक्टर इकाइयां स्थापित करने के प्रस्तावों को भी मंजूरी

केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल ने गुजरात और असम में 1.26 लाख करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ तीन सेमीकंडक्टर इकाइयां स्थापित करने के प्रस्तावों को भी गुरुवार को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा प्रस्तावों को मंजूरी देने के बाद दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सभी तीन इकाइयों का निर्माण अगले 100 दिनों के भीतर शुरू हो जाएगा। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्प , ताइवान के साथ साझेदारी में एक सेमीकंडक्टर फैब स्थापित करेगा। इस यूनिट का निर्माण गुजरात के धोलेरा में किया जाएगा। इस संयंत्र में 91,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट प्राइवेट लिमिटेड 27,000 करोड़ रुपये के निवेश पर असम के मोरीगांव में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करेगी। वैष्णव ने यह भी बताया कि सीजी पावर जापान के रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन और थाईलैंड के स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के साथ साझेदारी में गुजरात के साणंद में सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करेगी। साणंद इकाई में 7,600 करोड़ रुपये के निवेश का अनुमान है।

बाघों के संरक्षण के लिए आईबीसीएए के गठन को कैबिनेट की हरी झंडी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बाघों के संरक्षण के लिए एक वैश्विक नेटवर्क स्थापित करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) के गठन को भी गुरुवार को मंजूरी दे दी। भारत-मुख्यालय वाले इस गठबंधन की कल्पना 96 बिग कैट रेंज देशों और अन्य के बहु-देशीय, बहु-एजेंसी गठबंधन के रूप में की गई थी। इसकी परिकल्पना बाघों के संरक्षण के लिए एक साझा मंच स्थापित करने के लिए की गई थी। सात बाघों (बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, प्यूमा, जगुआर और चीता) में से पांच– बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ और चीता– भारत में पाए जाते हैं। मंत्रिमंडल ने 2023-24 से 2027-28 तक पांच वर्षों की अवधि के लिए आईबीसीए के लिए 150 करोड़ रुपये के एकमुश्त बजटीय समर्थन को मंजूरी दी है। बाघों, अन्य बड़ी बिल्लियों और इसकी कई लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण में भारत की अग्रणी भूमिका को स्वीकार करते हुए, पीएम नरेंद्र मोदी ने वैश्विक बाघ दिवस, 2019 पर अपने भाषण के दौरान एशिया में अवैध शिकार को रोकने के लिए वैश्विक नेताओं के गठबंधन का आह्वान किया था।

फरवरी का आखिरी ट्रेडिंग सेशन बढ़त पर क्लोज, 22 हजार के पास बंद निफ्टी

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। फरवरी का आखिरी ट्रेडिंग सेशन बढ़त पर बंद हुआ है और निफ्टी 22 हजार के पास क्लोज हुआ है।सेंसेक्स में करीब 200 अंकों की बढ़त पर ट्रेड क्लोज हुआ है।आईटी, मीडिया और हेल्थकेयर इंडेक्स को छोड़कर निफ्टी के बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स बढ़त के हरे निशान में बंद हुए हैं।

कैसी रही मार्केट क्लोजिंग

बीएसई का सेंसेक्स 195.42 अंक या 0.27 फीसदी की उछाल के साथ 72,500 पर बंद हुआ है।एनएसई का निफ्टी 31.65 अंक या 0.14 फीसदी की बढ़त के साथ 21,982 के लेवल पर क्लोज हुआ है।

बीएसई का मार्केट कैप कितना रहा

बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 388.15 लाख करोड़ रुपये हो गया है जो कि बुधवार के सेशन के बाद 385.75 लाख करोड़ रुपये पर था।

बीएसई के शेयरों की तस्वीर

बीएसई के 30 में से 22 शेयरों में उछाल के साथ कारोबार बंद हुआ है और 8 शेयरों में कमजोरी के साथ ट्रेड क्लोज हुआ है।सेंसेक्स का टॉप गेनर इंडसइंड बैंक है और 1.81 फीसदी चढ़ा।एमएंडएम में 1.73 फीसदी की मजबूती पर क्लोजिंग देखी गई है।एशियन पेंट्स 1.13 फीसदी और नेसले 1.12 फीसदी चढ़कर बंद हुए हैं।इनके अलावा पावरग्रिड और मारुति के शेयरों में उछाल देखा जा रहा है।

निफ्टी के शेयरों का हाल

निफ्टी के शेयरों में 50 में से 32 शेयरों में तेजी पर कारोबार बंद हुआ है और 18 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई है।

बैंक निफ्टी भी बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ है और इसके 12 में से 9 शेयर तेजी के दायरे में बंद हुए।केवल तीन शेयर ऐसे रहे जिनको लाल निशान में ही बंद होना पड़ा।

निफ्टी के कौन-कौन से सेक्टर रहे उछाल पर

पीएसयू बैंकों के शेयरों में सबसे ज्यादा 1.30 फीसदी की उछाल देखी गई और मेटल शेयर में 0.91 फीसदी की मजबूती रही।फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में 0.67 फीसदी की बढ़त बरकरार रही और इनके ही दम पर बाजार को सपोर्ट मिला।

बिटकॉइन में 2 साल की सबसे बड़ी तेजी नया रिकॉर्ड बनाने से चंद कदम दूर

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। सबसे प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन के भाव में पिछले कुछ दिनों से जबरदस्त तेजी देखी जा रही है. कल बुधवार को लगातार पांचवें दिन बिटकॉइन के भाव में तेजी दर्ज की गई. सिर्फ इस महीने इसके भाव में अब तक करीब 50 फीसदी की तेजी दर्ज की जा चुकी है. यह कई सालों में बिटकॉइन की सबसे शानदार रैली है.

अभी इतना है एक बिटकॉइन का भाव

बुधवार को बिटकॉइन में 4.1 फीसदी की तेजी आई और यह 59,053 डॉलर के स्तर पर बंद हुआ. मतलब एक बार फिर से बिटकॉइन का भाव 60 हजार डॉलर के स्तर के करीब जा पहुंचा है. भारतीय करेंसी में बिटकॉइन की एक यूनिट की मौजूदा कीमत 52.55 लाख रुपये के करीब चल रही है. शुक्रवार के शुरुआती कारोबार में इस क्रिप्टोकरेंसी के भाव में करीब डेढ़ फीसदी की तेजी देखी जा रही है.

दो साल बाद निकला 61 हजार के पार

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट बताती है कि बुधवार के कारोबार में लंदन बाजार में बिटकॉइन 61,360 डॉलर प्रति यूनिट के उच्च स्तर तक गया था. इस तरह देखें तो बिटकॉइन दो साल से ज्यादा समय के बाद पहली बार 60 हजार डॉलर प्रति यूनिट के

स्तर को न सिर्फ पार करने में सफल हुआ है, बल्कि नया रिकॉर्ड हाई लेवल बनाने के भी करीब पहुंच गया है. बिटकॉइन का ऑल टाइम हाई लेवल 68,991 डॉलर प्रति यूनिट का है, जो उसने नवंबर 2021 में हासिल किया था.

अक्टूबर 2021 के बाद सबसे तेज रैली

दरअसल बिटकॉइन को अमेरिका में ईटीएफ लॉन्च होने के बाद लगातार सपोर्ट मिल रहा है. अमेरिकी नियामक ने पिछले महीने ही पहले बिटकॉइन ईटीएफ की मंजूरी दी. उसके बाद सबसे प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी के भाव में लगातार तेजी आ रही है. सिर्फ फरवरी महीने के दौरान बिटकॉइन की कीमत में अब तक 48.68 फीसदी की तेजी आ चुकी है, जो अक्टूबर 2021 के बाद बिटकॉइन की सबसे शानदार रैली है.बिटकॉइन को हैलविंग इवेंट से भी मदद मिल रही है. चार साल में एक बार आने वाला यह इवेंट अप्रैल में है. इस इवेंट के बाद बिटकॉइन की नई यूनिट की सप्लाई कम हो जाती है.

चुनावों में पूर्ण जन-भागीदारी को सुनिश्चित करेंगे 48000 संगठनों से जुड़े नौ करोड़ कारोबारी

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों में पूर्ण जन-भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए इस बार कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) भी चुनाव आयोग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगा। कैट से जुड़े करीब 48000 व्यापारिक संगठन, जिनके साथ नौ करोड़ से अधिक छोटे-बड़े कारोबारी काम कर रहे हैं, वे लोकसभा चुनाव में अपने सक्रिय सहयोग के द्वारा वोटिंग प्रतिशत को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए व्यापारियों के सहयोग की पेशकश पर कैट ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को पत्र भेजा है। इसमें व्यापारी संगठनों के सक्रिय सहयोग द्वारा आगामी लोकसभा चुनावों में वोटिंग प्रतिशत को बढ़ाने में सहयोग देने की पेशकश की गई है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने बताया, दिल्ली में 3500 तो देश भर में लगभग 48 हजार से अधिक व्यापारी संगठन कार्य कर रहे हैं। ये संगठन, देश भर में लगभग 9 करोड़ से अधिक व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। देश के घरेलू व्यापार में लगभग 25 करोड़ लोग प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार पाते हैं। इस बड़े नेटवर्क की पहुंच देश के हर हिस्से तक है। यह व्यापारिक समुदाय, देश की सामाजिक-आर्थिक संरचना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी वजह से कैट ने चुनाव आयोग को, व्यापारियों के सहयोग का प्रस्ताव दिया है। दोनों व्यापारी नेताओं ने कहा, देश भर में व्यापारी समुदाय का एक व्यापक नेटवर्क और प्रभाव है। यह बात सभी लोग जानते हैं कि देश के 140 करोड़ लोगों की जरुरतों का प्रथम संपर्क व्यापारियों की दुकानें ही हैं। इस नाते से देश के 9 करोड़ से अधिक व्यापारियों का सीधा संपर्क देश के हर राज्य में प्रत्येक व्यक्ति से होता है। व्यापारियों और ग्राहकों के बीच अच्छे संबंध होने की वजह से उनके द्वारा प्रोत्साहित किए गए किसी भी अभियान का व्यापक असर होता है। इस बड़े नेटवर्क का लाभ उठाते हुए कैट ने चुनाव आयोग के सहयोग से जनता को जागरूक करने, सूचनात्मक सामग्री प्रसारित करने और उन्हें मतदान के अधिकार प्रयोग करने के लिए प्रेरित करने की मंशा जताई है।इसी कारण चुनाव आयोग को पत्र भेजा गया है। भरतिया एवं खंडेलवाल ने कहा, चुनाव आयोग के साथ हाथ मिलाकर कैट, व्यापारियों और विभिन्न समुदायों के बीच नागरिक जिम्मेदारी एवं भागीदारी की संस्कृति को विकसित कर सकता है। कैट के माध्यम से आगामी लोकसभा चुनावों में अधिक से अधिक जन-भागीदारी सुनिश्चित की जा सकती है। चुनाव आयोग के वोटिंग प्रतिशत में वृद्धि करने के प्रयासों को, कैट गति देने में सक्षम है।

चुनावों में वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कैट, चुनाव आयोग से चर्चा करने का उत्सुक है।

बंपर फसल के बीच सरकार ने घटाया गेहूं खरीद का लक्ष्य रबी सीजन में 30 - 32 मिलियन टन करेगी खरीदारी

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने 2024 - 25 मार्केटिंग सीजन में न्यूनतम समर्थन मुल्य पर गेहूं की खरीदारी के लक्ष्य को घटा दिया है।इस रबी मार्केटिंग सीजन में केंद्र सरकार 300 से 320 लाख टन गेहूं की खरीदारी करेगी जबकि 2023-24 मार्केटिंग सीजन में सरकार ने 341.5 लाख टन गेहूं खरीदने का लक्ष्य निर्धारित किया था। सरकार ने राज्यों के खाद्य सचिवों के साथ बैठक कर इस रबी सीजन में रबी फसलों की खरीदारी की तैयारी की समीक्षा की है।

30 - 32 मिलियन टन गेहूं खरीदेगी सरकार

खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने प्रेस रिलीज जारी कर ये जानकारी दी है।मंत्रालय ने बताया कि 2024-25 रबी मार्केटिंग सीजन में 300 से 320 लाख टन गेहूं खरीदारी का सरकार ने लक्ष्य तय किया है।सरकार ने गेहूं खरीदारी के लक्ष्य में तब कटौती की है जब इस साल बंपर फसल की उम्मीद की जा रही है।2023-24 सीजन में 114 मिलियन टन (1110 लाख टन) गेहूं का उत्पादन होने के आसार हैं।खाद्य मंत्रालय ने कहा कि बैठक में मौसम के हालात, उत्पादन का अनुमान और राज्यों की तैयारी जैसे विषयों पर चर्चा की गई जो कि सरकारी खरीद असर डालते हैं।देश में जल्द ही किसान गेहूं के फसल की कटाई शुरू करेंगे और सरकार अपने स्टॉक के लिए गेंहूं की खरीदारी शुरू करने वाली है।उससे पहले खरीदारी की तैयारियों पर केंद्र सरकार ने राज्यों के साथ चर्चा की है।2022-23 क्रॉप ईयर में गेहूं का उत्पादन 110.55 मिलियन टन हुआ था।जब सरकार ने 2023-24 रबी मार्केटिंग सीजन में 262 लाख टन गेहूं की खरीदारी की थी जबकि अनुमान 341.5 लाख टन खरीदारी का रखा गया था।2022-23 मार्केटिंग सीजन में सरकार ने 444 लाख टन खरीद का अनुमान रखा था लेकिन केवल 188 लाख टन की सरकारी खरीद की जा सकी थी।गर्मी बढ़ने से उत्पादन में कमी के चलते सरकारी खरीद कम रह गई थी। सरकार गेहूं की खरीदारी के लक्ष्य को तब घटा रही है जब फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के पास मौजूद गेहूं का स्टॉक 2016 के बाद सबसे कम लेवल पर है।फिलहाल सरकार के गोदामों में 103.4 लाख टन गेहूं का भंडार है।प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लाभार्थियों के मुफ्त गेहूं देने के लिए सरकार को 180 लाख टन सलाना गेहूं की आवश्यकता है।सरकार ने 2024-25 रबी मार्केटिंग सीजन में 2275 रुपये टन गेहूं का एमएसपी तय किया है जो कि पिछले वर्ष के मुकाबले 150 रुपये से ज्यादा है।

हैदराबाद में आज का सोने का भाव

हैदराबाद, 29 फरवरी (एजेंसियां)। सोने की दर 24 कैरट के लिए रु 62830 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रु 57590/10 ग्राम। हैदराबाद शहर में सोने की दर या कीमत प्रमुख दो कारकों पर निर्भर करती हैः पहला सोने की शुद्धता है और दूसरा सोने का वजन है। 22 कैरेट और 24 कैरेट सोने के लिए विभिन्न वजन श्रेणियां उपलब्ध हैं, यह 8 ग्राम, 10 ग्राम, 100 ग्राम, 1 किलोग्राम और अधिक में उपलब्ध है। यहां आप 24 ग्राम सोने की दर प्रति ग्राम, प्रति 10 ग्राम, प्रति किलोग्राम और प्रति टोला जैसे विभिन्न वजन में सोने की कीमत और चांदी की कीमत की जांच कर सकते हैं। आज के लिए कीमत अपडेट नहीं होने के मामले में हम लास्ट अपडेटेड दिन के प्राइस को आज के गोल्ड प्राइस के रूप में दिखा रहे हैं।

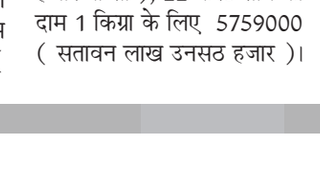

रुपए में शुद्ध सोने (24 कैरट) की कीमत

हैदराबाद में 22 कैरट सोने का दाम 1 ग्राम के लिए 6283 (छह हजार दो सौ तिरासी), 22 कैरट सोने का दाम 8 ग्राम के लिए 50264 (पचास हजार दो सौ चौंसठ), 22 कैरट सोने का दाम 10 ग्राम के लिए 62830 (बासठ हजार आठ सौ तीस), 22 कैरट सोने का दाम 100 ग्राम के लिए 628300 (छह लाख अट्ठाइस हजार तीन सौ), 22 कैरट सोने का दाम 1 किग्रा के लिए 6283000 (बासठ लाख तिरासी हजार) और 22 कैरट सोने का दाम 1 तोला के लिए 73283.73 (तिहतर हजार दो सौ तिरासी)।

रुपए में स्टैंडर्ड गोल्ड (22 कैरट) की कीमत

हैदराबाद में 22 कैरट सोने का दाम 1 ग्राम के लिए 5759 (पांच हजार सात सौ उनसठ), 22 कैरट सोने का दाम 8 ग्राम के लिए 46072 (छयालिस हजार बहतर), 22 कैरट सोने का दाम 10 ग्राम के लिए 57590 (सतावन हजार पांच सौ नब्बे), 22 कैरट सोने का दाम 100 ग्राम के लिए 575900 (पांच लाख पचहतर हजार नौ सौ), 22 कैरट सोने का दाम 1 किग्रा के लिए 5759000 (सतावन लाख उनसठ हजार)।

एयर इंडिया पर डीजीसीए ने लगाया 30 लाख रुपये का जुर्माना, जानें क्या है मामला

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। व्हीलचेयर नहीं मिलने के बाद 80 वर्ष की बुजुर्ग के मौत के मामले में नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कड़ा रुख अपनाते हुए एयर इंडिया पर बड़ी कार्रवाई की है।डीजीसीए ने एयर इंडिया पर पूरे 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।इससे पहले डीजीसीए ने इस मामले में एयरलाइंस को नागरिक उड्डयन के नियमों का पालन ना करने के लिए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया था।कंपनी को मामले में सात दिन में जवाब देने के लिए कहा गया था।

अब इस पर कार्रवाई करते हुए डीजीसीए ने 30 लाख रुपये का जुर्माना एयर इंडिया पर लगाया है। 12 फरवरी 2024 को 80 साल की एक बुजुर्ग महिला अपने पति के साथ अमेरिका के न्यूयॉर्क से मुंबई जा रही थी।मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद महिला को एयरपोर्ट पर एयरलाइंस द्वारा व्हीलचेयर नहीं प्रदान किया गया था।

तीसरी तिमाही के जीडीपी ग्रोथ 6.5% रह सकती है

एनएसओ आज जारी करेगा जीडीपी के आंकड़े, पिछली तिमाही में 7.6% रही थी

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। नेशनल स्टैटिकल ऑफिस (एनएसओ) आज क्यू 3 एफवाई24 यानी वित्त वर्ष 2024 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट यानी जीडीपी ग्रोथ के आंकड़े जारी करेगी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने अपने अनुमान में तीसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 6.5% रहने की उम्मीद जताई है। रेटिंग एजेंसियां भारतीय अर्थव्यवस्था के काफी कम दर से बढ़ने की उम्मीद कर रही हैं। इन्वेस्टमेंट इंफॉर्मेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (आईसीआरए) ने तीसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ की दर 6% आंकी है जबकि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया रिसर्च को इस तिमाही में 6.7% से 6.9% के बीच ग्रोथ रेट रहने की उम्मीद है।

पिछली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 7.6% रही थी

पिछली तिमाही में ये 7.6% रही थी। उम्मीद से ज्यादा ग्रोथ की वजह मजबूत शहरी खपत, मैन्युफैक्चरिंग और उच्च सरकारी खर्च था। मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ 13.9% रही, जबकि कंस्ट्रक्शन ग्रोथ 13.3% रही थी। वहीं एक साल पहले यानी 2022-23 की तीसरी तिमाही में जीडीपी महज 4.5% बढ़ी थी। जीडीपी ग्रोथ आरबीआई के अनुमान से 1.1% ज्यादा था। आरबीआई ने दूसरी तिमाही में इसके 6.5% रहने का अनुमान लगाया था। उम्मीद से ज्यादा ग्रोथ की वजह मजबूत शहरी खपत, मैन्युफैक्चरिंग और उच्च सरकारी खर्च था। मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ 13.9% रही, जबकि कंस्ट्रक्शन ग्रोथ 13.3% रही थी।जीवीएः 7.4% रहा, इसका 6.8% रहने का अनुमान था पिछली तिमाही में ग्रॉस वैल्यू ऐडेड, यानी जीवीए दूसरी तिमाही में 7.4% रहा। इसका 6.8% रहने का अनुमान था। वहीं पहली तिमाही में जीवीए 7.8% रहा था। एक साल पहले समान तिमाही में ग्रोथ रेट 5.4% था।

वित्तीय घाटाः 8.04 लाख करोड़ हो गया, लक्ष्य के 45% पर पहुंचा

उधर, अप्रैल से अक्टूबर तक वित्तीय घाटा बजट बढ़कर 8.04 लाख करोड़ रुपए हो गया। ये बजट अनुमान का 45% है। वित्तीय घाटे का लक्ष्य 17.86 लाख करोड़ रुपए है। पिछले साल इसी अवधि में घाटा 2022-23 के बजट अनुमान का 45.6% था। सरकार आय के मुकाबले जितना ज्यादा खर्च करती है, उसे वित्तीय घाटा कहा जाता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ में	कुंभ...	05-43 बजे
चंद्र-	तुला में	मीन...	07-20 बजे
मंगल	मकर में	मेष...	08-56 बजे
बुध-	कुंभ में	वृष...	10-40 बजे
गुरु-	मेष में	मिथुन..	12-42 बजे
शुक्र-	मकर में	कर्क...	14-54 बजे
शनि-	कुंभ में	सिंह...	17-06 बजे
राहु-	मीन में	कन्या..	19-13 बजे
केतु-	कन्या में	तुला....	21-18 बजे
		वृश्चिक..	23-27 बजे
		धनु.....	01-41 बजे
		मकर...	03-48 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-37**
भोग्य कलि वर्ष-**426876** सूर्यास्त. - **18-19**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- **षष्ठी - 07:53 -** पूर्ण दिन-रात तक
मास - फाल्गुन कृष्ण पक्ष , शुक्रवार **01 March**
नक्षत्र - **स्वाति - 12 - 48 -** तक उपरान्त विशाखा
योग - **ध्रुव - 18 - 14 -** तक उप व्याघात
करण- **गर - 19 - 12 -** तक उप- वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 11:00 से 12:28 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल.	06:37 - 08:04 शुभ	रोग	18:19 - 19:53 अशुभ
लाभ.	08:04 - 09:32 शुभ	काल	19:53 - 21:25 अशुभ
अमृत.	09:32 - 11:00 शुभ	लाभ	21:25 - 22:56 शुभ
काल.	11:00 - 12:28 अशुभ	उत्पात	22:56 - 24:28 अशुभ
शुभ.	12:28 - 13:57 शुभ	शुभ	24:28 - 01:59 शुभ
रोग	13:57 - 15:25 अशुभ	अमृत	01:59 - 03:31 शुभ
उत्पात	15:25 - 16:53 अशुभ	चंचल	03:31 - 05:03 शुभ
चंचल	16:53 - 18:19 शुभ	रोग	05:03 - 06:37 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज आपको कुछ चौंकाने वाली बातें पता चलेंगी । लेकिन चिंता ना करें,सब अच्छी खबरें होंगी । जिन कई चीजों के लिए आप लम्बे समय से कोशिश कर रहे थे,वे आज पूरी होने वाली हैं । जिन कोशशों को आप अपनी और से व्यर्थ मान चुके थे,वे अंतत आज सफल होंगी । इसीलिए आज दोस्तों और परिजनों के साथ खुशियाँ मनाएं ,हो सकता है कि उनके पास भी आपको सुनाने के लिए कोई अच्छी खबर हो ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें । दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है । केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें । थोडा नरम रवैया अपनाएंगे तो काफी लंबित कामों को आज पूरा कर पायेंगे।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

दूसरों के विश्वास का सम्मान करें और नम्र बने रहें । आप सफलता हासिल करने की राह पर बढ़ रहे हैं लेकिन हमेशा अंतिम समय पर सावधानी नही रखते । जीवन अप्रत्याशित होता ही है,इसीलिए इन परेशानियों की अधिक चिंता ना करें । जीवन के पथ पर उत्साह और जोश से आगे बढ़ते रहें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा । आप किसी ऐसे व्यक्ति से भी मिल पायेंगे जिसके विचार आपसे मिलते हों ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं । ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें । यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है । वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें । बोलने से पहले सोच लें ,कहीं किसी करीबी को नाराज ना कर दें ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आपके अफसर आपसे पुरानी रंजिश निकालने के लिए आपके काम में देर कर सकते हैं । आप इसके कारण बहुत चिंता करेंगे,क्योकि इससे न केवल आपकी वर्त्तमान स्थिति बल्कि आगे आने वाली योजनायें भी प्रभावित होंगी । इस समय अपनी घरेलू खुशियों के कारण खुश रहें क्योकि इससे आपको नया उत्साह मिलेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी । आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं । सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें । हालाँकि इन सबके चक्कर में उनको भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज का दिन बहुत व्यस्त रहेगा । बहुत सारे काम कतार में हैं । हालाँकि आप अपनी तरफ से उन सब कामों को निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे फिर भी सम्भावना यही है कि सब काम पूरे नही हो पायेंगे और आपको इस कारण तनाव होगा । काम पूरे करने में और किसी की सहायता लेने से ना हिचकें,नही तो आप समय पर काम पूरा नहीं कर पायेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे । लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसें हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें । आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए । आप अभी किसी ऐसी स्थिति से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है । आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे । महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे । अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें । की शुरुआत में आपके और आपके पार्टनर के बीच मतभेद कुछ बढ़ सकते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे । आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें। आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योंकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी । आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस-वोटिंग का खेल कैसे हुआ

बीजेपी ने 2 एक्स्ट्रा सीटें जीतीं, राज्यसभा में भी बहुमत के करीब एनडीए

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 15 सीटों पर मंगलवार को हुए राज्यसभा चुनाव में जमकर क्रॉस वोटिंग हुई। इससे बीजेपी को हिमाचल और उत्तर प्रदेश में 2 अतिरिक्त सीटें मिल गईं। हिमाचल में बराबर वोट मिलने के बाद मटकी से पर्ची निकाली गई, जिसने बीजेपी उम्मीदवार का साथ दिया। इस चुनाव के बाद हिमाचल में कांग्रेस की सुक्खू सरकार पर भी खतरा मंडराने लगा है। जिसे बचाने के लिए कांग्रेस के बडे-बडे क्षत्रप शिमला में डेरा जमाए बैठे हैं।

बता दें कि 2024 में राज्यसभा की कुल 56 सीटें खाली हुई थीं। इनमें 41 प्रत्याशी निर्विरोध चुन लिए गए। उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश की 15 सीटों पर वोटिंग हुई थी, जिसमें क्रॉस वोटिंग का खेल हुआ। बीजेपी ने 10 सीटें, कांग्रेस ने 3 और सपा ने 2 सीटें जीतीं।

राज्यसभा के सांसदों का चुनाव कैसे होता है?

राज्यसभा के चुनाव का फॉर्मूला समझ लेंगे तो ये भी साफ हो जाएगा कि चुनाव इतना रोचक कैसे बना। किसी राज्य में राज्यसभा की जितनी सीटें खाली हैं, उन पर राज्य के विधायकों की संख्या के अनुसार वोट डाले जाते हैं। ये फॉर्मूला थोड़ा पेचीदा लग सकता है, इसलिए उत्तर प्रदेश के उदाहरण से समझिए। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की कुल 10 सीटें खाली थीं। यहां विधानसभा में विधायकों की मौजूदा संख्या 399 है। अब सवाल है कि एक राज्यसभा उम्मीदवार को जीतने के लिए कितने वोटों की जरूरत होगी। एक सीट के लिए जरूरी वोटों की संख्या निकालने के लिए राज्यसभा की 10 खाली सीटों में एक जोड़ने पर ये संख्या हुई 10+1 यानी 11। अब 399 को 11 से विभाजित करने पर 36 से कुछ अधिक आता है। इसमें एक जोड़ने के बाद कुल संख्या हुई 37। यानी उत्तर प्रदेश में एक राज्यसभा प्रत्याशी को जीतने के लिए 37 विधायकों के प्रथम वरीयता के मत चाहिए।

इन चुनावों में ईवीएम मशीन का इस्तेमाल नहीं होता है, बल्कि बैलेट पेपर पर उम्मीदवार के नाम के आगे वरीयता लिखनी होती है। वोट डालने वाले विधायक, चुनाव कर्मियों द्वारा दी गई पेन से एक से चार तक की वरीयता का अंक लिख देते हैं। राज्यसभा चुनाव में राजनीतिक दलों का व्हिप लागू नहीं होता है। भले ही पार्टी व्हिप जारी करे। इसी वजह से राज्यसभा चुनाव में कई बार क्रॉस वोटिंग खूब होती है और रिजल्ट अनुमान के उलट हैरान करने वाला भी होता है। जैसा इस बार यूपी, हिमाचल और कर्नाटक में देखने को मिला।

उत्तर प्रदेश में खेल कैसे हुआ?

उत्तर प्रदेश में बीजेपी के 252 विधायक हैं, जबकि उसके सहयोगी दलों के 34 विधायक हैं। कुल संख्या हुई 286। वहीं सपा के पास विधानसभा में कुल 108 विधायक हैं। सीधा गणित देखें तो प्रति सीट 37 वोटों के हिसाब से बीजेपी के पास 7 राज्यसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों को जिताने के लिए पर्याप्त वोट थे। वहीं सपा अपने दो प्रत्याशियों को आसानी से जिता सकती थी, लेकिन इस तरह राज्य सभा की एक सीट खाली रह जाती है।

बीजेपी ने 8 सीटों पर उम्मीदवार खड़े किए, जबकि सपा ने 3 सीटों पर। बीजेपी के

प्रत्याशियों के नाम थे- आरपीएन सिंह, चौधरी तेजवीर सिंह, अमरपाल मौर्य, संगीता बलवंत, सुधांशु त्रिवेदी, साधना सिंह, नवीन जैन और संजय सेठ। वहीं सपा की तरफ से जया बच्चन, रामजीलाल सुमन और आलोक रंजन चुनाव मैदान में थे। सपा के तीसरे उम्मीदवार आलोक रंजन और बीजेपी के आठवें उम्मीदवार संजय सेठ के बीच सीधा मुकाबला था। सभी 8 उम्मीदवार जिताने के लिए बीजेपी को कुल 296 वोटों की दरकार थी, जबकि अपने तीनों उम्मीदवार जिताने के लिए सपा को 111 वोट चाहिए थे। यानी बीजेपी के पास 10 वोटों की कमी थी। वहीं सपा के पास 3 वोटों की। बीजेपी को राजा भैया की पार्टी जनसत्ता दल के दो विधायकों और मायावती की पार्टी बसपा के एकमात्र विधायक का भी वोट मिला। इसे भी जोड़ लें तो बीजेपी को अब 7 और विधायकों के वोट मैनेज करने थे। सपा के समर्थन में कांग्रेस के दो और विधायक थे। सपा के साथ एक और दिक्कत थी कि उसके दो विधायक, इरफान सोलंकी और रमाकांत यादव जेल में होने के चलते वोटिंग में हिस्सा नहीं ले सकते थे। मतलब, कांग्रेस के समर्थन के बावजूद भी सपा को तीन वोटों की कमी थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सपा के कुल 7 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। इनके नाम हैं- राकेश पांडेय, राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह, विनोद चतुर्वेदी, मनोज पांडेय, पूजा पाल और आशुतोष मौर्य। इससे सपा तीसरी सीट जीतने से दूर हो गई और बीजेपीने बाजी मार ली।

हिमाचल प्रदेश में खेल कैसे हुआ?

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के 9 विधायकों द्वारा बीजेपी के पक्ष में क्रॉस वोटिंग की बात सामने आ रही है। हिमाचल में राज्यसभा की एक सीट के लिए विधायकों की प्रथम वरीयता के 35 वोट चाहिए थे। विधानसभा का गणित समझें तो इसकी कुल स्ट्रेंथ 68 की है। इनमें से कांग्रेस के 40 और बीजेपी के 25 विधायक हैं। अपना कैंडिडेट जिताने के लिए बीजेपी को 10 और वोटों की दरकार थी।

हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा की एक सीट के लिए कांग्रेस ने अभिषेक मनु सिंघवी को उम्मीदवार बनाया था। वहीं बीजेपी के प्रत्याशी थे कांग्रेस के पूर्व विधायक हर्ष महाजन। हर्ष महाजन कभी पूर्व बीजेपी वीरभद्र सिंह के करीबी रहे हैं और उनके कांग्रेस के कई नेताओं से अच्छे संबंध हैं। हिमाचल प्रदेश की विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा भी 35 है। और हर्ष महाजन को टास के जरिए जीत मिल गई।

कर्नाटक में क्या खेल हुआ?

कर्नाटक में राज्यसभा की 4 सीटों के लिए मतदान हुए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीजेपी के 2 विधायकों ने कांग्रेस के पाले में वोटिंग की। राज्य की विधानसभा में कुल सीटों की संख्या 224 है। कांग्रेस ने बीते साल 135 सीटों पर जीत हासिल कर सरकार बनाई थी। राज्य में बीजेपी के 66 और बीजेपीके 19 विधायक हैं। राज्यसभा चुनाव के फॉर्मूले के हिसाब से एक सीट पर जीत के लिए 45 विधायकों के प्रथम वरीयता के वोट चाहिए थे। जबकि चुनाव मैदान में 4 सीटों पर कुल 5 उम्मीदवार खड़े हो गए। कांग्रेस ने अजय माकन, सैयद नासिर हुसैन और जीसी चंद्रशेखर को उम्मीदवार बनाया, जबकि बीजेपी गठबंधन ने नारायणा कृष्णासा भांडगे और जेडीएस के नेता डी कुपेंद्र रेड्डी को टिकट दिया।

इस लिहाज से बीजेपी गठबंधन को 5 अतिरिक्त वोटों की दरकार थी। वोटिंग के दौरान ही खबर आई कि कांग्रेस के विधायकों को धमकी देने के आरोप में कुपेंद्र रेड्डी और उनके कुछ सहयोगियों के खिलाफ बेंगलुरु में बीजेपी दर्ज की गई है। ये भी खबर आई कि बीजेपी विधायक एसटी सोमशेखर ने कांग्रेस के पक्ष में वोट किया है।

राज्यसभा चुनाव में राजनीतिक दलों के विधायकों पर व्हिप लागू नहीं होता है। विधायक अपने विवेक से वोट कर सकते हैं, लेकिन इसमें एक पेंच होता है। राज्यसभा चुनाव में ओपन वोटिंग होती है। जो भी विधायक अपनी पार्टी के खिलाफ जाते हैं, तो उनको पार्टी से निष्कासित किए जाने का प्रावधान है। राजनीतिक दल को एक प्रार्थना पत्र स्पीकर को देना होता है ओर उस विधायक की सदस्यता रद्द कर दी जाती है। ऐसे में ये कहना कि राज्यसभा चुनाव में दूसरे दल के उम्मीदवार को वोट करने पर कार्रवाई नहीं होती है, ये सही नहीं है। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने ओपन वोटिंग का प्रावधान इसीलिए बनाया था, ताकि विधायक दूसरे दलों से पैसा लेकर राज्यसभा चुनाव में वोट नहीं करें।

स्नेहा बंजारे ने यूएई में कोरबा का नाम किया रोशन, सीएम ने किया स्वागत

स्नेहा ने बताया कि उसका मुकाबला इजिप्ट के खिलाड़ी से हुआ था और उसे जीत हासिल हुई। वह थोड़ी और कोशिश करती तो गोल्ड भी ला सकती थीं

कोरबा, 29 फरवरी (एजेंसियां)। सबले बढ़िया, छत्तीसगढ़िया। यह तो आपने कई मौकों पर सुना ही होगा। एक छत्तीसगढ़ीया लड़की ने इसे साबित कर दिखाया, वो भी भारत के बाहर यूएई की धरती पर। उसने कराटे की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में इजिप्ट की खिलाड़ी को पछाड़ सिल्वर मेडल जीता।

इरादे मजबूत हो और विश्वास पक्का हो तो आप किसी भी दिशा में बढ़ाने के साथ सफलता प्राप्त कर ही सकते हैं। कोरबा निवासी स्नेहा बंजारे ने ऐसा ही किया। चार वर्ष की उम्र से खेल की तरफ रुझान रखने वाली स्नेहा अभी मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन की छात्रा है जिसने पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूएई में आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और भारत का प्रतिनिधित्व किया। कोरबा वापस आने पर शुभचिंतकों ने उसका स्वागत किया। स्नेहा ने बताया कि उसका मुकाबला इजिप्ट के खिलाड़ी से हुआ था और उसे जीत हासिल हुई। वह थोड़ी और कोशिश करती तो गोल्ड भी ला सकती थीं।

स्नेहा ने बताया कि भारत से उसके समेत 49 खिलाड़ी अलग-अलग खेल में शामिल होने के लिए संयुक्त अरब अमीरात गए हुए थे। प्रतियोगिता में 84 देश के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। भारत से तीन खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जिसमें उसने अपना प्रदर्शन दिखाया। जिसके बाद अब स्नेहा छत्तीसगढ़ वापस लौटी हैं। सीएम विष्णुदेव साय ने स्नेहा से मुलाकात कर बधाई दी।

स्नेहा ने बताया कि उसके पिता सियाराम और बड़े भाई कराटे के खिलाड़ी हैं, जिनके मार्गदर्शन में आज वो यहां तक पहुची हैं और आगे भी वो देश के लिए खेलना चाहती हैं और भारत का नाम रौशन करना चाहती हैं। बिलासपुर विश्वविद्यालय से फिजिकल एजुकेशन की पढ़ाई कर रही स्नेहा ने बताया कि उनके पिता और भाई की प्रेरणा शुरू से मिलती रही है, जिसके कारण वह सफलता के इस मुकाम पर पहुंची हैं।

दीपका नगर पालिका में आवारा कुत्तों का आतंक

बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक पर कर रहे हमला, दहशत में लोग

कोरबा, 29 फरवरी (एजेंसियां)। कोरबा दीपका नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत गेवरा कॉलोनी में पिछले 24 घंटे में एक दर्जन से अधिक लोगों को कुत्ते ने काट लिया है। लोगों ने बताया कि कुत्ता पागल हो गया है और लोगों को दौड़ा-दौड़ा कर काट रहा है। कुत्ता काटने के बाद कुछ लोग सरकारी अस्पताल और कुछ विभागीय अस्पताल में अपना इलाज कर रहे हैं।

कुछ महीनों से आवारा कुत्तों की संख्या में दीपका नगर पालिका क्षेत्र में बहुत तेजी से इजाफा हुआ है। जिसकी आए दिन किसी न किसी को इन आवारा कुत्तों का शिकार होना पड़ता है। ऊर्जा नगर गेवरा निवासी संजय सिंह ने बताया कि आवारा कुत्ता उसको काटने दुकान के अंदर घुस गया था। वही पागल आवारा कुत्ते ने दो बच्चों को काटा और बमुश्किल से पीड़ित का पैर छोड़ा। गेवरा के विभागीय अस्पताल नेहरू शताब्दी चिकित्सालय में तीन व्यक्ति जो कुत्ते का शिकार हुए थे, उनका अस्पताल में इलाज जारी है। उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों की माने तो कुत्तों के आतंक से लोग परेशान हैं। जहां लोग दहशत में जीने को मजबूर हैं। बच्चे स्कूल जाने से डर रहे हैं। पैदल चलना मुश्किल हो गया है। लोगों ने नगर पालिका प्रशासन से दीपका में डॉग पॉलिसी बनाने की मांग की है। जिससे उनके संख्या में वृद्धि न हो सके।

अंबिकापुर विवाद पर बोले सिंहदेव- डीएसपी को धमकाना दुर्भाग्यपूर्ण

वीडियो मैसेज जारी कर कहा- प्रशासन की व्यवस्था कुछ लोग अपने हाथ में लेना चाहते हैं

सरगुजा, 29 फरवरी (एजेंसियां)। अंबिकापुर में बीजेपी विधायक राजेश अग्रवाल के भाई के लखनपुर थाना के प्रभारी थानेदार डीएसपी शुभम तिवारी को धमकाने की घटना को पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। सिंहदेव ने वीडियो मैसेज जारी किया है। उन्होंने कहा कि ये देखकर दुख हुआ की प्रशासन की व्यवस्था कुछ लोग अपने हाथ में लेना चाहते हैं। दरअसल, विधायक राजेश अग्रवाल के भाई विजय अग्रवाल ने मंगलवार को धमकी भरे लहजे में डीएसपी को कहा था कि 'तेरे को देखना पड़ेगा, याद रखेगा'। जिसके बाद एसपी ने शुभम तिवारी को हटाकर शाम तक नए थानेदार की नियुक्ति भी कर दी। पूरा मामला कोयला चोरी और डकैती केस में ग्रामीणों को गिरफ्तार कर जेल भेजने से जुड़ा है। अपने वीडियो मैसेज में पूर्व डिप्टी सीएम सिंहदेव ने कहा कि एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति लखनपुर थाने में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के

साथ दुर्व्यवहार कर रहा है, दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। यह देख कर दुख हुआ, कि प्रशासन की व्यवस्था लोग अपने हाथ में लेना चाह रहे हैं जिससे कानून की स्थिति बिगड़ती है और लॉ एण्ड आर्डर को कायम रखने में मुश्किल होती है।

टीएस सिंहदेव ने कहा है कि ये कैसे हुआ, क्यों हुआ और क्या ऐसा होना चाहिए, यह मैं नागरिकों के विवेक पर छोड़ता हूं। नागरिकों को लखनपुर थाने का वीडियो देखना चाहिए और सोचना चाहिए कि इस मामले में कैसे शासन और प्रशासन को कदम उठाना चाहिए। पूरी घटना दुर्भाग्यजनक है। ऐसा नहीं होना चाहिए और सबको संयम रखकर व्यवहार करना चाहिए। ग्रामीणों को जेल भेजने से जुड़ा है मामला दरअसल, मामला कोयला चोरी और डकैती केस में ग्रामीणों को गिरफ्तार कर जेल भेजने से जुड़ा है। बीजेपी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने फर्जी एफआईआर दर्ज करने का आरोप लगाया था। इसे लेकर मंगलवार को लखनपुर थाने घेराव किया गया था। इसी दौरान विधायक के भाई ने डीएसपी को धमकी दी थी।

इस विवाद के बाद एसपी ने लखनपुर थाने में नए प्रभारी की पोस्टिंग कर दी है। प्रशिक्षु डीएसपी शुभम तिवारी को मुक्त कर दिया गया। थाना प्रभारी के रूप में किसी की पदस्थापना नहीं होने के कारण वे लखनपुर थाने के प्रभारी का काम देख रहे थे।

जेएसएससी पेपर लीक के खिलाफ छात्रों का सोशल मीडिया कैंपेन

रांची, 29 फरवरी (एजेंसियां)। नौ साल बाद झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमिशन (जेएसएससी) की ओर से 28 जनवरी को संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा (सीजीएल) ली गई। इसी दिन पेपर लीक हो गया। पेपर लीक की जांच को लेकर रांची सहित राज्यभर में उम्मीदवारों के हंगामा किया तो जांच के लिए एसआइटी का गठन किया गया। आज इस पूरे प्रकरण को एक महीने पूरे हो गए हैं।

सवाल अब भी जस का तस है कि पेपर लीक किसने किया? एक महीने बाद जब इस सवाल के जवाब के लिए एसआईटी के नेतृत्वकर्ता से सदर डीएसपी संजीव कुमार बेसरा से पूछा गया तो उनका जवाब मिला कि पांच लोग गिरफ्तार किए गए हैं। जांच जारी है। इधर छात्र सीबीआई से जांच की मांग कर रहे हैं। आज (29 फरवरी) छात्र सोशल मीडिया एक्स पर अभियान चला रहे हैं। यह अभियान #conduct_jssc_fair_exams और #नौकरी_नहीं_तो_बदलेंगे_झारखण्ड_सरकार के साथ चलाया जाएगा। यह कैंपेन सुबह 10 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक चलेगा।

झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमिशन (जेएसएससी) की ओर से संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा (सीजीएल) 9 साल बाद ली जा रही थी। इसके लिए 28 जनवरी और चार फरवरी को परीक्षा की तिथि तय की गई। इस परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की संख्या छह लाख से अधिक होने की वजह से पहली 28 जनवरी को और दूसरी परीक्षा चार फरवरी को रखी गई। 28 जनवरी को पहली परीक्षा राज्य के 735 केंद्रों में ली गई। 28 जनवरी को पेपर तीन की परीक्षा होने से पहले की उस पत्र में पूछे गए सवालों के जवाब सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। परीक्षार्थी जब सेंटर से बाहर आए और वायरल आंसर को मिलाया तो 80 फीसदी से अधिक आंसर हूबहू मिले। जिसके बाद हंगामा हुआ। झारखंड स्टाफ सेलेक्शन कमिशन ने 28 जनवरी की देर रात पहले पेपर तीन की परीक्षा रद्द करने का नोटिस दिया, फिर पूरी परीक्षा ही रद्द कर दी।

पेपर लीक प्रकरण की जांच की मांग को लेकर झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन (जेएसएसयू) के प्रमुख देवेंद्रनाथ महतो के नेतृत्व में 30 जनवरी को राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में पुतला दहन किया गया। इसके बाद 31 जनवरी को जेएसएससी कार्यालय के सामने झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन के बैनर तले उम्मीदवारों ने जम कर हंगामा और तोड़फोड़ किया।

आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष नीरज सिन्हा की गाड़ी भी इस हंगामें के दौरान क्षतिग्रस्त हो गई। अतिरिक्त पुलिस बल जब जेएसएससी कार्यालय पहुंचा तब जाकर मामला नियंत्रण में आ सका। इस हंगामे और तोड़फोड के बाद 15 लोगों पर नामजद और चार हजार अज्ञात लोगों पर धारा 147, 148, 149, 353, 307, 186, 188, 332, 323, 504, 506 और प्रिवेंशन आफ डैमेज टू पब्लिक प्रापर्टी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

उम्मीदवारों की ओर से हंगामा किए जाने के बाद मामले की जांच के लिए एसएसपी रांची के आदेश से एसआईटी का गठन किया गया। जारी पत्र के अनुसार हर टीम में चार अधिकारियों को रखा गया। इस एसआइटी के नेतृत्व का जिम्मा डीएसपी संजीव कुमार बेसरा को दी गई। हालांकि एसआईटी में शामिल कई अधिकारियों का तबादला हो गया है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि पेपर लीक मामले की जांच का क्या होगा।

झारखंड को तीन अवॉर्ड

खूंटी के सुखराम पाहन को उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार, छऊ नृत्य केंद्र चंदनकियारी के साधुचरण व परीक्षित को अकादमी पुरस्कार

रांची, 29 फरवरी (एजेंसियां)। संगीत नाटक अकादमी ने वर्ष 2022 और 2023 के लिए तीन कैटेगरी अकादमी रत्न, अकादमी पुरस्कार और उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार के नतीजे घोषित कर दिया। इस बार छह लोगों को अकादमी रत्न, 92 को अकादमी पुरस्कार और 80 को युवा पुरस्कार देने की घोषणा की गई। झारखंड के चंदनकियारी छऊ नृत्य केंद्र के दो कलाकारों साधुचरण महतो को 2022 और परीक्षित महतो को 2023 के लिए अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। इसके साथ ही खूंटी के युवा कलाकार सुखराम पाहन को साल 2023 का उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार दिया जाएगा। साधुचरण महतो और परीक्षित महतो को पुरुलिया छऊ में योगदान के लिए पुरस्कृत किया जाएगा।

पुरातत्वविद् पद्मश्री अरुण शर्मा का निधन

92 साल की उम्र में ली अंतिम सांस, इन्हीं के सबूत पर बनी राम मंदिर की नींव

रायपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पुरातत्ववेत्ता पद्मश्री अरुण कुमार शर्मा का बुधवार रात निधन हो गया। 92 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली। अरुण शर्मा वही शख्स हैं जिनकी मांग पर अयोध्या में राम जन्म भूमि पर खुदाई कराई गई थी। उन्होंने ही खुदाई में मिले अवशेषों के रिसर्च के आधार पर कोर्ट में मंदिर होने के सबूत पेश किए थे। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर वे बहुत खुश थे। उनकी आखिरी इच्छा थी कि वे रामलला के दर्शन करें, लेकिन सेहत खराब होने के चलते वे नहीं जा पाए थे। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत और पुरातात्विक संपदा को सामने लाने में इनका बड़ा योगदान है। अयोध्या में राम जन्मभूमि पर अरुण शर्मा की मांग पर ही खुदाई करवाई गई थी। उन्होंने ही खुदाई में मिले अवशेषों की रिसर्च के आधार पर मंदिर होने के सबूत कोर्ट में पेश किए थे। यही सबूत फैसले का प्रमुख आधार बने। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर वे बहुत खुश थे।

कई जिलों में बारिश होने की संभावना कल

रायपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 2 मार्च से एक बार फिर मौसम के मिजाज में बदलाव देखने को मिल सकता है। सरगुजा, बिलासपुर और दुर्ग संभाग में एक-दो जगहों पर गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। प्रदेश में मौसम में बदलाव के चलते दिन के तापमान में गिरावट आई है। रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर में दिन का तापमान सामान्य से कम रिकॉर्ड किया गया है। मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक प्रदेश में अगले चार दिनों में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई विशेष बदलाव होने के आसार नहीं है। बुधवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री जगदलपुर में रिकॉर्ड किया गया। वहीं, सबसे कम न्यूनतम तापमान 13.9 डिग्री अंबिकापुर में रहा। बुधवार को प्रदेश के कई इलाकों में बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश जशपुर के मनोरा में 38.01 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। वहीं, मरवाही में 29.6 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा मरवाही, बगीचा, खड़गवां, धर्मजयगढ़ , प्रतापपुर, कुनकुरी, लैलूंगा में भी 1 सेंटीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है। रायपुर में बुधवार को शाम और आज गुरुवार सुबह ठंडी हवाएं चलीं। यहां अधिकतम तापमान 32.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 20.3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। दिन का पारा औसत से 1 डिग्री कम रहा । वहीं, आज दिन का तापमान 33 डिग्री और रात का तापमान 19 डिग्री के आसपास रह सकता है।

सीएएफ जवान ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

कबीरधाम, 29 फरवरी (एजेंसियां)। कबीरधाम जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल के सुरक्षाकर्मी कृष्ण कुमार साहू ने अपने गन से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। कृष्ण कुमार साहू 6वीं बटालियन (सीएएफ) के जवान थे। यह घटना आज सुबह की बताई जा रही है। जवान बीते एक साल से सीईओ संदीप अग्रवाल के पास ड्यूटी में था। वह सीईओ बंगले में रहता था। मौके पर कवर्धा सिटी कोतवाली पुलिस पहुंची हुई है। अभी तक शव को पीएम के लिए नही भेजा गया है। दुर्ग से फॉरेंसिक की टीम आने के बाद पीएम के लिए भेजा जाएगा। आत्महत्या का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस द्वारा जवान के मोबाइल फोन की डिटेल्स निकाली जा रही है।

अवैध शराब की पेटी जब्त

धनबाद, 29 फरवरी (एजेंसियां)। धनबाद से विभिन्न ब्रांड की 12 पेटी अवैध शराब जब्त की गई है। जिसकी बाजार में कीमत लगभग एक लाख रुपए बताई जा रही है। शराब की जब्ती धनसार थाना क्षेत्र जोड़ा फाटक स्थित सत्येंद्र कुमार यादव के यहां से हुई है। उत्पाद अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के अनुसार धनसार के जोड़ा फाटक सत्येंद्र यादव के यहां छापेमारी की गई। जहां काफी संख्या में 12 पेटी अवैध शराब बरामद की गई है। जिसकी कीमत लगभग 1 लाख है। छापेमारी के दौरान अभियुक्त के घर में सिर्फ महिला होने की वजह से अवैध शराब ही बरामद की गई है जबकि सत्येंद्र कुमार यादव घर से फरार होने में सफल रहा। उन्होंने बताया कि सत्येंद्र कुमार यादव को अभियुक्त बनाते हुए कोर्ट के अनुसार उन पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी। वहीं गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह छापेमारी की जा रही है। होली के मद्देनजर रखते हुए यह कार्रवाई आगे निरंतर जारी रहेगी।

टीसीओसी महीने में नक्सलियों पर भारी पड़ रहे जवान

फरवरी में 10 से ज्यादा नक्सली ढेर, सबसे सुरक्षित ठिकाने पर फोर्स का कब्जा

जगदलपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। बस्तर में नक्सलियों का टीसीओसी यानी टैक्टिकल काउंटर अफेंसिव कैंपेन, वो महीना है जब नक्सली बड़ी वारदात करते हैं। लेकिन अब बस्तर बदल रहा है। यहां के हालात बदल रहे हैं। नक्सलियों का टीसीओसी शुरू होते ही अब फोर्स नक्सलियों पर हावी हो गई है। पहले तो उनके सबसे सुरक्षित ठिकानों पूर्वती, टेकलगुडम पर कब्जा किया, अब उनके घर में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक की जा रही है। फरवरी के आखिरी हफ्ते में बस्तर संभाग के कांकेर, सुकमा, बीजापुर समेत दूसरे जिलों में नक्सलियों के साथ जवानों की मुठभेड़ हुई। जिसमें फोर्स ने 10 से ज्यादा नक्सलियों को ढेर कर दिया। हालांकि, आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने और ड्यूटी पर निकली फोर्स पर हमले में 2 जवान शहीद हुए हैं। पिछले कुछ सालों की बात करें तो नक्सलियों ने फोर्स को ज्यादा नुकसान पहुंचाया। पिछले साल ही नक्सलियों ने दंतेवाड़ा में डीआरजी की सबसे मजबूत टीम को निशाना बनाया था। आईईडी ब्लास्ट कर जवानों से भरे वाहन को उड़ाया था। इसमें ड्राइवर की मौत हो गई जबकि 10 जवान शहीद हुए थे। वहीं, 2014 से 2023 तक सिर्फ टीसीओसी में ही अलग-अलग घटनाओं में 100 से ज्यादा जवानों की शहादत हुई है।

पाकिस्तान में सांसदों ने पद की शपथ ली

संसद में इमरान के पोस्टर के साथ पीटीआई समर्थकों की नारेबाजी, आज होगा स्पीकर का चुनाव

इस्लामाबाद, 29 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में 8 फरवरी को हुए आम चुनाव के बाद आज संसद का पहला सत्र शुरू हो चुका है। सत्र की शुरुआत होते ही पीटीआई समर्थकों ने इमरान खान के पोस्टर के साथ नारेबाजी की। उन्होंने कहा- पाकिस्तान को सिर्फ इमरान ही बचा सकते हैं।

इसके बाद सभी सांसदों ने पद की शपथ ली। इस दौरान पीएमएल-एन पार्टी के सुप्रीमो नवाज शरीफ, पीएम पद के उम्मीदवार शाहबाज शरीफ और पीपीपी पार्टी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो मौजूद रहे। नेशनल असेंबली में 1 मार्च को सीक्रेट बैलट के जरिए सदन के स्पीकर का चुनाव होगा।

दावा- 4 मार्च को होगा पीएम पद का चुनाव

इसके नतीजे घोषित होने के बाद स्पीकर डिप्टी स्पीकर के चुनाव की घोषणा करेंगे। इनके चुने जाने के बाद पाकिस्तान की संसद में प्रधानमंत्री चुनने का शेड्यूल जारी होगा। द डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, यह चुनाव आम तौर पर स्पीकर चुने जाने के 1-2 दिन बाद होता है। जियो न्यूज के मुताबिक, पाकिस्तान की संसद में पीएम का चुनाव 4 मार्च को होगा। पाकिस्तान के आम चुनावों में धर्म के आधार पर भेदभाव के बिना कोई भी शख्स चुनाव लड़ सकता है। हालांकि सिर्फ एक मुस्लिम सांसद ही पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बन सकता है। अमेरिकी सांसदों का बाइडेन प्रशासन से कहा है कि धांधली की जांच पूरी होने तक पाकिस्तान की नई सरकार को मान्यता न दी जाए। उनका कहना है कि जब तक यह साफ नहीं हो जाता की चुनाव में धांधली हुई थी या नहीं अमेरिका को पाकिस्तान सरकार को मान्यता नहीं देनी चाहिए। नेशनल असेंबली में प्रधानमंत्री के चुनाव से पहले 5 मिनट तक घंटी बजाई जाती है। इसका मकसद सभी सांसदों को चुनाव की जानकारी देना होता है। चुनाव शुरू होते ही नेशनल असेंबली के दरवाजे बंद हो जाते हैं। कोई भी शख्स सदन के अंदर या बाहर नहीं जा सकता। पीएम चुने जाने के लिए उम्मीदवार के पास 336 में से 169 सांसदों के वोट होना जरूरी होता है।

शाहबाज शरीफ नए प्रधानमंत्री होंगे। दरअसल, 8 फरवरी के चुनाव में किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत (134 सीट) नहीं मिला था। इसके बाद नवाज की पार्टी पीएमएल-एन और बिलावल की पार्टी पीपीपी ने गठबंधन सरकार बनाने पर सहमति जताई थी। पिछले हफ्ते बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा था- एक बार फिर शाहबाज शरीफ प्रधानमंत्री होंगे। आसिफ अली जरदारी प्रेसिडेंट पद संभालेंगे। 'डॉन' के मुताबिक संविधान की धारा 91(2) के तहत राष्ट्रपति को चुनाव नतीजों की आधिकारिक घोषणा या इसकी अधिसूचना जारी होने के 21 दिनों के अंदर नेशनल असेंबली का सत्र बुलाना होता है।

बाइडेन के डॉक्टर बोले- प्रेसिडेंट बिल्कुल फिट

आगे भी राष्ट्रपति की ड्यूटी निभा सकेंगे, याददाश्त और बढ़ती उम्र को लेकर सवाल उठ रहे थे

वॉशिंगटन, 29 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की हेल्थ को लेकर सवालों के बीच उनके डॉक्टर का कहना है कि प्रेसिडेंट बिल्कुल फिट हैं। वो आगे भी राष्ट्रपति की ड्यूटी निभा सकेंगे। 81 साल के बाइडेन का मैरीलैंड के वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में बाइडेन का एनुअल चेकअप हुआ। ये ढाई घंटे चला। चेकअप के बाद डॉक्टर केविन ओ'कोनो ने कहा- बाइडेन राष्ट्रपति के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए बिल्कुल हेल्दी हैं। फरवरी 2022 में भी वाइट हाउस के पूर्व चिकित्सक प्रतिनिधि रोनी जैक्सन समेत 37 सांसदों ने औपचारिक पत्र लिखकर बाइडेन को औपचारिक संज्ञानात्मक जांच से गुजरने की मांग की थी। एक नए सर्वे से पता चला है कि 62% अमेरिकी मतदाताओं ने माना है कि वे राष्ट्रपति बाइडेन के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं।

दोषी को जहरीला इंजेक्शन लगाने के लिए नस नहीं ढूंढ पाई मेडिकल टीम

मौत की सजा पर लगी रोक

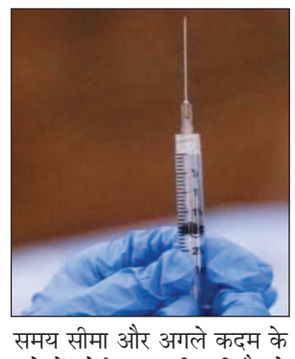

वॉशिंगटन, 29 फरवरी (एजेंसियां)। इडाहो में एक सीरियल कीलर को मौत की सजा देने के दौरान एक अजीबोगरीब घटना घटी। दरअसल, मेडिकल की एक टीम दोषी को इंजेक्शन देने से पहले सुई लगाने के लिए नस ही नहीं ढूंढ पाई, जिसके बाद उसकी सजा को रोक दी गई।

मेडिकल टीम की असफल प्रयासों के बाद रोकी गई सजा

अधिकारियों ने बताया कि 73 वर्षीय दोषी थॉमस क्रीच को एक घंटे के लिए मौत की सजा दी जाने वाली कक्ष में मेज पर बांधकर रखा गया था। मेडिकल की टीम सुई डालने के लिए बार बार उसके नस को ढूंढने का प्रयास कर रही थी। इडाहो सुधार विभाग (आईडीओसी) के निदेशक जोश तेवाल्ट ने बताया कि दोषी के हाथों और पैर में आईवी लाइन खींचने के लिए आठ बार प्रयास के बाद मौत की सजा को रोक दिया गया।

तेवाल्ट ने आगे कहा, अब हमें समय सीमा और अगले कदम के बारे में कोई जानकारी नहीं है। ये ऐसी चीजें हैं जिसपर बाद में चर्चा होगी। स्थानीय पत्रकार ब्रेंडा रॉडरिग्स ने बताया कि दोषी को इस दौरान कोई दर्द नहीं हुआ, लेकिन बार-बार प्रयासों के बाद उसने एक समय मेडिकल कर्मचारी को बताया कि उसके पैर में थोड़ा दर्द हो रहा है। उन्होंने आगे कहा, लगातार प्रयासों में असफलता के बाद मौत की सजा को रोक दी गई। सजा रोकने के दौरान दोषी ऊपर की तरफ देख रहा था। वह कुछ कह रहा था, जिसे मैं सुन नहीं पाई।

इडाहो में 12 वर्षों में मौत की सजा पाने वाला पहला व्यक्ति

थॉमस क्रीच 1981 में बैटरी से भरे मोजे से अपने सेलमेट की हत्या करने के आरोप में 40 से अधिक साल से सजा काट रहा था। पिछले 12 वर्षों में इडाहो में मौत की सजा पाने वाला वह पहला व्यक्ति है। क्रीच को पांच हत्याओं के मामले में सजा सुनाई गई थी।

हाल के वर्षों में अमेरिका में कई असफल मौत की सजा हुई है, जिसमें नवंबर 2022 में अलबामा में दोषी हत्यारे केनेथ स्मिथ को घातक इंजेक्शन द्वारा मौत की सजा देने का असफल प्रयास भी शामिल है। उसे बाद में नाइट्रोजन गैस का उपयोग करके फांसी की सजा दी गई थी।

कतर से आठवें अधिकारी की जल्द हो सकती है वापसी

रिहाई के बाद भी लगा है यात्रा प्रतिबंध

दोहा, 29 फरवरी (एजेंसियां)। कतर की जेल में बंद आठ नेवी के पूर्व अधिकारियों की रिहाई को दो सप्ताह से ज्यादा हो चुके हैं। आठ में से सात लोग 12 फरवरी को भारत वापस आ चुके हैं। लेकिन यात्रा प्रतिबंधों का सामना कर रहे कमांडर पूर्णेंदु तिवारी की वापसी अभी तक नहीं हुई है। कमांडर तिवारी से जुड़ा एक और मामला अभी पेंडिंग है, जिसके खत्म होने का इंतजार है। इस कारण उन पर यात्रा प्रतिबंध लगा है। हालांकि 12 फरवरी को नजरबंदी से रिहाई की घोषणा के बाद उन्हें अपने घर जाने की इजाजत दी गई थी।

ऐसी रिपोर्ट्स आ रही है कि जल्द ही वह वापसी कर सकते हैं। वह इस सप्ताह या अगले सप्ताह की शुरुआत में वापस आ सकते हैं। द न्यू इंडियन एक्सप्रेस ने एक खबर में सूत्रों के हवाले से कहा कि कमांडर तिवारी के आने की घोषणा पहले से नहीं की जाएगी। कमांडर तिवारी की मां 85 वर्ष की हैं जो अपने बेटे के भारत लौटने का इंतजार कर रही हैं। 30 अगस्त 2022 को कतर के आंतरिक मंत्रालय की ओर से आठ पूर्व नौसैनिकों को गिरफ्तार किया गया था।

इजरायल के लिए जासूसी करने के आरोपों में बाद में इन्हें मौत की सजा सुनाई गई। जिस कारण से भारत में कतर को लेकर एक नाराजगी देखी जा रही थी। बाद में कतर ने इनकी सजा को कम करते हुए जेल में बदल दिया। लेकिन डिप्लोमैटिक हस्तक्षेप के बाद आखिरकार इन सभी लोगों को रिहा कर दिया गया। उनकी गिरफ्तारी, सजा और इससे जुड़े विवरण साफ नहीं हैं। भारत ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कतर के अमीर की सराहना की थी।

भारत लौटने के बाद इन नेवी अधिकारियों ने पीएम मोदी को धन्यवाद कहा था। नई दिल्ली एयरपोर्ट से बाहर निकलने के बाद अधिकारियों ने भारत माता की जय के नारे लगाए थे। एक नेवी अधिकारी ने कहा कि पीएम मोदी के हस्तक्षेप के बिना यह संभव नहीं था। इसके अलावा उन्होंने कतर के अमीर को भी धन्यवाद कहा था। वहीं एक अन्य अधिकारी ने कहा था कि पीएम मोदी के कारण ही आज वह मौत के मुंह से बाहर निकले हैं।

एच-1बी वीजा प्रक्रिया में सुधार के लिए कर रहे हरसंभव प्रयास

भारतीय-अमेरिकियों को लेकर बोला व्हाइट हाउस

वॉशिंगटन, 29 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन एच-1बी वीजा प्रक्रिया, ग्रीन कार्ड बैकलॉग और आव्रजन प्रणाली से जुड़े अन्य मुद्दों में सुधार के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने बुधवार को यह बात कही।

एच-1बी वीजा क्या है?

एच-1बी वीजा एक गैर-प्रवासी वीजा है। यह आमतौर पर उन लोगों को दिया जाता है, जो अमेरिका में काम करने के लिए जाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो एच-1बी वीजा ऐसे कुशल कर्मचारियों को रखने के लिए दिया जाता है, जिनके काम की जरूरत अमेरिका की कंपनियों को है। इसके बाद ग्रीन कार्ड दिया जाता है। इस वीजा की वैधता छह साल की होती है। भारतीय आईटी पेशेवर इस वीजा को सबसे ज्यादा हासिल करते हैं।

भारतीय-अमेरिकियों को लेकर पूछा गया था सवाल

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन पीयरे ने बुधवार को एक दैनिक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, हमने एच-1बी वीजा, ग्रीन कार्ड बैकलॉग प्रक्रिया में सुधार के लिए कदम उठाए हैं। दरअसल, उनसे भारतीय मूल के अमेरिकी लोगों के एक वर्ग में फैली इस भावना के बारे में पूछा गया था कि राष्ट्रपति बाइडन वैध प्रवासियों की मुश्किलों को दूर करने के लिए उतने प्रयास नहीं कर रहे हैं, जितना वह अवैध प्रवासियों के लिए कर रहे हैं।

व्हाइट हाउस ने कही ये बात

पीयरे ने आगे कहा, उदाहरण के तौर पर अमेरिकी होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने पिछले महीने ही एच-1बी वीजा से जुड़े नए नियम प्रकाशित किए हैं। यह बदलाव आव्रजन प्रणाली की अखंडता को मजबूत करने और धोखाधड़ी की संभावनाओं को कम करने के लिए किए गए हैं। यह बदलाव निष्पक्ष और ज्यादा न्यायसंगत परिणामों को बढ़ावा दे रहे हैं। अधिकारी आव्रजन प्रणाली में सुधार के लिए अपना काम जारी रखेंगे। यह निश्चित रूप से हमारी प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा, प्रशासन इसे बहुत गंभीरता से लेता है और वह वीजा प्रक्रिया में सुधार के लिए हरसंभव प्रयास जारी रखेगा।

राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रंप को बड़ा झटका

इलिनॉय राज्य के प्राथमिक चुनाव के लिए भी अयोग्य घोषित

वॉशिंगटन, 29 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बुधवार को कैपिटल हिल हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली। शीर्ष अदालत उनकी दलीलों को सुनने पर सहमत हुआ। वहीं दूसरी ओर, इसी मामले को लेकर इलिनॉय राज्य में एक स्थानीय अदालत से उन्हें झटका लगा। अदालत ने ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव के लिए होने वाले प्राथमिक मतदान से बाहर करने का आदेश दिया है। इससे पहले मेन और कोलाराडो राज्य भी ट्रंप को राज्य के प्राथमिक मतदान के लिए अयोग्य घोषित कर चुके हैं। इलिनॉय में 19 मार्च को प्राथमिक चुनाव होंगे। न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने एक विद्रोह में भाग लिया था। इसलिए उन्हें राज्य के मतपत्र में रहने की अनुमति नहीं है। छह जनवरी 2021 को कैपिटल हिल की हिंसा में ट्रंप की भूमिका को लेकर उन्हें इलिनॉय में प्राथमिक चुनाव से बाहर किया गया। इलिनॉय कुक काउंटी सर्किट की न्यायाधीश ट्रेसी पोर्टर ने ट्रंप को अपील करने के लिए शुक्रवार तक का समय दिया। न्यायाधीश ने अपना फैसला 14वें संशोधन के एक प्रावधान के आधार पर लिया। इस संशोधन की धारा 3 व्यक्ति को सार्वजनिक पद तक पहुंचने से रोकती है। इसके तहत उन लोगों को मतदान से रोका जाता है, जो एक बार संविधान को बचाने का वचन देकर बगावत में शामिल होते हैं। यहां के निवासियों ने ट्रंप को अदालत में चुनौती दी थी। उनके वकील कैरिन लेडरर ने एक बयान में कहा, यह फैसला कानून के शासन के महत्व और अमेरिकी संविधान की पहचान को बरकरार रखता है। ट्रंप की उम्मीदवारी को 36 राज्यों में चुनौती दी गई है।

यूएन में भारत बोला- पाकिस्तान खून में डूबा हुआ देश

उसे भारत के खिलाफ बयान देने का अधिकार नहीं, पाक ने कश्मीर-लद्दाख मुद्दा उठाया था

न्यूयार्क, 29 फरवरी (एजेंसियां)। यूएन में भारत ने कहा कि पाकिस्तान एक ऐसा देश है जो खून में डूबा हुआ है। दरअसल, पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर का मुद्दा उठाया था। भारत ने अपने राइट टु रिप्लाई (जवाब देने के अधिकार) का इस्तेमाल करते हुए कहा- जिस देश में अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न संस्थाएं करती हों और जिसका मानवाधिकार रिकॉर्ड वास्तव में खराब है, उसे भारत के खिलाफ बयान देने का अधिकार नहीं है।

बुधवार को जेनेवा में हो रहे संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएससी) के 55वें सेशन के हाई लेवल सेगमेंट में फर्स्ट सेक्रेटरी अनुपमा सिंह ने कहा- हम उस देश पर और ज्यादा ध्यान नहीं दे सकते जो दुनिया भर के आतंकियों को पनाह देता है। ऐसा देश जो लाल रंग (खून) में डूबा हुआ है। उनके अपने लोगों को शर्मिंदगी महसूस होती है कि उनकी सरकार उनके हितों के लिए काम करने में नाकाम रही है। अनुपमा सिंह ने कहा- पाकिस्तान ने बार-बार भारत का जिक्र किया। यह बहुत निराशाजनक है कि परिषद के मंच पर भारत के बारे में खुलेआम झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न हिस्सा है।

केंद्रशासित जम्मू-कश्मीर में सामाजिक और आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने संवैधानिक प्रयास किए हैं। ये भारत के आंतरिक मामले हैं और इनमें किसी की भी दखलअंदाजी हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। अनुपमा सिंह ने कहा- एक ऐसा देश जिसमें अल्पसंख्यकों के सिस्टमैटिक उत्पीड़न को संस्थाएं सपोर्ट करती हैं, जिसका मानवाधिकार रिकॉर्ड वास्तव में निराशाजनक है वह भारत पर टिप्पणी कर रहा है।

उन्होंने इस मौके पर पाकिस्तान में ईसाई समुदाय पर हमले का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा- अगस्त 2023 में पाकिस्तान के जरनवाला शहर में अल्पसंख्यक ईसाई समुदाय पर क्रूरता की गई। इस दौरान 19 चर्च तबाह कर दिए गए। 89 ईसाई घरों को जला दिया गया।

यूएन में पहले भी उठा कश्मीर मुद्दा

1. अगस्त 2023 : यूएनएससी में पाकिस्तान ने कश्मीर का मुद्दा उठाया था। इस पर भारत ने कहा था कि बार-बार कश्मीर राग अलापने की जगह पाकिस्तान को अपने देश पर ध्यान देना चाहिए। यूएन मिशन में मौजूद भारत के काउंसलर आर मधुसूदन ने कहा था कि इस परिषद के समय का सही इस्तेमाल तभी हो पाएगा जब दूसरे देशों के डेलिगेशन मेरे देश पर आरोप लगाने की बजाय अपने मुल्क के मसलों पर ध्यान दें। वे बार-बार अपने एजेंडा के लिए यूएन काउंसिल का ध्यान भटकाने की कोशिश करते रहते हैं।

2. जुलाई 2023 : ब्रिटेन में हुई यूएनएससी की एक बैठक में पाकिस्तान ने फिर जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया था। इस पर यूएन में भारत के मिशन काउंसलर आशीष शर्मा ने कहा था- लद्दाख और जम्मू-कश्मीर हमेशा भारत का अभिन्न हिस्सा थे और रहेंगे। इस पर पाकिस्तान क्या सोचता या चाहता है इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

आशीष शर्मा ने कहा था- यूएनएससी में एक डेलिगेशन ने मेरे देश के खिलाफ जहर उगला है, जो राजनीति से प्रेरित है। हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। जो लोग खुद कट्टरता में डूबे हुए हैं वो भारत के समाज और यहां रह रहे अलग-अलग समुदाय के लोगों की एकता को नहीं समझ सकते। हम इस तरह के बयान की कड़ी निंदा करते हैं।

पुतिन बोले- पश्चिमी देश रूस-यूक्रेन को बर्बाद करना चाहते हैं

मास्को, 29 फरवरी (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आज देश के नाम संबोधन दे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा- रूस के बिना विश्व में शांति संभव नहीं है। पश्चिमी देश रूस और यूक्रेन दोनों को बर्बाद करना चाहते हैं। हमारे अंदरूनी मामलों में कोई दखल नहीं दे सकता।

पुतिन ने कहा यूक्रेन में हो रहे स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन में हमें जनता का समर्थन मिला। उन्होंने जंग लड़ रहे सैनिकों को हीरो बताया। उन्होंने कहा- सैनिकों को पूरे देश का समर्थन मिल है। पुतिन जंग में मारे गए सैनिकों के लिए एक पल के लिए मौन हुए। इसके बाद उन्होंने कहा- रूस अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ रहा है। अमेरिका देश में फूट डालने की कोशिश कर रहा है। वो देश में विभाजन को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से दृढ़ है। लेकिन एकता के जरिए हम किसी भी परिस्थिति का सामना कर सकते हैं।

दो पाकिस्तानियों पर आरोप तय

इस्लाम विरोधी नेता गीर्ट वाइल्डर्स के खिलाफ फतवा जारी किया था, ये पीएम की रेस में सबसे आगे

एम्सटर्डम, 29 फरवरी (एजेंसियां)। नीदरलैंड की कोर्ट ने दो पाकिस्तानी नागरिकों पर आरोप तय किए हैं। दोनों ने इस्लाम विरोधी नेता गीर्ट वाइल्डर्स की हत्या की मांग की थी। गीर्ट पीएम की रेस में सबसे आगे हैं।

दोनों पाकिस्तानियों में से एक 55 साल का मौलवी है और दूसरा 29 साल का पॉलिटिकल लीडर है। गीर्ट ने अपने X अकाउंट पर यह खबर शेयर की। लिखा- मेरे खिलाफ फतवा जारी करने वालों पर आरोप तय हो गए हैं। उम्मीद है उन्हें जल्द सजा होगी। अदालत ने कहा कि प्रोसिक्यूटर ने पाकिस्तान से दोनों संदिग्धों को नीदरलैंड प्रत्यापित करने के लिए कहा है, जिससे उन पर केस चलाया जा सके। दोनों पाकिस्तानियों पर आरोप है कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से लोगों से वाइल्डर्स को मारने की मांग की थी। कहा था कि ऐसा करने वालों को जन्नत में इनाम मिलेगा।

डच प्रोसिक्यूशन सर्विस ने पाकिस्तानी अधिकारियों को आपराधिक मामलों में कानूनी मदद करने के लिए एक अनुरोध भेजा है। इसमें अदालत में पेश होने के लिए समन भेजे जाने की सर्विस शुरू करने की अपील की है। डच अधिकारियों ने संदिग्धों से पूछताछ करने की इजाजत मांगी है। ऐसा इसलिए क्योंकि आपराधिक मामलों में कानूनी मदद को लेकर नीदरलैंड और पाकिस्तान के बीच कोई संधि नहीं है। पार्टी ने सार्वजनिक तौर पर हिजाब को गैरकानूनी घोषित करने के साथ-साथ मस्जिदों और कुरान पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दिया था। हालांकि हाल ही में उन्होंने कहा था- प्रधानमंत्री बनने के बाद कुरान, मस्जिदों पर बैन नहीं लगाऊंगा। गीर्ट ने कहा था- मैंने अपने मेनिफेस्टो में कुरान, इस्लाम से जुड़े स्कूल, मस्जिदों को बैन करने की बात कही थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। हमने अपनी सरकार को उदारवादी बनाने के लिए यह फैसला लिया है। हालांकि हम अब भी सार्वजनिक जगहों पर इस्लामी स्कार्फ (हिजाब) पहने जाने के खिलाफ हैं।

गीर्ट वाइल्डर्स उन चंद लोगों में शामिल हैं, जिन्होंने साल 2022 में पैगंबर मोहम्मद पर दिए गए नूपुर शर्मा के बयान पर उनका बचाव किया था। गीर्ट ने कहा था कि नूपुर को पैगंबर मोहम्मद के बारे में सच बोलने के लिए कभी माफी नहीं मांगनी चाहिए। गीर्ट ने एक ट्वीट कर नूपुर के बयान का पुरजोर समर्थन किया था।

मिशेल ओबामा को बनाएं प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट

ताजा पोल में करीब 50% लोगों ने मिशेल का नाम सुझाया, कमला हैरिस-हिलेरी क्लिंटन भी पसंद

वॉशिंगटन, 29 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में हुए एक ताजा सर्वे में डेमोक्रेटिक पार्टी के 48% समर्थकों ने कहा है कि अगर 81 साल के जो बाइडेन नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से हटते हैं तो उनकी जगह पूर्व प्रथम महिला मिशेल ओबामा को कैंडिडेट बनाया जाना चाहिए। 'रासमुसेन पोल्स' को सियासी तौर पर भरोसेमंद माना जाता है। हालांकि, इसी पोल में कुछ डेमोक्रेट समर्थक ऐसे भी हैं, जो वाइस प्रेसिडेंट कमला हैरिस और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन को भी समर्थन दे रहे हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी में बाइडेन की फिजिकल और मेंटल फिटनेस को लेकर सवालिया निशान हैं। खासतौर पर उनकी याद्दाश्त को लेकर डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक सवाल उठाते हैं। इसकी शुरुआत डोनाल्ड ट्रम्प ने तीन साल पहले ही शुरू कर दी थी।

हालिया सर्वे के मुताबिक- 48% डेमोक्रेट समर्थक मानते हैं कि बाइडेन को रिप्लेस करने की जरूरत है और इसके लिए मिशेल ओबामा सबसे सही विकल्प हैं। 33% लोग मानते हैं कि इसका असर चुनावी नतीजों पर पड़ सकता है। इस रेस में कमला हैरिस, हिलेरी क्लिंटन और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम के नाम भी हैं। हालांकि, मिशेल का दावा सबसे दमदार नजर आता है। कमला हैरिस को 15% वोट मिले। वहीं, हिलेरी क्लिंटन 12% वोट्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि मिशेल से पार्टी की तरफ से संपर्क किया गया है। उनसे कहा गया है कि वो नवंबर में होने वाले प्रेसिडेंशियल इलेक्शन में कैंडिडेट बनने पर विचार करें। मिशेल ने पिछले महीने कहा था- नवंबर में होने वाले चुनाव को लेकर मेरे मन में डर है। हम लोकतंत्र को हल्के में नहीं ले सकते, क्योंकि कई बार मुझे लगता है कि यही हो रहा है।

विपक्षी पार्टी ने प्रवासी भारतीयों से जुड़ने को शुरू की 'लेबर इंडियंस' पहल

लैमी ने भारत को बताया महाशक्ति

लंदन, 29 फरवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन में इस साल के आखिर में होने वाले आम चुनाव में विपक्षी लेबर पार्टी अपनी नैया पार लगाने के लिए ब्रिटिश भारतीयों को साधने में जुट गई है। लेबर पार्टी ने प्रवासी भारतीयों से जुड़ने और सत्ता में आने के बाद एक साल में भारत के साथ बातचीत को मजबूत करने के मकसद से नया प्रवासी आउटरीच कार्यक्रम शुरू किया है। लेबर पार्टी के विदेश मामलों के सचिव डेविड लैमी ने लंदन में संसद भवन परिसर में 'लेबर इंडियंस' पहल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अपनी हालिया भारत यात्रा का जिक्र किया। साथ ही लैमी ने लेबर पार्टी के आगामी चुनाव में जीतने पर भारत-ब्रिटेन साझेदारी को नई ऊंचाई पर ले जाने की अपनी महत्वाकांक्षाओं को साझा किया। भारत को महाशक्ति बताते हुए लैमी ने कहा कि भारत की रणनीतिक साझेदारी दलगत राजनीतिक से परे है। उन्होंने कहा, उद्यमशीलता, इनोवेशन, वैज्ञानिक, औद्योगिक आधार और बड़ी आबादी के साथ एक महाशक्ति है। लैमी ने कहा, हालांकि भारत के सामने अभी भी चुनौतियां हैं। लेकिन मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस भू-राजनीतिक समय में ब्रिटेन को यह समझना बेहद महत्वपूर्ण है कि भारत दुनिया की एक महाशक्ति है। उन्होंने आगे कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि भारत के प्रधानमंत्री कौन हैं और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कौन हैं, क्योंकि रणनीतिक रूप से दोनों देशों के बीच बहुत मजबूत संबंध हैं।

पूर्व लेबर नेता जेरेमी कॉर्बिन के नेतृत्व में पार्टी से जुड़ी कुछ भारत विरोधी बयानबाजी के बारे में पूछे जाने पर लैमी ने कहा कि लेबर पार्टी ने नई यात्रा शुरू की है और कीर स्टार्मर के नेतृत्व में पार्टी ने अपनी नीतियों में बदलाव किया है।

तबादलों का मुद्दा गरमाया, बीजेपी नेताओं की टेंशन भी बढ़ी

डोटासरा बोले- जाति देखकर किए जा रहे ट्रांसफर

जयपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनावों से पहले जाट वर्ग की नाराजगी बीजेपी की चिंता बढ़ा सकती है। मुद्दा सरकार की तबादला नीति को लेकर गरमाया। इसमें आरोप लगाए गए कि तबादले एक वर्ग को टारगेट करके किए गए। इसके प्रमाण में कई सूचियां सोशल मीडिया पर वायरल की गई जिसमें कई जिले में जाट अफसरों और कर्मचारियों के जबरदस्त संख्या में तबादले किए गए। न सिर्फ तबादले बल्कि उन्हें जैसलमेर और बाड़मेर जैसी बॉर्डर इलाकों में भी भेजा रहा है जिस सरकारी भाषा में सजा के तौर पर तबादला माना जाता है

अमर उजाला ने उठाया सबसे पहले मुद्दे

अमर उजाला ने सबसे पहले राजस्थान में ताबादलों का मुद्दा उठाया था। इसमें कांग्रेस के जाट नेताओं से बातचीत भी की थी। अब वर्ग के दबाव के बाद कई कांग्रेस नेता इस मामले में एक-एक कर बयान देने के लिए आगे आ रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पूरे प्रदेश में हाल में हुए टांसफर्स में राजनीतिक दुर्भावना साफ देखी जा सकती है। कुछ नकारात्मक सोच के भाजपा नेताओं ने बदले की भावना से सरकारी कर्मचारियों का जाति के आधार पर तबादला कर दिया। समाज को बांटने की मंशा से यह काम उचित नहीं है।

इससे पहले कांग्रेस के बायतू विधायक और एआईसीसी में दक्षिण भारत की स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन हरीश चौधरी व लाडनू विधायक मुकेश भाकर ने भी खुलकर इस मामले में सरकार पर सवाल खड़े किए।

बीजेपी के नेताओं का विरोध शुरू

तबादलों को लेकर नाराज कर्मचारी वर्ग अब बीजेपी के जाट नेताओं को खरी खोटी सुनाने लगा है। जाट जाति से आने वाले मालपुरा विधायक व सरकार के कैबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में इस मुद्दे को लेकर लोगों का विरोध झेलना पड़ गया। हालांकि उन्होंने इन आरोपों को राजनीतिक करार दिया।

जाटों को एक मंच पर लाने की तैयारी

लोकसभा चुनावों से पहले अब जाट वर्ग को साधने के लिए जाति के शीर्ष नेता और विधायक एक मंच पर आने की तैयारी कर चुके हैं। राजस्थान में अब राष्ट्रीय तेजा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें बीजेपी और कांग्रेस सहित अन्य दलों के शीर्ष जाट नेताओं को बुलाया जा रहा है। हरीश चौधरी का कहना है कि अल्प वेतन भोगी सरकारी कर्मचारियों को सिर्फ इसलिए इधर-उधर किया जा रहा है कि वे एक जाति से संबंधित हैं। मेरे विचार में यह उचित तो कतई नहीं है। मेरी विधानसभा में भी ऐसे कई मामले हैं। सरकार को इसे देखना चाहिए।

गंभीर अपराध में लोक सेवक के विरुद्ध सरकार से अभियोजन स्वीकृति आवश्यक नहीं: हाईकोर्ट

जोधपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। कोर्ट ने प्रोटेस्ट पिटीशन को स्वीकार करते हुए सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ आइपीसी की विभिन्न धाराओं में प्रसंज्ञान लेने का आदेश दिया है। मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में लिखा कि गंभीर अपराध में लोक सेवक के विरुद्ध सरकार से अभियोजन स्वीकृति आवश्यक नहीं है।

महानगर मजिस्ट्रेट ने सात वर्ष पूर्व आरटीआइ कार्यकर्ता नंदलाल व्यास के साथ मारपीट करने व रास्ता रोकने के लिए मामले में मंडोर स्थित कृषि विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति बलराजसिंह चौधरी, कुल सचिव ईश्वर सिंह, कुलपति के ड्राइवर भंवराराम चौधरी, कुलपति के पीए सुनीलकुमार तथा खीमानाथ के खिलाफ पुलिस की ओर से पेश एफआर नामंजूर कर दी है। कोर्ट ने प्रोटेस्ट पिटीशन को स्वीकार करते हुए सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों के खिलाफ आइपीसी की विभिन्न धाराओं में प्रसंज्ञान लेने का आदेश दिया है। मामले के सभी आरोपियों को कोर्ट ने आगामी पेशी पर बेलेबल वारंट से तलब किया है। अगली सुनवाई 26 मार्च को होगी। मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में लिखा कि गंभीर अपराध में लोक सेवक के विरुद्ध सरकार से अभियोजन स्वीकृति आवश्यक नहीं है। बलराजसिंह चौधरी वर्तमान में कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलपति हैं।

बेईमान अधिकारी या प्रतिनिधि सहानुभूति का पात्र नहीं: हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने घूस लेते पकड़े गए सरपंच संजय सुखवाल के निलंबन के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायाधीश विनित कुमार माथुर की एकल पीठ ने कहा कि बेईमान अधिकारी या व्यक्ति किसी सहानुभूति व उदारता का पात्र नहीं है।

हाईकोर्ट में संजय सुखवाल ने अपने निलंबन आदेश को चुनौती दी थी। न्यायाधीश माथुर ने कहा कि याचिकाकर्ता को निलंबित कर देना मात्र कोई सजा नहीं है।

सीएस सुधांश पंत ने हाउसिंग बोर्ड डिपार्टमेंट में मारा 'छापा', मच गया हड़कंप

जयपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। सीएस सुधांश पंत ने मुख्यालय में कुछ ज़रूरी कमरों में जाकर फाइलों को खंगाला और कार्मिकों से जवाब-तलब किया। इस दौरान उन्होंने कार्मिकों की हाजरी रजिस्टर को भी जांचा।

राजस्थान में 'डबल इंजन' की सरकार बनने के बाद नौकरशाही को 'टाइट' करने की कवायद जारी है और इस कवायद का नेतृत्व कर रहे हैं मुख्य सचिव सुधांश पंत। पंत इन दिनों कभी भी किसी भी डिपार्टमेंट में 'छापा मार' कार्रवाई करते दिख जाते हैं। खासतौर से राजधानी जयपुर में स्थित ऐसे महकमों के हेड ऑफिस पंत के निशाने पर हैं जिसका जनहित के कार्यों से सबसे ज़्यादा जुड़ाव है।

गौरतलब है कि मुख्य सचिव सुधांश पंत हाउसिंग बोर्ड से पहले जयपुर स्थित कलेक्ट्रेट और जयपुर विकास प्राधिकरण सहित कई अन्य मुख्यालयों का औचक निरीक्षण कर चुके हैं।

सरकारी महकमों में औचक निरीक्षण का पंत का अभियान गुरुवार को भी जारी रहा, जहां वे सुबह-सुबह हाउसिंग बोर्ड मुख्यालय पहुंच गए। ज़ाहिर है मुख्य सचिव के अचानक से दफ्तर पहुंचने से जो हड़कंप मचना लाज़मी था, वैसा ही हुआ। हाउसिंग बोर्ड परिसर में मुख्य सचिव की औचक मजूदगी से इधर-उधर फोन घनघनाना शुरू हो गए। जो लोग दफ्तर पहुंच चुके थे वो दफ्तर से गायब दिख रहे अपने साथी कार्मिकों को फोन करते नज़र आये।

हाजरी रजिस्टर जांचा, फाइलें खंगाली

सीएस सुधांश पंत ने मुख्यालय में कुछ ज़रूरी कमरों में जाकर फाइलों को खंगाला और कार्मिकों से जवाब-तलब किया। इस दौरान उन्होंने कार्मिकों की हाजरी रजिस्टर को भी जांचा।

कार्मिकों को दे डाली हिदायतें

सीएस सुधांश पंत ने कार्मिकों को समय पर दफ्तर पहुंचने, जनहित से जुड़े कार्यों को समयबद्ध निपटाने और पेंडिंग फाइलों को जल्द से जल्द निपटाने पर ज़ोर दिया। साथ ही प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार कार्यों को प्राथमिकता से समय पर पूरा करने की भी हिदायत दी।

2 से ज्यादा बच्चे हैं तो नहीं मिलेगी सरकारी नौकरी

सुप्रीम कोर्ट ने भी दिया झटका

जयपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान में सरकारी नौकरी के लिए दो बच्चों की शर्त वाली नीति पर मुहर लगा दी है। इसके अनुसार अगर किसी के 2 से ज्यादा बच्चे हैं तो उसे सरकारी नौकरी नहीं मिल पाएगी।

राजस्थान में अभी तक पंचायत चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों पर दो बच्चों की नीति लागू होती थी। अब सरकारी नौकरी के लिए भी यह नियम लागू कर दिया गया है। यानी कि अगर किसी के 2 से ज्यादा बच्चे हैं तो उसे सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। इस नीति को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी अनुमति मिल गई है। उल्लेखनीय है कि करीब 21 साल पहले पंचायत चुनाव के लिए इस नीति को अनिवार्य किया गया था। ऐसे में उन लोगों को बड़ा झटका लगा है जो सरकारी नौकरी की तलाश में हैं और जिनके 2 से ज्यादा बच्चे हैं।

एक पूर्व सैनिक ने दाखिल की थी याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला पूर्व सैनिक रामलाल जाट की ओर से दाखिल अपील को खारिज करते हुए सुनाया। रामलाल जाट साल 2017 में रिटायर हुए थे और मई 2018 में उन्होंने राजस्थान पुलिस में कॉन्स्टेबल पद के लिए आवेदन किया था। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम 1989 के नियम 24 (4) के तहत उनकी याचिका को खारिज किया। इस नियम के तहत प्रावधान है कि अगर किसी उम्मीदवार के 2 या ज्यादा बच्चे हैं तो वह सरकारी नौकरी के लिए योग्य नहीं होगा। रामलाल जाट के 2 से ज्यादा बच्चे हैं। उन्होंने राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

हाईकोर्ट के फैसले में दखल की जरूरत नहीं

जस्टिस सूर्यकांत, दीपांकर दत्ता और केवी विश्वनाथन की पीठ ने रामलाल जाट की याचिका खारिज करते हुए कहा कि पंचायत चुनावों को लेकर इसी तरह के एक प्रावधान को सुप्रीम कोर्ट ने साल 2003 में बरकरार रखा था। इसके तहत उन लोगों के आवेदन पर रोक लगाई जाती है जिनके 2 से ज्यादा बच्चे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने रामलाल जाट की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि इस मामले में हाईकोर्ट ने जो फैसला दिया था उसमें दखल देने की जरूरत नहीं है। बता दें कि इस फैसले से उन लोगों को बड़ा झटका लगा है जो प्रदेश में सरकारी नौकरी ढूंढ रहे हैं और जिनके 2 से ज्यादा बच्चे हैं।

अपनी ही बीजेपी सरकार के खिलाफ उतरे एबीवीपी कार्यकर्ता

क्यों कर डाला प्रदेशव्यापी आंदोलन का ऐलान?

जयपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में बिगड़ती क़ानून व्यवस्था का मुद्दा, सरकार बदलने के बाद भी नहीं बदल रहे हालात, अपनी ही सरकार के खिलाफ एबीवीपी का प्रदर्शन, अपराधों में नहीं कस पा रही नकेल- कार्यकर्ता नाराज़ है। प्रदेश में 'डबल इंजन' की सरकार बने लगभग ढाई महीने बीतने के बाद भी आपराधिक मामलों पर लगाम नहीं लग पा रही है। यही कारण है कि बिगड़ी क़ानून व्यवस्था का मुद्दा एक बार फिर उठने लगा है। लेकिन हैरत की बात ये है कि इस मुद्दे को विपक्ष में बैठी कांग्रेस के बजाए सत्तारूढ़ भाजपा का ही छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) पुरज़ोर से उठाने लग रहा है।

नौबत तो यहां तक आ गई है कि एबीवीपी कार्यकर्ताओं को अपनी ही सरकार के खिलाफ ना सिर्फ सड़कों पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन ही करना पड़ रहा है, बल्कि प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करने को लेकर भी चेताया जा रहा है। एबीवीपी की जयपुर प्रांत इकाई के एक प्रदर्शन ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। राजस्थान यूनिवर्सिटी गेट पर हुए इस प्रदर्शन में शामिल पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सरकार और पुलिस विरोधी नारे लगाए। ये प्रदर्शन एबीवीपी के राजस्थान विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष रोहित मीणा और महानगर मंत्री ट्विंकल की मौजूदगी में हुआ।

गोगामेड़ी की हत्या केस

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की पत्नी ने दे डाली चेतावनी

जयपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। श्रीराष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या को 80 दिन बीत गए। हत्या के बाद प्रदर्शन कर रहे लोग व परिजन से प्रशासन ने जो वादे किए, वे आज तक पूरे नहीं हुए। दिवंगत सुखदेव की पत्नी शीला ने प्रेस क्लब में यह जानकारी दी।

श्रीराष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या को 80 दिन बीत गए। हत्या के बाद प्रदर्शन कर रहे लोग व परिजन से प्रशासन ने जो वादे किए, वे आज तक पूरे नहीं हुए। दिवंगत सुखदेव की पत्नी शीला ने प्रेस क्लब में यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि सरकार के समक्ष 11 सूत्री मांगें रखी गई थी। जिनमें एनआइए की जांच और सुरक्षा की दो मांग मानी गई है। परिजन को आज तक न तो सरकारी नौकरी दी गई और न ही मुआवजा दिया। उन्होंने कहा कि एनआइए ने भी कोर्ट से 90 दिन का समय और मांगा है। गोगामेड़ी पर हमले में एक अन्य मृतक अजित राजावत के परिवार ने भी न्याय की गुहार लगाई है।

कन्हैयालाल का गला काटने वालों को पकड़वाया, प्रहलाद को मिली नौकरी

उदयपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। 28 जून 2022 को राजस्थानके उदयपुर जिले में हुए कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपियों को पकड़वाने वाले प्रहलाद सिंह चुंडावत के सरकार ने नौकरी दे दी है। 32 साल के प्रहलाद सिंह को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पद पर नियुक्ति दी गई है।

दरअसल, जिला स्तरीय कमेटी ने 30 जनवरी को राजसमंद निवासी प्रहलाद सिंह चुंडावत पुत्र मनोहर सिंह चुंडावत की शैक्षणिक योग्यता के आधार पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर नियुक्ति करने की अनुशंसा की थी। इसके बाद प्रहलाद को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में नियुक्ति किया गया। प्रहलाद की पद स्थापन उपखंड कार्यालय देवगढ़ में रहेगी।

आरोपियों को पकड़वाने में प्रहलाद ने किया सहयोग

दरअसल, 28 जून 2022 उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल की गला काटकर हत्या कर दी गई थी। कुछ ही देर में इस हत्याकांड की सूचना प्रदेश ही नहीं देशभर में आग की तरह फैल गई। पुलिस कन्हैयालाल के हत्यारों को तलाश रही थी, इसी बीच सूचना मिली कि आरोपी भीम उपखंड की ओर जा रहे हैं। देवगढ़ थाने में तैनात कांस्टेबल बाबू सिंह ने प्रहलाद को कॉल किया कि कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपी गांव की तरफ आ रहे हैं, उन पर नजर रखना। जिस समय कांस्टेबल का कॉल आया उस दौरान ताल निवासी प्रहलाद सिंह अपने एक साथी शक्ति सिंह के साथ गांव में थड़ी पर चाय पी रहा था, कॉल कटने के कुछ ही देर बाद उसे पल्सर बाइक पर दो लोग जाते थे, जिनका हुलिया कन्हैयालाल के हत्यारों से मिल रहा था। प्रहलाद ने तत्काल बाइक उनके पीछे लगाई और पुलिस को सूचना दी। आरोपियों का पीछा करते हुए वे टोगी मोड़ तक आए और यहां उन्हें पुलिस भी मिल गई। कुछ दूर आगे जाकर पुलिस ने दोनों मुख्य आरोपियों रियाज और गोस मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया।

विदेशी पर्यटक की हरकत से भड़की हथिनी गौरी

सूंड से पकड़ा, घुमाया और फिर पटक दिया

जयपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के आमेर महल को पर्यटकों को सवारी कराने वाली हथिनी गौरी एक बार फिर भड़क गई। हथनी गौरी ने रूसी पर्यटक को पहले सूंड से पकड़ा, घुमाया और फिर फेंस दिया। गौरी के पटकने के कारण महिला पर्यटक घायल हो गई, बाद में उसे इलाज के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार यह घटना 13 फरवरी है। हाथी पर्यटकों को आमेर महल के जलेब चौक पर लेकर पहुंचे थे। इस दौरान एक रूसी पर्यटक मारिया हथिनी गौरी पर बैठी हुई थी। मारिया के गौरी के मुंह और आंख पर हाथ लगाया तो वह भड़क गई और उसे उठाकर जमीन पर पटक दिया। प्रशासनिक वाहन से मरिया को तत्काल सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया। हाथी के पकटने के कारण उसके पेर में फ्रैक्चर हो गया था। इसके अलावा कुछ मामूली चोटें भी आई थीं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका भर्ती में बड़ा बदलाव, वेतन बढ़ोतरी को लेकर भी खुशखबरी

जयपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने चयन शर्तों में संशोधन को स्वीकृति देकर राज्य में अविवाहित महिलाओं के लिए भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका बनने का रास्ता खोल दिया है। दिया कुमारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन अनुसार महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में पहली बार ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के पदों के आवेदन करने के लिए सभी महिलाएं पात्र होंगी। इसके लिए चयन शर्तों में संशोधन किया गया है।

महिला एवं बाल विकास शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बताया कि उप मुख्यमंत्री के द्वारा आंगनबाड़ी मानदेय कर्मियों की चयन शर्तों में संशोधन की स्वीकृति देकर अविवाहित महिलाओं को भी इस क्षेत्र में अवसर देने की पहल की गई है।

कुणाल ने बताया कि उपमुख्यमंत्री ने राज्य में जो साथिन दो वर्ष की कार्य निरंतरता का अनुभव रखती हैं उन्हें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के लिए आवेदन करने पर अनुभव में वरीयता दी जाने को स्वीकृति दी है। इसके लिए उन्हें बोनस में चार अंक दिए जाएंगे जो उनका चयनित होना और आसान करेंगे।

उन्होंने बताया कि उपमुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका और साथिनों के मानदेय में भी 10 प्रतिशत की वृद्धि को भी स्वीकृति दी है और बढ़ा हुआ दस प्रतिशत मानदेय आगामी अप्रैल महीने से शुरू हो रहे वित्त वर्ष में मिलना शुरू हो जाएगा।

पत्नी रूठी, शादी टूटी, अफेयर पर घिरे, हिमाचल को सियासी टेंशन देने वाले नेता का राजस्थान कनेक्शन

जयपुर, 29 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल में सियासी हलचल मची हुई है, कांग्रेस की सरकार खतरे में है। कई कांग्रेस विधायकों ने पार्टी से बगावत कर दी है, यह विधायक मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह खुक्खू से नाराज बताए जा रहे हैं। इसी नाराजगी के कारण सरकार में पीडब्ल्यूडी मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने इस्तीफा दे है। इससे पहले उन्होंने सरकार पर जनता की अनेदखी समेत कई आरोप लगाए थे। लेकिन, हम यहां हिमाचल के सियासी संकट पर नहीं, विक्रमादित्य सिंह के राजस्थान कनेक्शन पर करेंगे।

सबसे पहले जानिए कौन है विक्रमादित्य सिंह?

हिमाचल के बुशहर राजघराने से ताल्लुक रखने वाले विक्रमादित्य सिंह पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह के बेटे हैं। 17 अक्टूबर 1989 को जन्में विक्रमादित्य ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफन्स कॉलेज से ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुशन की है। विक्रमादित्य की मां प्रतिभा सिंह भी राजनीति में हैं, वे वर्तमान में मंडी लोकसभा सीट से सांसद हैं। विक्रमादित्य हिमाचल प्रदेश यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वे शिमला ग्रामीण सीट से विधानसभा चुनाव जीतकर विधायक बने और फिर पीडब्ल्यूडी मंत्री भी बने।

विक्रमादित्य का राजस्थान के क्या है नाता?

हिमाचल के बुशहर राजघराने से ताल्लुक रखने वाले विक्रमादित्य सिंह ने राजकुमारी सुदर्शना चुंडावत से शादी की थी। सुदर्शना राजस्थान के अमेट राजघराने से ताल्लुक रखती हैं। विक्रमादित्य ने उनसे सात साल छोटी सुदर्शना के साथ 2019 में शादी के बंधन में बंधे थे। मार्च 2019 में ददयपुर के कनोता गढ़ पैलेस में हुई इस शाही शादी में राजनीति, उद्योग और फिल्म जगत की तमाम बढ़ी हस्थियां शामिल हुई थी। लेकिन, यह रिश्ता ज्यादा दिनों तक नहीं चल सका। शादी के डेढ़ साल बाद ही

दोनों के रिश्ते में दरार आ गई। कुछ दिन बाद सुदर्शना चुंडावत ने पति विक्रमादित्य का घर छोड़ दिया और अपने पीहर उदयपुर वापस लौट आईं।

सुदर्शना ने एसपी को दी शिकायत

उदयपुर आने के बाद सुदर्शना चुंडावत ने एसपी को शिकायत दी, जिसमें विक्रमादित्य और उनके परिवार वालों पर कईं गंभीर आरोप लगाए गए, जिससे ये मामला सुर्खियों में आ गया। अपनी शिकायत में सुदर्शना चुंडावत ने कहा कि उनके पति और सास ने उनकी जिंदगी को नर्क बना दिया।

शिकायत में यह गंभीर आरोप लगाए

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सुदर्शना ने एसपी को दी गई शिकायत में दावा किया था कि उनके पति विक्रमादित्य सिंह का एक लड़की से अफेयर चल रहा है। लड़की चंदीगढ़ में रहती है और विक्रमादित्य ने उससे शादी का वादा भी किया था। इसकी जानकारी सुदर्शना ने अपनी सास प्रतिभा सिंह को दी तो उन्होंने इसे अनसुना कर दिया। सुदर्शना की शिकायत के अनुसार इस दौरान सास प्रतिभा ने उन्हें बताया कि एक पंडित के कहने पर विक्रमादित्य की शादी तुम्हारे साथ कराई थी। अगर, उस लड़की से शादी कराते तो उसकी मौत हो सकती थी। इस कारण उपाय के तौर पर यह शादी कराई गई थी। सुदर्शना ने विक्रमादित्य पर अपनी प्रेमिका के साथ मिलकर उन्हें ड्रग्स देने तक का आरोप लगाया था। सुदर्शना ने ड्रग्स के कारण उनका मानसिक संतुलन बिगड़ने की बात भी कही थी।

कोर्ट में चल रहा केस, इसी महीने दिए थे यह आदेश

सुदर्शना की शिकायत के अनुसार 8 जुलाई 2021 को ससुर वीरभद्र सिंह का निधन के कुछ समय बाद पति विक्रमादित्य और सास प्रतिभा ने उन्हें घर से निकाल दिया था। सुदर्शना द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद मामला कोर्ट पहुंचा और तब से सुनवाई चल रही है। उदयपुर की एक फैमिली कोर्ट ने मामले में इसी महीने अंतरिम भरण पोषण देने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने विक्रमादित्य को पत्नी सुदर्शना को चार लाख रुपये प्रतिमाह देने के लिए कहा था। यह रकम केस चलने तक दी जाएगी। मामले में फाइनल फैसला आना अभी बाकी है।

वाराणसी से सिकंदराबाद नई ट्रेन चलाने की मांग

हैदराबाद, 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नार्थ पीपुल्स एसोसिएशन, तेलंगाना और बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के बैनर तले वाराणसी, चंदौली व जौनपुर सहित पूर्वांचल के समाजसेवियों का एक प्रतिनिधिमंडल जनसंपर्क कार्यालय वाराणसी संसदीय क्षेत्र (पीएमओ) कार्यालय में विधायक सौरभ श्रीवास्तव से मिला। उनको सिकंदराबाद से वाराणसी और वाराणसी से सिकंदराबाद के लिए नई ट्रेन चलाने की मांग को लेकर एक मांग पत्र सौंपा गया।

नार्थ पीपुल्स एसोसिएशन तेलंगाना के कोषाध्यक्ष श्याम मोहन यादव ने अपनी मांग पत्र में कहा है कि उत्तर प्रदेश के लिए एकमात्र सीधी ट्रेन सिकंदराबाद - दानापुर एक्सप्रेस (12791) चल रही है। इकलौती ट्रेन होने के चलते आने-जाने वाले यात्रियों की संख्या के सापेक्ष इस ट्रेन में सीटें नहीं मिल पाती है। परिणाम यह है कि वाराणसी व

सिकंदराबाद में रोजाना हजारों रेल यात्री यात्रा नहीं कर पा रहे है।

नार्थ पीपुल्स एसोसिएशन तेलंगाना के कोषाध्यक्ष श्याम मोहन यादव व पत्रकार सुरेश गांधी ने प्रधानमंत्री कार्यालय में जनशिकायतों की सुनवाई कर रहे वाराणसी कैंट के भाजपा विधायक सौरभ श्रीवास्तव को बताया कि तेलंगाना में लाखों की संख्या में रहने वाले बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश के लोग आवागमन के लिए एकमात्र वाराणसी - सिकन्दराबाद ट्रेन से अपनी जान जोखिम में डालकर यात्रा करते हैं। साथ ही वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या तीर्थ स्थल होने के कारण भारी संख्या में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक के दर्शनार्थी या टूरिस्ट भी गर्मी और अन्य छुट्टियों के दिनों में इसी ट्रेन को अपनी सफर का जरिया बनाते हैं। लेकिन संख्या अधिक होने के चलते यात्रियों को बर्थ के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता है। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और बीमार लोगों को बहुत ही कठिनाई का सामना करना पडता है। पीपुल्स एसोसिएशन, तेलंगाना, बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना आदि संस्थाएं और संगठन नई ट्रेनों को चलवाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन इस ओर संबंधित अधिकारियों का ध्यान नहीं जा पा रहा है। सीजन में टिकट न मिलने के कारण लोग बसों से यात्रा करने के लिए मजबूर हो रहे हैं। पहाड़ी व दुर्गम मार्ग होने के चलते बस में यात्रा के दौरान यात्री कई बार दुर्घटना के शिकार हो जाते है। श्याम मोहन यादव ने नॉर्थ पीपुल्स एसोसिएशन तेलंगाना के अध्यक्ष राजनारायन सिंह और बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव द्वारा प्रधानमंत्री के नाम संबोधित पत्र पीएमओ कार्यालय में विधायक सौरभ श्रीवास्तव को सौंपा। विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि नई ट्रेन चलाने के लिए पीएमओ से रेल मंत्री को पत्र जाएगा और वे रेल मंत्री से फोन पर भी बात करेंगे।

तुवर की फसल किसानों के लिय लाभदायक

मदनूर, 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सयुंक्त मदनूर मंडल कृषि अधिकारी राजू ने लिंबूर गांव में किसान पुरूषोत्तम पटेल द्वारा खेती में गुरुवार के दिन ग्रीष्म कालीन तुवर फसल का निरीक्षण किया।

उन्होंने इस समय बताया कि विशेषकर ग्रीष्म कालीन तूवर फसल लगाकर किसान कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। ग्रीष्म में, तुवर की फसल का मौसम बरसात के मौसम की तुलना में कम होता है और कटाई जल्दी की जाती है, तुवर की री भोई दिसंबर के महीने में की जाती है वर्तमान में, फसल अंकुरण एवं फलन अवस्था में है। इस कार्यक्रम में एईओ नंददेव एवं किसान पुरूषोत्तम पटेल शामिल हुए।

शिक्षा हर इंसान की तीसरी आंख : राव

हनमाकोंडा, 29 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। बाल कल्याण समिति अन्नमनेनी के अध्यक्ष अनिल चंद्र राव ने कहा कि शिक्षा हर इंसान की तीसरी आंख की तरह है। गुरुवार को भीमाराम ग्रामीण समाज कल्याण गुरुकुल स्कूल की बालिकाओं के लिए व्यक्तित्व विकास और आगामी परीक्षाओं की तैयारी पर जागरूकता सम्मेलन का आयोजन किया गया।

जिला बाल संरक्षण विभाग के तत्वावधान में स्थानीय प्राचार्य द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता ए हेमलता ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अनिल चंद्र राव ने कहा कि विद्यार्थी शिक्षा में रुचि लेकर माता-पिता के सपनों को पूरा करें और शिक्षकों द्वारा पढ़ाए गए पाठों को ध्यान से सुनें और भविष्य की दिशा तय करें। भविष्य में आगे बढ़ने के लिए छात्र अवस्था महत्वपूर्ण है।

समाज सेवा कार्यकर्ता एनआरआई नेमुरुगोम्मुला महेश राव ने कहा कि यदि छात्र अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में काम करते हैं, तो वे सफल होंगे, उच्च पद पर खड़े होंगे और एक आदर्श समाज के निर्माण में भागीदार बनेंगे।

संरक्षण पदाधिकारी एस प्रवीण कुमार ने बताया कि छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व विकास को निखारने के लिए मोटिवेशनल क्लास का आयोजन किया जा रहा है। प्रिंसिपल ए हेमलता ने कहा कि छात्रों को पढ़ाई के अलावा खेल और सांस्कृतिक क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए। कार्यक्रम में वरिष्ठ संकाय राधाकृष्ण, डीसीपीयू सामाजिक कार्यकर्ता जी सुनीता, चाइल्ड हेल्प लाइन केस वर्कर बी जयवर्धन और अन्य ने भाग लिया।

महंतेश्वर मठ के उत्तराधिकारी के रूप में नागेश्वर स्वामी नियुक्त

मदनूर, 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जुक्कल मंडल कौलस गांव में महंतेश्वर मठ उत्तराधिकारी के रूप में नागेश्वर मन्मथ मलिकार्जुन स्वामी को नियुक्त किया गया। गुरुवार को मठ में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम में मठाधीश मल्लिकार्जुन स्वामी महाराज के निर्देशन में उत्तराधिकारी की नियुक्ति की गई। कौलस के बसवलिंग शिवाचार्य महाराज, वृषभलिंग शिवाचार्य, हनेगाव शंकरलिंग शिवाचार्य महाराज, मल्लिकार्जुन शिवाचार्य महाराज और गुडीमेटाला महादेव स्वामी के मार्गदर्शन में भव्य तरीके से नागेश्वर को उत्तर अधिकारी किया गया। महाराष्ट्र के सोनारी गांव के नागेश्वर स्वामी को कौलस मठ के उतर अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया । इस कार्यक्रम में कौलस वीरशैव लिंगायत समाज के नेता वीरेश पटेल, प्रकाश पटेल, विनय पटेल, मल्लिकार्जुन अप्पा, बाबायप्पा, कसप्पा, बोडा सायालु और अन्य भक्तों ने भाग लिया।

साँझ के साथी की काव्य संध्या सम्पन्न

हैदराबाद, 29 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल सेवा दल के सदस्यों का पारिवारिक स्नेह मिलन सोमाजीगुडा में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित हास्य संध्या में साँझ के साथी के अध्यक्ष अजित गुप्ता के संचालन में वेणुगोपाल भट्टड़, अजित गुप्ता, वाहिद पाशा कादरी, ज्योति नारायण एंव कैलाश भट्टड़ ने काव्यपाठ किया।

कार्यक्रम में अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता शरद ब. पित्ती, रतन गुप्ता, विनय सी. अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, निखिल राणासरिया, कैलाश केडिया, दीपक गुप्ता, अग्रोहा बैंक के उपाध्यक्ष विजय गुप्ता, निदेशक लक्ष्मीनिवास शर्मा, उदय मोर, किरण कुमार, राजेश अग्रवाल, श्रीमती रमा पित्ती एवं शहर के प्रतिष्ठित साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित दी ग्रैन्ड बॉलरूम में राजस्थानी एवं दक्षिण भारतीय ज्वेलरी के लिए प्रसिद्ध बेंगलूरु के पंचकेशरी बडेरा ज्वेलर्स द्वारा ज्वेलरी प्रदर्शनी और बिक्री शो का आयोजन किया गया। 27 से 29 फरवरी तक चले इस प्रदर्शनी को हैदराबादवासीयों ने भारी संख्या में भेंट दे कर गहनें खरीदे।

कुमावत समाज तेलंगाना कार्यकारिणी का गठन

हैदराबाद, 29 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। कुमावत समाज तेलंगाना की कार्यकारिणी गठन कुमावत समाज भवन किसरा में आयोजित बैठक में किया गया।

धर्मीचंद कुमावत द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ती में बताया कि कार्यकारिणी में अध्यक्ष सोनाराम तिलायचा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष धर्माराम डैय्या अलवाल, चेनाराम रेणवाल रामान्तापुर, बुद्धाराम चांदोरा कालीमंदिर, शंकरलाल मानाणिया उस्मानगंज, बुद्धाराम होतवाल गण्डीमेसम्मा, उपाध्यक्ष बाबूलाल मानणिया शाहलीबण्डा, दिनेश मांगर अलवाल, नारायणलाल घोडावड गोशामहल, ओमप्रकाश चांदोरा नादरकुल, पारसमल करोलिया सफीलगुडा, हनुमान रोहिवाल विरमगुडा, मंत्री ओमप्रकाश हांगर कोण्डापुर, सहमंत्री हनुमान बाकरेचा बोलाराम, कोषाध्यक्ष पवनकुमार डागर बीएन रेड्डी नगर, सह कोषाध्यक्ष रुपाराम मालीवाड सैनिकपुरी, नोरतमल होतवाल बोलाराम, धर्माराम ओमावत तुलसीनगर, धन्नाराम बाकरेचा संगारेड्डी, बाबुलाल डाका कुकटपल्ली, प्रचारमंत्री सुनिल कुमार मोरवाडिया बिरमगुडा, सह प्रचारमंत्री भाकरराम ईटाडा शमशाबाद, राजूराम बाकरेचा गोकुलप्लाट, माणकचन्द मेडतिया बालाजी नगर, पप्पुराम दुबलदिया काटेदान, रमेश कुमार बाकरेचा नानकरामगुडा, सीआर रेणवाल रामन्तापुर, मोहनलाल मावर मोतीनगर, कार्यकारिणी जगदीश रोहिवाल, किसरा, कालुराम ईटाडा वेन्कटापुरम, राजूराम खेडावत गण्डीमेसम्मा, सुरेश कुमार बोडावड गोशामहल, महेन्द्र हुबलदिया अम्बेडकर नगर, रमेश लारणा धम्माईगुडा, पप्पुराम डांगर बेगम बाजार, भीकाराम बाकरेचा उस्मानगंज, ओमप्रकाश दुबालदिया अन्जेय्यानगर, रमेशकुमार खेडावत गोपनपल्ली, ओमप्रकाश बाकरेचा श्रीरामनगर, दिनेशकुमार मानणिया नानगरामगुडा, दोलतराम दुबलदिया आटोनगर, प्रकाश मालीया बोलाराम, अणदाराम मनावत बोलाराम, राजूराम बाकरेचा बोराबण्डा, अशोक मावर विरमगुडा, गणपत मानणिया काटेदान, माणकचन्द लारणा शिवरामपल्ली, पवनकुमार मावर शादनगर, सुरेशकुमार बाकरेचा अलवाल, रामचंद्र चांदोरा लालबाजार एवं परामर्शदाता धर्मीचन्द कुमावत आगापुरा, भंवरलाल आलोदिया गोशामहल, मदनलाल मोटावत माणकचंद घोडावड परनचेक, पारसमल मोटावत हैदरनगर, सोहनलाल मानणिया आलियाबाद, मांगीलाल ईटाडा शादनगर, बंशीलाल रेणवाल अन्जेय्यानगर, सुखाराम रेणवाल खैरताबाद, अमरचन्द अडाणिया नागोल।

कांग्रेस सरकार ने संयुक्त आंध्र प्रदेश विभाजन अधिनियम को ठीक से लागू नहीं किया : केंद्रीय मंत्री

हैदराबाद,29 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्रीराम ने कहा है कि कांग्रेस सरकार ने संयुक्त आंध्र प्रदेश विभाजन अधिनियम को ठीक से लागू नहीं किया है। हैदराबाद में एक बैठक में, उन्होंने कृष्ण नदी पर परियोजनाओं और नदी के स्वामित्व बोर्ड (केआरएमबी) की व्याख्या दी। राज्य के अधिकारियों ने घटना के बाद केंद्र सरकार का विवरण नहीं दिया। सरकार ने भी विवरण नहीं दिया है। सबसे बड़ी गलती एक सर्वेक्षण है। एनडीएसए केवल तभी जांच करने में सक्षम है जब राज्य को सूचित किया जाता है। भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को बांधते समय उनकी मदद लेनी चाहिए। सबसे बड़ी गलती सर्वेक्षण के बिना एक परियोजना का निर्माण करना है।

परियोजना का निर्माण विभिन्न स्तरों पर प्रदान किया जाना चाहिए। पूरी परियोजना को एक बार में एक अनुपालन रिपोर्ट दी गई थी। केंद्रीय मंत्री ने एनडीएसए समिति के गठन को मंजूरी दी है। एनडीएसए समिति अगले सप्ताह राज्य में आएगी। यदि समिति ने समिति से पूछा, तो पूछताछ जल्द ही पूरी हो जाएगी। मैं तेलंगाना के साथ सहयोग करने की कोशिश कर रहा हूं।

राज्य से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। यदि सही जानकारी नहीं दी जाती है तो केंद्र ने भी मदद नहीं की है। कांग्रेस सरकार गलत है उन्होंने विभाजन अधिनियम में छह परियोजनाओं को पूरा करने के लिए कहा। जल आवंटन का उल्लेख नहीं है। चार एपी और दो तेलंगाना परियोजनाओं के लिए कोई आवंटन नहीं हैं। पिछले साल अक्टूबर में तेलुगु राज्यों के बीच कृष्णा वाटर्स के मुद्दे के समाधान के लिए नए ट्रिब्यूनल को रखा गया था। तत्कालीन कांग्रेस सरकार विभाजन अधिनियम द्वारा बनाई गई थी। विभाजन अधिनियम का कहना है कि परियोजनाओं को केंद्र को सौंप दिया जाना चाहिए। अब तेलंगाना में कांग्रेस सरकार गलत है। केंद्र राज्यों के बीच समन्वय करने की कोशिश कर रहा है। मिथक बनाने का प्रयास तेलंगाना दस साल से श्रीसैलम एपी और सागर का संचालन कर रहा है। तेलंगाना पहले 299 टीएमसी के लिए सहमत हो गया है।

अग्रणी महिला मंच द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई की जयंती पर बशीरबाग, कनक दुर्गा माता के मंदिर में छाछ वितरण किया गया। अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, प्रीति गोयल, रूपा गुप्ता, ऋतु गोयल, सपना जैन, संतोष अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, एवम पवन भुवानिया भी उपस्थित थे।

डॉ जी एन राव को वैश्विक सम्मान "वर्ल्ड आईकॉन21 अवार्ड"

हैदराबाद, फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एल वी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट के संस्थापक डॉ. गुल्लापल्ली एन राव को दुनिया भर के 23 अन्य सबसे प्रभावशाली नेत्र रोग विशेषज्ञों के साथ 39वें एशिया पैसिफिक एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी (एपीएओ) की बैठक में बाली, इंडोनेशिया में "वर्ल्ड आईकॉन्स21" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 21वीं सदी में नेत्र देखभाल की दुनिया को आकार देने में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें इस समूह में शीर्ष 10 में स्थान दिया गया था। यह एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी (एपीजेओ) द्वारा शुरू किया गया पहला पुरस्कार था। डॉ. राव इस सम्मान के लिए चुने जाने वाले पहले और एकमात्र भारतीय हैं। डॉ. राव इंटरनेशनल एजेंसी फॉर प्रिवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस के पूर्व अध्यक्ष थे, जिसमें उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ ग्लोबल विज़न 2020: द राइट टू साइट का नेतृत्व किया था, और एकेडेमिया ऑप्थैल्मोलोगिका के पूर्व अध्यक्ष थे। इंटरनेशनलिस (एओआई), नेत्र विज्ञान में 80 सबसे प्रतिष्ठित शिक्षाविदों का एक समूह। अपने शानदार करियर में उन्हें दुनिया भर से कई सम्मान प्राप्त हुए जिनमें "ऑप्थाल्मोलॉजी हॉल ऑफ फ़ेम" में शामिल होना भी शामिल है। एलवीपीईआई के बारे में: 1987 में स्थापित, एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट (एलवीपीईआई), अंधता की रोकथाम के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन का सहयोग केंद्र, एक व्यापक नेत्र स्वास्थ्य सुविधा है। संस्थान के संचालन के क्षेत्रों में दस कार्यात्मक शाखाएँ हैं: नैदानिक सेवाएँ, शिक्षा, अनुसंधान, दृष्टि पुनर्वास, ग्रामीण और सामुदायिक नेत्र स्वास्थ्य, नेत्र बैंकिंग, वकालत और नीति नियोजन, क्षमता निर्माण, नवाचार और उत्पाद विकास। एलवीपीईआई आई केयर नेटवर्क के भारत में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और कर्नाटक में फैले 290 केंद्र हैं। संस्थान का मिशन समाज के सभी वर्गों को समान और गुणवत्तापूर्ण नेत्र देखभाल प्रदान करना है। एलवीपीईआई का पांच-स्तरीय 'नेत्र स्वास्थ्य पिरामिड' मॉडल, गांवों से लेकर शहर तक समुदाय के सभी क्षेत्रों को कवर करता है, सभी को उच्च गुणवत्ता और व्यापक - रोकथाम, उपचारात्मक और पुनर्वास - नेत्र देखभाल प्रदान करता है। आवश्यक देखभाल की जटिलता के बावजूद, इसने 36.89 मिलियन (3 करोड़ 68 लाख लोगों) से अधिक लोगों को सेवा प्रदान की है, जिसमें से 50% से अधिक पूरी तरह से निःशुल्क है।

जिलाधीश जीतेश वी पाटिल ने मत्स्य कोष का निरीक्षण किया

कामारेड्डी, 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर जितेश वी पाटिल ने कहा कि किसानों को खेती के साथ-साथ मछली पालन भी करना चाहिए और उन्हें मुनाफा कमाना चाहिए। रामा रेड्डी मंडल पोसानिपेट में किसान लक्ष्मी नामक महिला ने अपने खेत में एक मछली तालाब स्थापित किया और मछली पालन शुरू किया। कलेक्टर ने मत्स्य कोष का निरीक्षण किया।

इस मौके पर उन्होंने किसानों को संबोधित किया। किसानों को अपनी आय बढ़ाने के लिए कृषि और डेयरी पशु और मछली पालन जैसे संबद्ध क्षेत्रों को अपनाने की सलाह दी जाती है। महिलाएं वित्तीय सहायता हासिल करना चाहती थीं। कृषक लक्ष्मी ने मछली पालन में किये गये निवेश एवं प्राप्त आय की जानकारी दी। मछली पालन में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया। कार्यक्रम में डीआरडीओ चंदर, एमपीडीओ सविता रेड्डी, डीपीएम रमेश बाबू, एपीएम प्रसन्नकुमार, समन्वयक दुर्गा दास, प्रताप, भूमेश और वीवो ए ने भाग लिया।

इंटरमीडिएट परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में हो रही है : आशीष संगवान

निर्मल, 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिलाधिकारी आशीष सांगवान ने गुरुवार को निर्मल जिले के भैंसा राजकीय जूनियर कॉलेज स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में सीसी कैमरे, सुविधाओं और परीक्षा प्रबंधन के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर कलेक्टर ने कहा कि इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष में 6506 विद्यार्थियों में से 6227 विद्यार्थी उपस्थित रहे तथा 279 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। बाद में, उन्होंने भैंसा क्षेत्रीय अस्पताल का दौरा किया और रोगियों को प्रदान किए जा रहे चिकित्सा उपचार के बारे में जानकारी ली। अभिलेखों की जांच की गई। कलेक्टर ने चिकित्सा अधिकारियों को सरकारी अस्पतालों में लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि डॉक्टर और कर्मचारी समय की पाबंदी का पालन करें और यदि वे अपने कर्तव्यों में लापरवाही बरतेंगे तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय अस्पताल पर्यवेक्षक देवेंद्र रेड्डी, तहसीलदार प्रवीण, अधिकारी, कर्मचारी और अन्य लोगों ने भाग लिया।

श्री रामलला के भक्तों को निःशुल्क आवास व भोजन प्रसाद उपलब्ध करा रहा है श्री राघवपुरम धाम

हैदराबाद, 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के महान मनीषी संत परम पूज्य श्री त्रिदण्डी स्वामी जी महाराज के शिष्य पूज्य श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी जी महाराज के सानिध्य में श्री त्रिदण्डिदेव प्रतिवादि भयंकराचार्य रामानुजाचार्य श्री राघवपुरम धाम, आश्रम अयोध्या में संचालित किया जा रहा है। श्री राम जन्मभूमि अयोध्या में स्थित आश्रम में देशभर से श्रीराम लला के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को निशुल्क आवास और भोजन प्रसाद की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। भारी संख्या में आने वाले भक्तों को नियमानुसार यहां रहने की व्यवस्था है। आश्रम के ब्रह्मचारी संत रंगनाथ स्वामी ने बताया कि पूरे देश में परम पूज्य गुरुदेव की कृपा से 85 से अधिक मठ मंदिर आश्रम केमाध्यम से धार्मिक कार्यों का संचालन किया जा रहा है। अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को आश्रम में रहने की सुविधा है। उन्होंने बताया कि आश्रम में आने वालों को नियमों का पालन करना पड़ता है।

यहां नशीली पदार्थों के सेवन की कड़ाई से मनाही है। गुटखा, पान, शराब आदि का सेवन सख़्ती से मना है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सुभाष रोड़ स्थित न्यु दुल्हन फैशन ज्वैलरी शोरुम में आयोजित सम्मान समारोह कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि कोरेमुला सीरवी समाज संरक्षक प्रभुराम परिहारियां, अध्यक्ष कालुराम काग, चम्पालाल सोलंकी, जगदीश काग, तेजाराम परिहार का सम्मानकर उपस्थित आयोजक चन्द्रप्रकाश सीरवी, राकेश, जितेन्द्र, श्रवण, धर्माराम सीरवी व अन्य।

आईजीपी, मल्टी जोन -1 के रूप में एवी रंगनाथ ने कार्यभार संभाला लिया।

धर्मशाला में इतिहास रचने से एक कदम दूर टीम इंडिया

अगर जीती तो पहली बार होगा ये कमाल

धर्मशाला, 29 फरवरी (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला धर्मशाला में होना है. टीम इंडिया 3-1 से सीरीज पर कब्जा कर चुकी है. अब आखिरी मुकाबला जीतकर वो इतिहास रचना चाहेगी. अगर भारतीय टीम धर्मशाला में जीत दर्ज करती है तो ये पहली बार होगा जब जीत की संख्या हार के बराबर होगी. यानी टीम इंडिया ने इतिहास में जितने मैच हारे हैं, उतने में वो जीत भी दर्ज कर लेगी.

भारतीय टीम ने साल 1932 में पहला टेस्ट खेला था. वो अब तक 578 टेस्ट खेल चुकी है, इस दौरान 177 में उसे जीत मिली, जबकि178 में हार नसीब हुई. ऐसे में धर्मशाला में जीतकर भारत 178वां टेस्ट जीतेगी. इस तरह जीत और हार का आंकड़ा 178-178 से बराबर हो जाएगा.

भारत का घरेलू और विदेशी मैदान पर रिकार्ड

टीम इंडिया ने घरेलू मैदान पर 288 टेस्ट खेले, इस दौरान 117 में जीत जबकि 55 में हार मिली है.

एक मैच टाई भी रहा, जबकि 115 ड्रा रहे. टीम इंडिया अपने घर में सिर्फ 19 फीसदी मैच हारती है. विदेश में टीम मेन इन ब्लू ने 290 मैचों में सिर्फ 60 में जीत मिली, जबकि 123 मुकाबले गंवाए.

भारत बनाम इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का लेखा जोखा

पहला टेस्ट- भारत को 28 रनों से हार मिली.

दूसरा टेस्ट- 106 रनों से जीत मिली.

तीसरा टेस्ट- 434 रनों से जीत हासिल की

चौथा टेस्ट- 5 विकेट से जीत दर्ज की.

पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र ने पीसीआई अध्यक्ष पद के लिए भरा नामांकन

नौ मार्च को चुनाव

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया ने भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के नौ मार्च को होने वाले चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया। पीसीआई के चुनाव अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष, दो संयुक्त सचिव और कार्यकारी समिति के पांच सदस्यों के लिए होंगे।

भाला फेंक के एथलीट 42 वर्षीय झाझरिया ने 2004 में एथेंस और 2016 में रियो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीते थे। उन्होंने 2021 में तोक्यो पैरालंपिक में रजत पदक हासिल किया था। झाझरिया ने विश्व चैंपियनशिप 2013 में स्वर्ण पदक और 2015 में रजत पदक जीता था। उन्होंने 2014 में एशियाई पैरा खेलों में रजत पदक हासिल किया था।

झाझरिया ने कहा, 'मेरे शुभचिंतकों के प्रोत्साहन तथा पैरा खेलों और पैरा खिलाड़ियों की बेहतरी के लिए काम करने के उद्देश्य से मैंने भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है।

मैं पिछले चार साल से पीसीआई में पैरा खिलाड़ियों का प्रतिनिधि रहा हूं, लेकिन कई शुभचिंतक चाहते हैं कि मैं अब पीसीआई का नेतृत्व करूं। इसलिए मैंने शीर्ष पद के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश की।'

देवदत्त पडिक्कल का डेब्यू कंफर्म

एक खिलाड़ी की छुट्टी तय! धर्मशाला टेस्ट में बदल जाएगी टीम इंडिया

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली है। इस सीरीज का आखिरी मुकाबला अभी बाकी है और 7 मार्च से धर्मशाला में खेला जाएगा। भारत के लिए मौजूदा सीरीज में रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल और आकाशदीप के रूप में चार खिलाड़ी डेब्यू कर चुके हैं। अब पांचवें टेस्ट में एक और खिलाड़ी टीम इंडिया में डेब्यू के लिए तैयार है। रिपोर्ट्स की मानें तो देवदत्त पडिक्कल को पांचवें टेस्ट में टीम इंडिया में जगह मिल सकती है और वह डेब्यू कर सकते हैं।

किसकी होगी छुट्टी?

अगर छुट्टी की बात करें तो देवदत्त पडिक्कल को लगातार फ्लॉप चल रहे रजत पाटीदार की जगह टीम में मौका मिल सकता है। हिंदुस्तान टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में बीसीसीआई का हवाला देते हुए कहा कि, पांचवें टेस्ट में देवदत्त पडिक्कल डेब्यू करेंगे। आईपीएल से पहले मैनेजमेंट अब आखिरी मुकाबले में उनको देखना चाहता है। वहीं राहुल आखिरी मैच के लिए भी मौजूद नहीं रहेंगे। ऐसे में टेस्ट स्क्वॉड में रजत पाटीदार बने रहेंगे लेकिन मौका उन्हें नहीं मिल पाएगा।

रजत पाटीदार ने अभी तक निराश किया है। वह तीन मैच खेले और सिर्फ एक बार 30 का आंकड़ा भी पार कर पाए हैं। उन्होंने पांच पारियों में 9,32, 0,5 और 17 रन बनाए। पांच पारियों में सिर्फ 63 रन बनाने के बाद अब पाटीदार की छुट्टी होना लगभग तय माना जा रहा है। उनकी जगह पडिक्कल डेब्यू कर सकते हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह पांचवें मैच में लौट सकते हैं और सिराज को एक बार फिर से आराम दिया जा सकता है। अगर पडिक्कल ने डेब्यू किया तो वह भारत के 314वें टेस्ट प्लेयर बन सकते हैं।

सरफराज खान को मिलेगा एक और मौका

सरफराज खान ने राजकोट टेस्ट में डेब्यू किया था और पहले मैच में ही 130 रन दो पारियों में अर्धशतक की बदौलत बनाए थे। फिर रांची में उनके बल्ले से दोनों पारियों में 14 और 0 रन निकले। फिर सवाल उठे, लेकिन धर्मशाला टेस्ट में उनको फिर से मौका मिलना तय माना जा रहा है। एक मैच में ही वह फ्लॉप रहे हैं और एक मैच से उनके टैलेंट को नहीं भांपा जा सकता है। रांची टेस्ट के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने साफ भी कर दिया था कि जिन खिलाड़ियों के अंदर भूख है टेस्ट क्रिकेट खेलने की उन्हें हम मौका देंगे। ऐसे में सरफराज को एक और मौका मिल सकता है।

हॉकी इंडिया ने कहा- महासंघ में गुटबाजी और मतभेद नहीं

पूर्व सीईओ नॉर्मन ने लगाए थे आरोप

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने महासंघ में गुटबाजी और आपसी मतभेदों के आरोपों को खारिज कर दिया है। महासंघ के अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोलानाथ सिंह ने एक संयुक्त बयान में कहा कि हॉकी की बेहतरी के लिए वे मिलकर काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा, "हाल ही में कुछ निवर्तमान अधिकारियों ने मीडिया में कहा है कि हॉकी इंडिया में गुटबाजी है। यह सही नहीं है। हॉकी के हित के लिए हम एकजुट होकर काम करते रहेंगे।"

13 साल बाद भारतीय हॉकी से नाता तोड़ने के बाद पूर्व सीईओ एलेना नॉर्मन ने कहा था कि हॉकी इंडिया में जिस तरह का माहौल बन गया था, उसमें काम करना मुश्किल होता जा रहा था और ऐसे में उनके पास त्यागपत्र देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था।

टिर्की और भोलानाथ ने संयुक्त बयान में कहा, "हॉकी इंडिया भारतीय हॉकी के विकास के लिए गठित स्वायत्त और पेशेवर ईकाई है। हमारा लक्ष्य हॉकी और अपने खिलाड़ियों की बेहतरी और प्रगति है।

हमारी राष्ट्रीय टीमों को वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए हर तरह का सहयोग दिया जाता है। महासंघ ने हर खिलाड़ी और टीम के साथ समानता का रुख रखा है। सभी को समान सुविधाएं और लाभ दिए गए।"

क्या विराट कोहली क्रिकेट के मैनुअल नेउर हैं?

दिग्गज क्लब बायर्न म्यूनिख की प्रतिक्रिया वायरल

नई दिल्ली, 29 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के आइकन विराट कोहली अपनी पीढ़ी के बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं। साल 2008 में भारत के लिए डेब्यू करने के बाद से कोहली ने सभी प्रारूपों में टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। 35 साल के इस खिलाड़ी के न केवल क्रिकेट स्किल के कारण बल्कि फिटनेस और लंबी उम्र के कारण भी दुनिया भर में बड़ी संख्या में फैंस हैं। जर्मनी के सबसे सफल फुटबॉल क्लब बायर्न म्यूनिख भी कोहली के फैन क्लब में शामिल हो गया है। बायर्न ने पूर्व भारतीय कप्तान को अपने महान गोलकीपर मैनुअल नेउर के समकक्ष करार दिया।

शाल्के में अपने खेल से सभी का ध्यान खींचने के बाद नेउर 2011 में बायर्न म्यूनिख में शामिल हो गए थे। इसके बाद से 37 वर्षीय नेउर ने बायर्न के लिए असाधारण प्रदर्शन किया है। बायर्न की अभूतपूर्व सफलता में उनका बहुत बड़ा हाथ रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर, एक फैन ने जर्मन क्लब से विभिन्न खेलों के दो एथलीटों के नाम पूछे, जो एक-दूसरे के क्रॉस-स्पोर्ट्स समकक्ष हैं। इस सवाल का जवाब देते हुए बायर्न ने कोहली की तुलना नेउर से की। उनका जवाब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। 2011 में बायर्न जाने के बाद से, नेउर ने 28 ट्राफियां जीती हैं, जिसमें 11 बुंदेसलीगा खिताब और 2013 और 2020 में दो यूईएफए चैंपियंस लीग खिताब शामिल हैं।

वह जर्मनी की सफलता में भी एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं। जर्मनी के 2014 विश्व कप का खिताब उठाने में नेउर की भूमिका अहम रही थी। ब्राजील में अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल में नेउर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

फिर हार्दिक को क्यों मिली जगह, इरफान पठान ने कॉन्ट्रैक्ट से ईशान और अय्यर को बाहर करने पर निकाला गुस्सा

मुंबई, 29 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने अपने सालाना कॉन्ट्रैक्ट को अपडेट कर दिया है। इसमें से सबसे बड़ा चर्चा का विषय रहा ईशान किशन और श्रेयस अय्यर का पत्ता कटना। इस पर कई लोगों के अलग-अलग विचार सामने आए। सोशल मीडिया पर लोगों ने कई प्रतिक्रियाएं साझा कीं। पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने दोनों खिलाड़ियों के लिए खास पोस्ट किया। वहीं इसी कड़ी में इरफान पठान ने भी गुस्सा निकाला है। उन्होंने सीधा सवाल हार्दिक पांड्या को जगह देने को लेकर उठाया। इरफान ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए गुस्सा जाहिर किया।

क्या बोले इरफान पठान?

सबसे पहले जब बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान किया, उस वक्त इरफान पठान ने अपने एक्स प्रोफाइल पर, 'Unbelievable' लिखा। यानी उन्हें साफतौर पर इसको देखकर विश्वास नहीं हुआ। उसके बाद गुरुवार सुबह इरफान ने एक और पोस्ट किया। इस पोस्ट में इरफान ने साफतौर पर लिखा कि अगर हार्दिक को जगह मिली है तो अय्यर और किशन को क्यों बाहर किया गया? उन्होंने कहा सभी के लिए नियम समान होने चाहिए।

इरफान ने अपनो पोस्ट में लिखा,'श्रेयस और ईशान दोनों टैलेंटेड क्रिकेटर्स हैं। आशा करता हूं कि वह जोरदार वापसी करेंगे और मजबूत होकर लौटेंगे। अगर हार्दिक जैसे खिलाड़ी रेड बॉल क्रिकेट नहीं खेल रहे, तो उन्हें या अन्य खिलाड़ियों को भी व्हाइट बॉल घरेलू टूर्नामेंट में खेलना चाहिए। क्या उस वक्त वह नेशनल ड्यूटी पर थे, नहीं ना। अगर यह नियम सभी के ऊपर नहीं अप्लाई होता है तो भारतीय क्रिकेट अपने तय लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाएगा और अच्छे परिणाम नहीं मिलेंगे।'

रवि शास्त्री ने किया था समर्थन

इससे पहले रवि शास्त्री ने भी इन दोनों खिलाड़ियों का समर्थन किया था और कहा था,'क्रिकेट के खेल में हमेशा से कमबैक होते रहते हैं। इसलिए चिन अप श्रेयस अय्यर और ईशान किशन। मेहनत करिए, चैलेंज का सामना करिए और मजबूत होकर वापसी करिए। आपकी पिछली उपलब्धियां आपके लिए आवाज उठाएंगे।

मुझे कोई शक नहीं है कि आप दोनों एक बार फिर से जबरदस्त वापसी करेंगे।'

क्यों बाहर हुए ईशान और अय्यर?

अगर प्रमुख कारण की बात करें तो साफतौर पर स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन पिछले दिनों ऐसी जानकारी मिली थी कि ईशान ने बार-बार रणजी ट्रॉफी में खेलने के आदेश को ठुकराया था। वहीं दूसरी तरफ वह पहले से ही आईपीएल की तैयारी शुरू कर चुके थे।

उधर अय्यर ने भी शायद फिटनेस को लेकर बहाना किया था। एनसीए ने बीसीसीआई को उनके फिट होने की जानकारी दी थी। मगर उन्होंने फिटनेस का हवाला देते हुए रणजी ट्रॉफी का क्वार्टरफाइनल मैच नहीं खेला। शायद इसी कारण इन दोनों को कॉन्ट्रैक्ट नहीं मिला था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ अकेले लड़े कैमरन ग्रीन

मुश्किल हालातों में ठोका शतक, ऑस्ट्रेलिया की लड़खड़ाती पारी को संभाला

खेल डेस्क, 29 फरवरी (एजेंसियां)। 100 रन के अंदर जिस टीम का पूरा का पूरा टॉप ऑर्डर पवेलियन लौच चुका हो, उस टीम की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है. न्यूजीलैंड के साथ वेलिंगटन टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की हालत भी कुछ ऐसी ही थी. पहली पारी में स्कोर बोर्ड पर अभी सिर्फ 89 रन ही जुड़े थे कि स्मिथ, लाबुशेन, ख्वाजा, हेड- ये सारे बल्लेबाज आउट होकर ड्रेसिंग रूम में बैठे थे. लग रहा था कि ऑस्ट्रेलिया के लिए 150 रन भी बनाना मुश्किल होगा. लेकिन, नंबर 4 पर खेलने उतरे कैमरन ग्रीन को बिना लड़े हथियार डालना मंजूर था. लिहाजा, उन्होंने अकेले ही न्यूजीलैंड के खिलाफ खूंटा गाड़ दिया और शतक जड़कर ऑस्ट्रेलिया की ढहती पारी को संभाल लिया.

कैमरन ग्रीन ने मिचेल मार्श के साथ 5वें विकेट के लिए 67 रन की साझेदारी की. इसके बाद छठे विकेट के लिए 20 रन की साझेदारी कैरी के साथ हुई. 35 रन सातवें विकेट के लिए ग्रीन ने स्टार्क के साथ जोड़े. वहीं 33 रन 8वें विकेट के लिए कप्तान कमिंस और नाथन लायन के साथ 9वें विकेट के लिए 27 रन जोड़े. इस तरह ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी जो एक वक्त बिखरती दिख रही थी वो पहले दिन पर 9 विकेट पर 279 रन पर जाकर थम गई.

कैमरन ग्रीन ने मुश्किल हालातों में जमाया शतक

वेलिंगटन टेस्ट में पहले दिन का खेल खत्म होने पर ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9 विकेट पर 279 रन रहा, जिसमें अकेले नाबाद 103 रन कैमरन ग्रीन के रहे. ग्रीन ने ये रन 16 चौकों की मदद से 155 गेंदों का सामना करते हुए बनाए. ये उनके टेस्ट करियर का दूसरा शतक है. मुश्किल हालातों में खेली इस बड़ी पारी से कैमरन ग्रीन ने ये भी साबित करने की कोशिश की कि वो नंबर 4 पर ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम से खेलने के लिए उनका दावा कितना मजबूत है.

मैनचेस्टर सिटी ने ल्यूटन टाउन को 6-2 से रौंदा

हालैंड ने दागे पांच गोल; न्यूकैसल और लिसेस्टर भी जीता

लंदन, 29 फरवरी (एजेंसियां)। स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड के दमदार प्रदर्शन के दम पर मैनचेस्टर सिटी ने एफए कप फुटबॉल के मुकाबले में ल्यूटन टाउन को 6-2 से करारी शिकस्त दी। इस जीत में हालैंड चमके जिन्होंने पांच गोल किए। उनके चार गोल करने में केविन डि ब्रुईन ने मदद की। हालैंड ने दूसरी बार क्लब के लिए एक मैच में पांच गोल दागे हैं।

हालैंड पैर में चोट की वजह से दिसंबर से जनवरी तक खेल से दूर थे और अब इस मैच के जरिए वह पूरी तरह से स्वस्थ दिखाई दिए। माटेयो कोवाकिक (72वें मिनट) ने सिटी के लिए छठा गोल किया, जबकि जॉर्डन क्लार्क (45 और 52वें मिनट) ने ल्यूटन के लिए दो गोल किए। हालांकि, मैच में हालैंड के पास दोगनी हैट्रिक करने का मौका था, लेकिन टीम के कोच पेप गॉर्डियोला ने उन्हें 77वें मिनट में मैदान से बाहर भेज दिया और उनकी जगह स्थानापन्न खिलाड़ी जूलियन अल्वारेज को मैदान पर उतारा।

40वें मिनट में हैट्रिक की पूरी

हालैंड ने अपना पहला गोल तीसरे और दूसरा गोल 18वें मिनट में किया। उन्होंने अपनी हैट्रिक 40वें मिनट में पूरी की। इसके बाद उन्होंने तीन मिनट के अंदर दो गाल कर दिए। उन्होंने 55वें मिनट में अपना चौथा और 58वें मिनट में पांचवां गोल दागा।

सीएम रेवंत ने 11,062 शिक्षक पदों के लिए डीएससी अधिसूचना जारी की

हैदराबाद, 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलगाना में बेरोजगार युवाओं के लिए यह एक अच्छी खबर है क्योंकि 11,062 शिक्षक पदों को भरने के लिए एक मेगा डीएससी अधिसूचना जारी की गई है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को यहां अपने आवास पर सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, सरकारी सचेतक बीरला इलैया और अन्य अधिकारियों के साथ एक मेगा अधिसूचना जारी की। कुल 11,062 शिक्षक पदों में से 6,508 पद माध्यमिक ग्रेड शिक्षक (एसजीटी) के हैं, इसके बाद स्कूल सहायक-2,629 पद, भाषा पंडित-727, पीईटी-182, स्कूल सहायक 220 और एसजीटी 796 पद हैं।

डीएससी अधिसूचना जारी करने के हिस्से के रूप में, राज्य सरकार ने 28 फरवरी, बुधवार को एक आदेश जारी किया, जिसमें 6 सितंबर, 2023 को 5,089 पदों के साथ जारी की गई पिछली डीएससी अधिसूचना को रद्द कर दिया गया। पुराने पदों पर नई रिक्तियां जोड़ते हुए नया नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इस बीच, अधिकारियों ने जानकारी दी है कि पुराने आवेदन मान्य होंगे और जिन उम्मीदवारों ने पिछली अधिसूचना के तहत आवेदन किया है, उन्हें दोबारा आवेदन करने की जरूरत नहीं है।

चुनाव कराने में सेक्टर पदाधिकारियों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी : रोनाल्ड रोज

चुनाव क्षेत्रीय अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित

हैदराबाद, 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि चुनाव के संचालन में क्षेत्रीय अधिकारियों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। आगामी संसदीय चुनाव के मद्देनजर गुरुवार को जुबली हिल्स स्थित सेवालाल बंजारा भवन में चुनाव क्षेत्रीय अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित की गईं। चुनाव संचालन के एक भाग के रूप में, क्षेत्रीय अधिकारियों को पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से कर्तव्यों, जिम्मेदारियों और जांच किए जाने वाले मामलों की गहन समझ दी गई। निर्वाचन आयोग के नियमों एवं विनियमों के तहत किये जाने वाले कर्तव्यों की जानकारी देते हुए एक पुस्तिका तैयार की गयी है। इस मौके पर जिला निर्वाचन अधिकारी रोनाल्ड रोज ने कहा कि जिला निर्वाचन अधिकारी ने सेक्टर अधिकारियों से कहा कि वे मैदानी स्तर पर प्रत्येक मतदान केंद्र की स्थितियों का पहले से ही अवलोकन कर कराए जाने वाले चुनाव के लिए वल्नरेबल मैपिंग तैयार कर लें। इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि कर्तव्यों को हल्के में न लें और इस भावना से कार्य करें कि हमने अब तक काम किया है, बल्कि प्रत्येक पहलू की स्पष्ट समझ होनी चाहिए। चुनाव आयोग समय-समय पर नियमों में बदलाव करता रहता है। यदि कोई अपने कर्तव्यों में लापरवाही बरतता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्रीय अधिकारियों ने कहा कि वे प्रशिक्षण कक्षाओं में शामिल नहीं होने वालों को कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे। सेक्टर अधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन नियमानुसार पारदर्शी एवं कुशल तरीके से करें। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सभी मतदान केंद्रों का दौरा करें, प्रत्येक मतदान केंद्र के भीतर नवीनतम स्थिति की जांच करें और पिछले चुनावों में हुई घटनाओं की पूरी जानकारी के साथ एक रिपोर्ट प्रस्तुत करें। चुनाव के दौरान सेक्टर अधिकारियों को कार्यकारी मजिस्ट्रेट की शक्तियां दी जाएंगी। मुख्य रूप से मतदाताओं को वोट देने के अधिकार का प्रयोग करने से रोकने वालों के साथ-साथ मतदाताओं को प्रभावित करने वालों पर निगरानी रखी जानी चाहिए और चुनाव नियमों के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। पुलिस अधिकारियों और क्षेत्रीय अधिकारियों को समन्वय बनाकर काम करने की सलाह दी गई है।

मतदाताओं को स्वतंत्र होकर मतदान करना चाहिए। पुलिस आयुक्त श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मतदाताओं को स्वतंत्र वातावरण में वोट देने के अपने अधिकार का प्रयोग करना चाहिए। चुनाव में मतदाताओं को विभिन्न प्रकार से प्रभावित करने की आशंका के चलते कड़ी निगरानी रखी जाए।

वे मैदानी स्तर पर मतदान केंद्रों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों का दौरा कर वास्तविक स्थितियों को जानना चाहते हैं।

बाद में, सेक्टर अधिकारियों को ईवीएम के प्रबंधन के बारे में जागरूकता दी गई और ईवीएम पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।क्षप्रशिक्षण कक्षाओं में अतिरिक्त आयुक्त वेंकटेश डोत्रे, हैदराबाद जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी, अतिरिक्त कलेक्टर हेमंत केशव पाटिल, अतिरिक्त सीपी विक्रम सिंह मान, ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी, जोनल कमिश्नर, एसीपी, सेक्टर अधिकारी, पुलिस अधिकारी आदि ने भाग लिया।

तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं का सपना आज हुआ साकार : पोंगुलेटी

178 वीआरओ के परिवारों को अनुकंपा नियुक्ति

हैदराबाद , 29 फरवरी स्वतंत्र वार्ता। राजस्व, आवास, सूचना और नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में आज तेलंगाना के बेरोजगार युवाओं के सपने साकार हो रहे हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, पुलिस, स्टाफ नर्स, गुरुकुलम, सिंगरेनी में हमने तीन महीने के भीतर 23 हजार पद भरे हैं। ग्रुप वन में 63 अतिरिक्त पद और मेगा डीएसपी में 11062 पद अधिसूचित किए गए हैं और पदों को भरने के लिए कदम उठाए गए हैं। ड्यूटी के दौरान विभिन्न कारणों से दिवंगत हुए 178 वीआरओ के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति की अपील पर नियुक्ति देने के आदेश जारी किए गए।

तेलंगाना राज्य में पिछले साल 2020 में वीआरओ सिस्टम को रद्द कर दिया गया और नया कानून लागू कर दिया गया। कानून के कार्यान्वयन के तहत, कुछ वीआरओ कर्मचारियों को अन्य विभागों में वीआरओ को समायोजित करते समय मानसिक यातना का सामना करना पड़ा और असामयिक मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने उन परिवारों को न्याय दिलाने के लिए अनुकंपा नियुक्ति का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि वीआरओ की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने और उन परिवारों का समर्थन करने के अच्छे इरादे से उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से कई बार चर्चा की और सकारात्मक निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में वीआरओ प्रणाली को रद्द करने के कारण स्कूल का प्रबंधन करने वाले वीआरओ को काफी नुकसान हुआ था और उनकी सरकार उनकी समस्याओं को हल करने के लिए सकारात्मक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण राजस्व प्रणाली में सुधार करके और प्रत्येक गांव के लिए एक राजस्व अधिकारी नियुक्त करके लोगों के विकास के लिए सरकार द्वारा शुरू की गई प्रत्येक कल्याणकारी योजना के कार्यान्वयन के लिए राजस्व विभाग को मजबूत करने के लिए उचित कदम उठाएगी।

धरणी पोर्टल की समस्याओं के हल के लिए दिशानिर्देश जारी

हैदराबाद,29 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने गुरुवार को 'धरणी' पोर्टल में समस्याओं को हल करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए। तहसीलदारों, आरडीओ, जिला स्तरीय अधिकारियों और सीसीएलए को हस्तांतरित को इसके निदान के लिए अधिकार दिए गए हैं। गाइडलाइंस में यह स्पष्ट किया गया है कि किस स्तर के अधिकारी के पास क्या शक्तियां हैं। सरकार ने धरणी समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। राजस्व विभाग एक से नौ मार्च तक यह विशेष अभियान चलाएगा। मंडलों में आवेदनों पर अधिकारी स्वयं कार्रवाई करेंगे। धरणी पोर्टल में 2,45,03% आवेदन संशोधन के लिए लंबित हैं। स्नातकों की पासबुक में डाटा सुधार के लिए एक लाख से अधिक आवेदन आए हैं। 1% प्रकार के मॉड्यूल में संशोधन हेतु प्राप्त आवेदनों की संख्या 2.45 लाख है। अभिलेखों का अद्यतनीकरण शीर्षक वाली निषिद्ध सूची के भाग-बी में 13 लाख एकड़ जमीन है। ऐसा लगता है कि 5.07 लाख एकड़ जमीन बिना किसी कारण के निषिद्ध सूची में है।

डॉ. अंबेडकर प्रवासी छात्रवृत्ति की अगली किस्त तुरंत जारी करने की अपील

हैदराबाद,29 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गुरुवार को राज्य सरकार से विदेश में पढ़ रहे तेलंगाना के छात्रों को डॉ. अंबेडकर प्रवासी छात्रवृत्ति की अगली किस्त तुरंत जारी करने का आग्रह किया। वह तेलंगाना के एक छात्र को जवाब दे रहे थे जो अमेरिका में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहा है।

उन्होंने बताया कि एससी/एसटी/बीसी/अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के 7,000 से अधिक तेलंगाना छात्रों को चंद्रशेखर राव सरकार से विदेशी छात्रवृत्ति मिली है। रवि पेरुपंगा, जो एससी समुदाय से हैं और अमेरिका में अपनी मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रहे हैं, ने एक्स पर पोस्ट किया कि उन्हें अपनी पढ़ाई के लिए अंबेडकर ओवरसीज स्कॉलरशिप मिली है। हालांकि, मुझे अभी तक दूसरी किस्त नहीं मिली है जो मेरे कॉलेज की फीस का भुगतान करने के लिए महत्वपूर्ण है।

हेलमेट जीवन रक्षक हथियार : एल. सुब्बारायुडू

सिकंदराबाद पीजी कॉलेज में निशुल्क हेलमेट वितरण

हैदराबाद, 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जी. शंकर राजू, सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात प्रशिक्षण संस्थान, बेगमपेट और उत्तरी क्षेत्र यातायात, हैदराबाद और उनके कर्मचारी द्वारा सिकंदराबाद पी.जी. महाविद्यालय सभागार में यातायात पुलिस कर्मियों एवं उनके बच्चों को निःशुल्क हेलमेट वितरण किया गया तथा सड़क दुर्घटनाओं एवं रोकथाम पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से कर्मियों को जागरूक किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस उपायुक्त, यातायात-1, हैदराबाद एल. सुब्बारायुडू ने कहा कि हम हेलमेट प्रदान करते हैं। आपको इसे अवश्य पहनना चाहिए । हेलमेट कोई वस्तु नहीं बल्कि एक जीवन रक्षक हथियार है। उन्होंने कहा कि अधिकांश युवा तेज गति, गलत रूट पर वाहन चला रहे हैं तथा सेलफोन का प्रयोग कर रहे हैं। वाहन चलाते समय तो हर कोई स्क्रीन गार्ड और पाउच पहनता है, लेकिन बाइक चलाते समय सिर पर बिना टूटे हेलमेट की कीमत 10 रुपये होती है। 1,200 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा और लाइसेंस तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया जाएगा। कार्यक्रम में आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने ट्रैक्स एस सोसाइटी रोड सेफ्टी के सहयोग से डीसीपी के हाथों लगभग 200 ट्रैफिक कर्मियों और उनके बच्चों को 400 हेलमेट मुफ्त वितरित किए। कार्यक्रम में पी.जी. कॉलेज प्राचार्य प्रो. जे. रवि कुमार, उप प्राचार्य डॉ. मृदुला एवं ट्रैक्स एस सोसायटी परियोजना प्रमुख आराधना जैन , परियोजना अधिकारी राजेश नीमकर, एस. रंगा राव, अपर डी.सी.पी. यातायात-I, जी.शंकर राजू, ए.सी.पी. टीटीआई बेगमपेट और उत्तरी क्षेत्र यातायात और यातायात पुलिस स्टेशन बोवेनपल्ली, मारेडपल्ली, बेगमपेट इंस्पेक्टर और टीटीआई बेगमपेट इंस्पेक्टर वी. रामचंदर अन्य पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया।

केटीआर ने रेवंत रेड्डी को मलकाजगिरी में चुनाव लडने की चुनौती दी

हैदराबाद, 29 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में, कांग्रेस सरकार बनाम बीआरएस नेताओं के बीच एक मौखिक लड़ाई पर जा रही है। जब से उन्होंने पदभार संभाला है, तब से बीआरएस नेता कांग्रेस की आलोचना कर रहे हैं। कांग्रेस सरकार से सावधान रहने और सरकार के जल्दपतन होने की भविष्यवाणी भी कर रहे हैं। हाल ही में सीएम रेवेंट रेड्डी को बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने चुनौती दी। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दें और वे भी विधायक पद से इस्तीफा दे देंगे। जल्द होने वाले लोकसभा चुनाव में मल्काजगिरी संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ें। इसके बाद पता चलेगा कि किसमें कितना दम है।

इससे पहले, सीएम रेवेंट रेड्डी मलकाजगिरि संसदीय क्षेत्र से चुव जीत चुके हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने कहा कि उन्होंने अतीत में पुनरुद्धार की चुनौती दी थी। केटीआर ने याद किया कि रेवंत कोडंगल और जीएचएमसी चुनाव लडने से पीछे हट गये थे। केटीआर ने कहा राहुल और प्रियंका गांधी प्रबंधन कोटा के हैं।

मंत्री से मिले मंदिर समिति के पदाधिकारी

हैदराबाद, 29 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 6 मार्च से मेडचल मल्काजगिरी जिले के कीसरागुट्टा रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर में रुद्र यज्ञ के साथ महाशिवरात्रि ब्रह्मोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महाशिवरात्रि मेले के दौरान 11वें गुरुवार को कीसरगुट्टा मंदिर समिति ने देवदाय धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा को विनम्रतापूर्वक भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर मंत्री को शॉल ओढ़ाकर, मंदिर का स्मृति चिन्ह भेंट कर तथा भगवान का प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया गया। मंत्री से मुलाकात करने वालों में मंदिर ईओ नरेंद्र, मंदिर समिति के अध्यक्ष नागलिंगम शर्मा और अन्य शामिल थे।

मेडारम के हुंडियों की गिनती शुरू

हैदराबाद,29 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। मेदाराम में सम्मक्का और सरलम्मा महा जातरा समाप्त हुआ। तेलुगु राज्यों के अलावा देश-विदेश से श्रद्धालु अम्मावर के दर्शन के लिए उमड़ते थे। बड़ी संख्या में उपहार पेश किए गए और प्रार्थनाएं की गईं। इसी पृष्ठभूमि में गुरुवार को हुंडियों की गिनती शुरू हुई. इसके लिए हनुमाकोंडा के टिथिडे कल्याण मंडपम में व्यवस्था की गई थी। 10 दिनों तक 518 हुंडियों की गिनती की जाएगी। अधिकारी काउंटिंग पर नजर रख रहे हैं।

कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने विज्ञान मेला का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 29 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य अतिथि और चेवेल्ला के पूर्व सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने आज विंटेज सेंट्रल स्कूल, मोमिनपेट, विकाराबाद जिले में आयोजित विज्ञान मेले का उद्घाटन किया। छात्रों को अपने संबोधन में, विश्वेश्वर रेड्डी ने अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ स्वच्छता और स्वास्थ्य दोनों को प्राथमिकता देने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवल प्रधानमंत्री मोदी में ही देश के शैक्षणिक परिदृश्य को बढ़ाने की क्षमता है और मोदी को वोट देकर वापस लाना हमारी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर विश्वेश्वर रेड्डी ने जस्टिस कोंडा माधव रेड्डी फाउंडेशन की ओर से मोमिनपेट के सरकारी स्कूलों के मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की। श्रीधर रेड्डी, संवाददाता, विंटेज सेंट्रल स्कूल, मोमिनपेट; कार्यक्रम में श्रीमती अनिता रेड्डी, स्कूल प्रिंसिपल मल्लिकार्जुन, सेवानिवृत्त शिक्षक मल्लैया और अन्य ने भाग लिया।

किसान को इलाज के लिए 2 किमी तक उठाकर ले गया कांस्टेबल

हैदराबाद,29 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर जिले में एक किसान की जान बचाने वाले एक पुलिस कांस्टेबल की खूब तारीफ हो रही है। ड्यूटी पर तैनात एक कांस्टेबल ने स्थानीय पुलिस को एक किसान के कीटनाशक पीने की सूचना दी। मौके पर पहुंचे सिपाही ने किसान को कंधे पर बिठाया और उसकी जान बचाने के लिए दो किलोमीटर तक चला। इस घटना को लेकर सिपाही की जमकर तारीफ हो रही है। करीमनगर जिले के वीणावंका मंडल के भेथिगल का कुर्रा सुरेश घर में झगड़े के बाद बुधवार को अपने खेत पर आया। जिंदगी से ऊबकर किसान ने खेत में कीटनाशक पी लिया। वहां मौजूद लोगों ने देखा और 100 नंबर पर सूचना दी। तुरंत ब्लू कोल्ट्स कांस्टेबल जयपाल, होम गार्ड किन्नेरा संपत मौके पर पहुंचे। सुरेश पहले से ही बेहोश पड़ा था।

उसने एम्बुलेंस को फोन किया और सोचा कि जब वह आएगी तो किसान की जान बच जाएगी और वह उसे ले जाएगा। कांस्टेबल जयपाल ने तुरंत उसे खेतों से होते हुए 2 किमी दूर गांव में ले गया और उसके परिवार के सदस्यों की मदद से उसे जम्मीकुंटा ले जाया गया। सरकारी अस्पताल. किसान सुरेश का तुरंत डॉक्टरों द्वारा इलाज किया गया। परिजनों ने बताया कि फिलहाल सुरेश की तबीयत स्थिर है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.